



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
Indian Institute of Technology Kanpur

वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT

2017-18

Board of Governors

Chairman



Shri R C Bhargava

Director



Prof. Indranil Manna
(till 6 November 2017 (F/N))



Prof. Manindra Agrawal
(w.e.f. 6 November 2017 (A/N))

Nominees of IIT Council



Prof. P Balaram



Shri K Venkataramanan



Prof. J K Bhattacharjee



Prof. G C Tripathi

Nominee of UP State Govt.



Prof. Onkar Singh
(till 14 June 2017)



Prof. S. N. Singh
(w.e.f. 15 June 2017)

Nominees of Senate of IIT Kanpur



Prof. C S Upadhyay
(till 31 December 2017)



Prof. V K Yadav



Prof. Debopam Das
(w.e.f. 1 January 2018)



Prof. M.L.N. Rao

Secretary to BOG



Shri K K Tiwari, Registrar

1	निदेशक की दीक्षान्त रिपोर्ट.....	1
2	संस्थान पर दृष्टिपात.....	12
3	संगठनात्मक स्वरूप.....	14
4	संकाय.....	17
5	शैक्षणिक पाठ्यक्रम.....	17
6	अनुसंधान एवं विकास.....	19
7	मानव संसाधन परियोजनाओं की स्थिति.....	26
8	एलुम्नाई एसोसिएशन.....	35
9	वित्त.....	36
10	पी के केलकर पुस्तकालय.....	37
11	संगणक केन्द्र.....	39
12	तकनीकी शिक्षा विकास केन्द्र.....	39
13	सृजनात्मक लेखन एवं प्रकाशन केन्द्र.....	40
14	मीडिया टेक्नोलोजी सेन्टर.....	40
15	सिडबी इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेन्टर.....	42
16	आन्तरिक शिकायत समिति.....	45
17	महिला प्रकोष्ठ.....	45
18	अनु.जाति/अनु. जनजाति/अन्य पिछड़ वर्ग एवं दिव्यांग प्रकोष्ठ.....	46
19	विद्यार्थी नियोजन.....	47
20	प्रकाशन एवं आउटरीच कार्य—कलाप.....	49
21	सेवा एवं सुविधाएं	49

funskd 'nh' kkt 'çfr osu



भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के संचालक मण्डल के माननीय अध्यक्ष श्री आर. सी. भार्गव, संचालक मण्डल के समस्त सदस्य, शैक्षणिक सीनेट के समस्त सदस्यों, समस्त स्नातक विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों, संकाय सदस्यों, पूर्व विद्यार्थियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा आमंत्रित गणमान्य अतिथियों एवं मीडिया के सदस्यों का मैं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के 51वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। मैं उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके परिवारों को भी इस गौरवपूर्ण अवसर पर बधाई देना चाहता हूँ।

'K&f. kd x fr fof/k k

मई 2018 को समाप्त हुआ शैक्षणिक वर्ष संतोषजनक रहा है। इस अवधि की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा करना मैं अपना विशेषाधिकार समझता हूँ।

मैं आपके साथ यह जानकारी बाँटते हुए हर्ष की अनुभूति कर रहा हूँ कि इस दीक्षान्त समारोह में सीनेट द्वारा अनुमोदित 160 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधियाँ प्रदान की गई हैं जो संस्थान के अभी तक के इतिहास में सर्वोच्च आंकड़ा है। शोध आधारित परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सीनेट द्वारा चार वर्ष पूर्व नये शैक्षणिक पाठ्यक्रम MS (By Research) को अनुमोदन प्रदान किया गया। मुझे आपके साथ यह जानकारी भी साझा करते हुए अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है कि आज इस पाठ्यक्रम के 25 विद्यार्थियों का प्रथम बैच उपाधि प्राप्त करने जा रहा है। इस दीक्षान्त समारोह के दौरान कुल 1576 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जा रही है जिनका विवरण नीचे दिया जा रहा है।

उपाधि	संख्या
पीएचडी	186
एम टेक	307
एम डेस	39
एमबीए	21
एमएस बाय रिसर्च	25
वीएलएफएम	40
एम एस सी पंचवष य	1
एम एस सी द्विवष य	147
बीटेक-एमटेक दोहरी उपाधि	149
डबल मेजर	11
बीटी-एमबीए दोहरी उपाधि	1
बीटी-एमडेस दोहरी उपाधि	1
बीटी-एमटी दोहरी उपाधि	1
एमएस-पीडी डू ल डिग्री का एमएस	13
बीएस-एमएस दोहरी उपाधि	56
बीटी-एमएस दोहरी उपाधि	9
बीटेक	505
बीएस चार वष य	64
कुल	1576

797 पूर्व स्नातक विद्यार्थियों में से 147 विद्यार्थी (18.4% विद्यार्थी) डिस्टिग्वेशन(8.5 या इससे ऊपर सीपीआई) के साथ उत्तीर्ण हुए हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर सर्वाधिक लचीले पूर्व स्नातक एवं

दोहरी उपाधि पाठ्यक्रमों के लिए जाना जाता है। इन पाठ्यक्रमों में निहित लचीलेपन के कारण विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में माइनर (कुछ ने दो माइनर) के साथ अपना पाठ्यक्रम पूर्ण किया है। ऐसे विद्यार्थियों की संख्या नीचे दर्शाई गई है।

एक माइनर पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों की संख्या: 158
दो माइनर पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों की संख्या: 18

इसके अलावा एक वर्ष का अतिरिक्त समय व्यतीत करके पूर्व स्नातक के 11 विद्यार्थी सेकेन्ड माइनर के साथ अपनी उपाधि प्राप्त कर रहे हैं तथा 217 परास्नातक विद्यार्थी स्नातक उपाधि के साथ परास्नातक उपाधि प्राप्त कर रहे हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उभरते हुए ज्ञान के साथ गति बनाए रखने के लिए 13 नये पूर्वस्नातक एवं 39 नये परास्नातक पाठ्यक्रमों को शैक्षणिक सीनेट द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है।

'K&f. kd i k~Øek&f y, u; &ne

- पाठ्यक्रम विकास एवं निगरानी समिति (CDMC) शिक्षण की समीक्षा, निगरानी, मूल्यांकन एवं संशोधन करना तथा संबंधित क्षेत्र में अत्याधुनिक कार्य प्रणाली को शामिल करना।
- 2017 से वांतरिक्ष अभियांत्रिकी में एमएस (रिसर्च) पाठ्यक्रम एवं 2018 से संज्ञानात्मक विज्ञान की शुरुआत।
- अटेन्डेन्स पैटर्न को समझने के लिए पूर्व स्नातक कक्षाओं के लिए बायोमैट्रिक आधारित उपस्थिति की व्यवस्था। उल्लेखनीय है कि यह सिस्टम कक्षा में उपस्थिति बढ़ाने में कारगर साबित होगा।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रधान मंत्री रिसर्च फेलोशिप (पीएमआरएफ)। शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान इस योजना के तहत 10 प्रवेश उपलब्ध कराएगा।



, ui h/rbZy]`Lo; àçHk p&f

गत सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलोजी इनहेन्सड लर्निंग के माध्यम से अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के लिए एक विख्यात पाठ्यक्रम "Non-Conventional Energy Resource" का आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध 273 कॉलेजों के 45,000 से भी अधिक बीटेक. अंतिम वर्ष के छात्रों का शैक्षणिक रूप से सहयोग किया गया।

शिक्षा को सीधे घर पहुंचाने की मानव संसाधन विकास मंत्रालय की (DTH) पहल के तहत 32 (DTH) चैनल्स को प्रारंभ किया जा चुका है जिनमें से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर वर्तमान में चैनल्स संख्या 16 एवं 17 का प्रबंधन कर रहा है। उक्त चैनल्स यांत्रिक अभियांत्रिकी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान तथा प्रबंधन में 24x7 नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नालाजी इनहेन्सड लर्निंग पाठ्यक्रम सामग्री का प्रसारण करते हैं।

वृद्धि, ओंठक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने इस वर्ष अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में नियमित वृद्धि दर्ज की है। इनमें से कुछ प्रमुख अनुसंधान कार्यों का उल्लेख नीचे किया जा रहा है।

- कुल 795 करोड़ रुपये की 626 मौजूदा परियोजनाओं को बाहरी स्रोतों रूप से स्वीकृत किया गया।
- 182 करोड़ रुपये की 179 प्रायोजित परियोजनाएं
- 23 करोड़ रुपये की 128 परामर्शी परियोजनाएं

वर्ष के दौरान फंडिंग करने वाली प्रमुख एजेंसियां



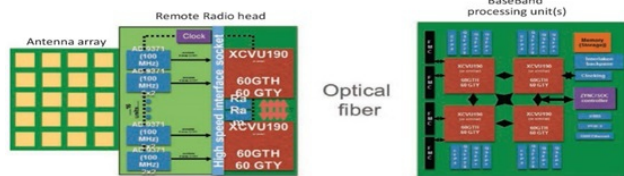
वर्ष के दौरान फंडिंग करने वाले प्रमुख इण्डस्ट्री पार्टनर



वर्ष के दौरान स्वीकृत की गई प्रमुख परियोजनाओं की सूची इस प्रतिवेदन के अंत में दी गई है।

लोक रीटिडिग्रीटिविजि; कसुक

स्वदेशी 5g टेस्ट बेड डिजाइन: दूरसंचार विभाग द्वारा पोषित 5g टेक्नालाजी डेवलपमेंट एवं इमिनेन्टेशन प्लान को प्राप्त करने के लिए भारतीय उद्योग एवं शैक्षणिक समुदाय को सक्षम बनाने हेतु एक 5g टेस्ट बेड का निर्माण देश के अन्दर किया जा रहा है। यह टेस्ट बेड मैसिव MIMO, मिलीमीटर वैव, आईओटी एवं सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड नेटवर्किंग जैसी अत्याधुनिक 5g टेक्नालाजी को प्रदर्शित करेगा।



लोकोमोटिव, मरीन एण्ड पावर जनरेशन एप्लीकेशन्स हेतुमैथनॉल द्वारा चालित लार्ज बोर इंजन की डिजाइन, रिट्रोफिटमेंट एण्ड डेवलपमेंट परियोजना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पोषित की गई है। संस्थान एवं भारतीय रेलवेज (RDSO) विश्व की पहली मैथनॉल चालित लोकोमोटिव इंजन को विकसित करने के लिए एक साथ कार्य कर रहे हैं जो उपचार प्रौद्योगिकी (ट्रीटमेंट टेक्नालाजी) के पश्चात किसी भी प्रकार की एग्जॉस्ट गैस का प्रयोग किये बिना हानिकारक कणिकीय उत्सर्जन को काफी हद तक कम करेगा।

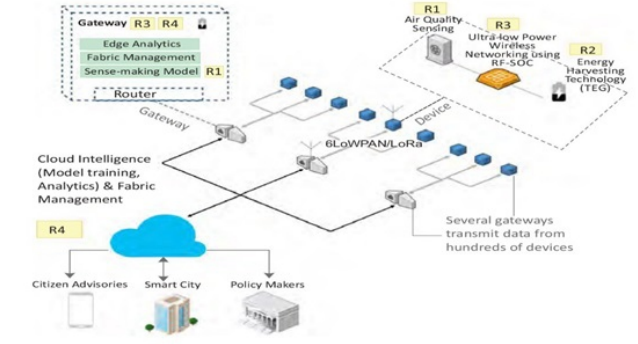
यथावत् निगरानी, रीयल टाइम डेटा ट्रांसमिशन एवं वेब बेस्ड विजुअलाइजेशन के लिए अकॉस्टिक ऑटो नो मस आब्जर्वटरी की डिजाइन एवं विकास परियोजना को IUSSTF द्वारा पोषित किया गया। यह कम लागत एवं बहु मापदण्ड वाले वाटर क्वालिटी



प्लेटफार्म को विकसित करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर एवं WHOI, USA के मध्य एक सहयोगी परियोजना है जिसके पास भारतीय नदियों की स्थायी एवं विश्वसनीय रीयल टाइम मॉनिटरिंग हेतु कई आंतरिक सेंसर तथा आटोसैपलिंग क्षमताएं होंगी।

Air Quality Monitoring Streaming Analytics on Temporal Variables from Air Quality Monitoring (SATVAM) परियोजना

को इंडो-यूएस साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी फोरम द्वारा पोषित किया गया है। यह एक वृहद एवं बहुसंस्थागत परियोजना है जिसमें यूएसए की ड्यूक यूनिवर्सिटी एवं भारत की ओर से सहयोगी संस्थान के रूप में आईआईटी बाम्बे एवं आईआईएससी शामिल हैं। स्थान एवं समय की दृष्टि से वितरित वायु गुणवत्ता संबंधी सूचना का अभाव मानवीय स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर वैज्ञानिक अध्ययन को प्रभावी बनाने में सक्षम नहीं होता है।



UI-ASSIST (w l & bāM k' d y & j \$Vo ' QkV Le KVZ fVlVPC vku fl Lve ' fon LVk\$):

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर एक पांच वर्षीय संयुक्त इंडो-यूएस रिसर्च प्रोजेक्ट पर तकनीकी संस्थानों, जनोपयोगी सेवाओं एवं उद्योगों के लिए एक संघ का नेतृत्व कर रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से इस संघ का नेतृत्व वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी पुलमैन डब्ल्यू ए कर रहा है। विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, IUSSTF, यूएस एनर्जी विभाग इस संघ को पोषित कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य स्मार्ट ग्रिड की धारणा एवं वितरित एनर्जी संसाधनों के विकास एवं अंगीकरण से संबंधित आवश्यक मुद्दों का समाधान निकालना है। साथ ही साथ इसके प्रभावी एवं विश्वसनीय प्रचालन हेतु भण्डारण भी उपलब्ध कराना है। डीआर एवं स्टोरेज सहित इंटरकनेक्टेड माइक्रोग्रिड के सुलभ प्रचालन हेतु विश्लेषण एवं प्रौद्योगिकी का विकास किया जाएगा। तकनीकी साधन विकसित करने के अतिरिक्त इस परियोजना के तहत नीति निहितार्थ स्मार्ट मीटर्स, अक्षत ऊर्जा, स्टोरेज एवं माइक्रोग्रिड सलूशन के एकीकृत समाधान की सामाजिक स्वीकार्यता और इसके साथ-साथ प्रभाव एवं मूल्य का परीक्षण किया जाएगा।

संयुक्त कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक आवासीय, व्यावसायिक एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं को शामिल करते हुए ग्रामीण, अर्धशहरी एवं शहरी स्थानों को सम्मिलित करके 10 प्रयोगशाला स्तरीय पायलटस एवं 10 फील्ड डेमन्स्ट्रेशन पायलटस का प्रदर्शन करना है।

“क्रोनिक डिज़ीज़ की जल्द पहचान हेतु नैनो-बायो-प्लेटफार्म का विकास” नामक परियोजना को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पोषित किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य लार एवं शरीर के अन्य द्रव्य पदार्थों से लिये गये नमूनों का प्रयोग करके मुख के कैंसर, माइक्रोबैक्टीरियम, क्षय रोग एवं संबंधित रोगाणु की पहचान के लिए प्रारंभिक अवस्था वाले बायोमार्कर हेतु नैनो-बायो टेक्नोलॉजी आधारित प्लेटफार्म का निर्माण करना है। प्रस्तावित प्रदेश में रोगाणु निष्प्राभावीकरण हेतु क्षय रोग की पहचान एवं पेप्टाइड आधारित मेट्रिक्स के लिए बायोप्रिंटिंग एप्रोच एवं इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर के माध्यम से कैंसर ग्रोथ मॉडलिंग के लिए 3-D क्राइअजेल मेट्रिक्स की संरचना एवं मुख के कैंसर के प्रारंभिक लक्षण हेतु पेपर आधारित माइक्रो-फ्लूइडिक चिप शामिल होगी।



j k'v h ' G y k d p s , . M n & U l v s k u v m v s t d , l y h d s k u k i

विकास परियोजना को राष्ट्रीय साइबर सिक्यूरिटी कोऑर्डिनेटर (NCSC) द्वारा पोषित किया जा रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर स्वेदेशी ब्लॉक चैन प्लेटफॉर्म पर अनुसंधान कार्य करके उसे विकसित करेगा जो जिस समय क्रिप्टोग्राफिक रूप से संरक्षित होगा उस समय पारदर्शी एवं प्रभावी ई-गवर्नेंस को सक्षम बनाएगा। इस परियोजना को तीन चरणों में पूरा किये जाने की योजना है। पहले चरण में व्यवहारिक अध्ययन, दूसरे चरण में अनुसंधान एवं प्रोटोटाइप चरण के दौरान प्रयोग करने वाली एजेंसी की पहचान, एवं परियोजना के अंतिम चरण में इन्क्यूबेशन का कार्य किया जाएगा। इन्क्यूबेशन चरण में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा इन्क्यूबेटिड की गई कंपनी समाधान उपलब्ध कराएगी तथा ब्लाकचैन आधारित पारदर्शी ई-गवर्नेंसके लिए विभिन्न एजेंसियों हेतु इंजीनियरिंग का कार्य करने वालों के लिए भी समाधान प्रदान करेगी।

, ut hZjX ywsku l hJ %fo| q' d's{ ks' e aet cw| gksh j X yw| h fj| pZ . Mu\$od Zपरियोजना को अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग, यूनाइटेड किंगडम सरकार द्वारा पोषित किया जा रहा है। इस केन्द्र के माध्यम से भारतीय विद्युत क्षेत्र के महत्वपूर्ण मामलों को समझने एवं उनका विश्लेषण करने के लिए रेग्यूलटरी रिसर्च एण्ड नेटवर्किंग सिस्टम को बढ़ावा देगा जबकि विद्युत नियामक आयोग, विद्युत सेवाओं एवं शैक्षणिक जगत के साथ मिलकर कार्य करेगा। इस परियोजना के तहत भारतीय एवं विदेशी संस्थाओं के साथ नेटवर्क विकसित करने का लक्ष्य भी है।

SPICE मॉडल शीर्षक ASM-THEMT का चयन सिलिकॉन इंटीग्रेशन इनीशिएटिव कॉम्पेक्ट मॉडल कोअलिशन द्वारा गैलीयम नाइट्राइट हाई इलेक्ट्रान मोबिलिटी ट्रांजिस्टर के लिए विश्व के प्रथम इण्डस्ट्री स्टैण्डर्ड मॉडल के रूप में किया गया है। इण्डस्ट्री स्टैण्डर्ड मॉडल का चयन सेमी कंडेक्टर इण्डस्ट्री द्वारा बहु-प्रौद्योगिकीयों की वैद्यता एवं कड़े मूल्यांकन के पश्चात किया जाता है। यह मॉडल अब इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन आटोमेशन सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध रहेगा एवं महत्वपूर्ण सेमीकंडेक्टर एवं विश्वभर की ईडीए कंपनियों द्वारा प्रयोग में लाया जाएगा। GaN HEMT का प्रयोग आर एफ एम्पलीफायर्स एण्ड पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन द्वारा व्यापक रूप से किया जाएगा। GaN HEMT भावी 5G टेक्नोलोजी के लिए पॉवर एम्पलीफायर को डिजाइन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत सरकार बैंगलूरु के पास GaN ढलाईखाना स्थापित करने पर विचार कर रही है। DORD एवं ISRO भी रक्षा एवं अंतरिक्ष एप्लीकेशन्स के लिए इस प्रौद्योगिकी के विकास पर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

v ub qku gsq kkk Hkm fp/kk a

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की FIST योजना के तहत संस्थान के वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग को पांच वर्ष की अवधि के लिए अपनी शोध सुविधाओं को सुदृढ़ एवं उन्नत करने के लिए लगभग 4.53 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। इस राशि को निम्नलिखित क्षेत्रों में शोध सुविधाओं को प्रारंभ/विस्तार करने के लिए प्रयुक्त किया जाएगा।

- हाई एन्थैल्पी हाई स्पीड प्लो
- एडवांस प्लो डायग्नोस्टिक
- एयरोस्पेस मटेरियल्स की मैकेनिकल इन्टेग्रेटी में सुधार
- अनमैन्ड एरियल सिस्टम

इस राशि की मदद से निम्नलिखित अत्याधुनिक उपकरण सुविधाएं भी स्थापित की जाएगी।

- फ्री-फिस्टन एक्सपेंशन ट्यूब फैसिलिटी एण्ड असेम्बली इन्स्ट्रुमेन्टेशन
- Nd YAG लेज़र (मौजूदा उपकरणों के उन्नयन हेतु)
- मल्टी मैटीरियल लेज़र सिन्ट्रिंग सिस्टम
- रेले थर्मोग्राफी सेटअप
- कोहिरेन्ट एन्टी स्टॉक्स रेमन स्कैटरिंग (CARS) सेटअप

संस्थान के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग को भी भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की FIST योजना के तहत अनुदान प्राप्त हुआ है। यह राशि निम्नलिखित सुविधाएं स्थापित करने के लिए प्रयुक्त की जाएगी।

- पावर-डिवाइस और लोड-पुल कैरेक्टराइजेशन सिस्टम फॉर हाई पॉवर IV, नॉइज़ एण्ड लार्ज सिगनल हाई फ्रीक्वेंसी मेज़रमेंट्स ऑफ नैनोस्केल CMOS एण्ड पॉवर डिवाइसिस
- टाइम रिजाल्वड को-रिलेशन सिस्टम फॉर पॉवर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर
- आटोमैटिड एंटिना पोजिशनर सिस्टम फॉर कैरेक्टराइजेशन ऑफ थ्री डाइमेंशनल रेडिएशन पैटर्न ऑफ एंटिना इन द डिपार्टमेंट एनिकोइक चैंबर

वर्ष के दौरान संस्थान में स्थापित की गई कुछ कृत्रिम सुविधाओं का उल्लेख इस प्रतिवेदन के अंत में किया गया है।

v k\$ kx d l g; k\$

देश के अन्दर प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थान होने के कारण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर उद्योग से जुड़े हुए साझेदारों के साथ मिलकर कार्य करता है। इस साझेदारी का उद्देश्य दोनों को अपने उत्पाद एवं सेवाओं की गणवत्ता में बढ़ोतरी करना है। इसका वृहद उद्देश्य व्यापक स्तर पर समाज को श्रेष्ठ समाधान उपलब्ध कराना है।

इस वर्ष भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने मारुति सुजुकी लिमिटेड के लिए भारत में EVs & HVs vs FFVs पर एक नीति दस्तावेज तैयार किया है। इस संबंध में एक सहमति ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किया गया है।

एनईटीआरए द्वारा विद्युत अभियांत्रिकी एवं वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग में पहले से जारी परियोजनाओं के अतिरिक्त सिविल एवं विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में भी कुछ परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं।

nmpr j v kfo"d kj ; k\$ ukd \$ gr i fj ; k\$ uk a

(UAY)
Uchchar Avishkar Yojana



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय की उच्चतर आविष्कार योजना के तहत चार परियोजनाओं का अनुमोदन प्राप्त किया है।

- जी ई इंडिया इण्डस्ट्रीयल प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से एयरक्राफ्ट इंजन कम्बिनेट डिजाइन फार इम्पूल्स आपरेबिलिटी, ड्यूरैबिलिटी, पैटर्न फैक्टर एण्ड इमिशन।
- रिलायंस इंडिया लिमिटेड के सहयोग से डेवलपमेंट ऑफ पॉलीमैरिक बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग मैटीरियल्स
- ई-स्पिन नैनो टेक्नालाजी प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से एड्जेसेबल पेप्टाइड पॉलीमर इलेक्ट्रोस्पिन नैनोफाइबर्स फार सेल सॉर्टिंग डायग्नोस्टिक्स एण्ड डिलीवरी।
- आर्थो रीजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से फ़ैबरिकेशन ऑफ न्यू जनरेशन सेल्फ रिसेर्बिंग इंप्लांट्स एण्ड डिवाइस फ्रॉम बायोएक्टिव एण्ड बायोडिग्रेडेबल मैटीरियल्स फॉर आर्थोपैडिक एप्लीकेशन।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा 28 फरवरी 2018 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। इस दिवस के तहत संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा संधारणीय भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान द्वारा दिनांक 11 मई 2018 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर स्थित राष्ट्रीय पलेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक्स केन्द्र द्वारा किया गया। प्रोफेसर वाय एन महापात्रा ने "What if Electronics is

flexible?" विषय पर एक व्याख्यान दिया जिसमें 400 से अधिक स्कूली बच्चों ने भाग लिया ।



bukosku, . MbuD; wsku

वर्ष के दौरान 8 डिजाइन पेटेन्ट सहित 53 पेटेन्टों को पंजीकृत कराया गया एवं पूर्व में पंजीकृत 21 पेटेन्टों को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त एक प्रौद्योगिकी शीर्षक " Anti-Counterfeiting Mark with 3-D Features" व्यवसायीकरण हेतु लाइसेंस प्राप्त कर रहा है ।

आज तक 35 डिजाइन पेटेन्ट्स एवं 451 भारतीय पेटेन्ट्स को पंजीकृत किया जा चुका है जिनमें से 84 पेटेन्ट्स को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है साथ ही साथ 56 प्रौद्योगिकियों को व्यवसायीकरण हेतु लाइसेंस प्रदान किया गया ।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर स्थित सिडबी इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर में वर्तमान में 57 कंपनियों को तैयार किया जा चुका है जबकि 48 कंपनियों को प्रशिक्षित किया गया ।

BIRAC ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में BURAC-Bio-NEST सुविधा का विस्तार करने के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान करने हेतु अपनी योजना शीर्षक (बायोइन्क्यूबेटर्स नर्वरिंग इंटरप्रेन्योरशिप फॉर स्कैलिंग टेक्नोलॉजी) के तहत दूसरे चरण में 1.9 करोड़ रुपये की राशि अनुमोदित की है ।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर स्थित सिडबी इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर का BIRAC के प्रमुख कार्यक्रम BIG हेतु DBT के छठे बायोटेक्नोलॉजी इग्नीशन ग्रांट (BIG) के रूप में चयन किया गया है ।

BIRAC ने बायो टेक के क्षेत्र में स्टार्टअप कंपनियों को फंड उपलब्ध कराने के लिए 100 लाख रुपये का सीड फंड (नये उद्यम की स्थापना में लगाया जाने वाला धन) अनुमोदित किया है। इक्विटी स्पॉर्ट के रूप में प्रत्येक स्टार्टअप को 30 लाख रुपये प्रदान किये जाएंगे ।

राष्ट्रीय शोध एवं विकास निगम नई दिल्ली द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर स्थित इनोवेशन फेसिलिटेशन केन्द्र स्थापित करने के लिए धन उपलब्ध कराया गया है। इनोवेशन फेसिलिटेशन केन्द्र के पास इनोवेशन इको-सिस्टम को प्रोत्साहित करने का अधिकार है और वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान 53 पेटेन्ट्स को पंजीकृत करने में सहयोग प्रदान किया है ।

सिडबी इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर एवं इसके द्वारा तैयार की गई



पुरस्कार	प्राप्तकर्ता
आईएसजीएफ इनोवेशन अवार्ड 2018	सिडबी इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर
स्मार्ट इन्क्यूबेटर्स ऑफ द ईयर	जी टी सिलिकॉन प्राइवेट लिमिटेड एण्ड इनर्शल एलीमेंट्स
TiE यू पी अवार्ड 2018- वर्ष का युवा उद्यमी	PROSOC इनोवेटर्स
विनर ऐट द जीएसईए साउथ एशिया फाइनल कॉम्पैटिशन	क्रिड्रम टेक्नालाजी
फाइनलिस्ट ऑफ इरोकशन सिर्फिट ऑफ ऑन्ट्रप्रनरशिप अवार्ड IUSSTF इनोवेशन अवार्ड	

v U m y f0k ka

- आरव अनमैन्ड सिस्टम ने ग्रा वेंचर्स, 500 स्टार्टअप एवं मार्च 2018 में वेल वेदर एडवाइजर से प्री-सीरीज में एक अप्रकटित राशि की मांग की है । प्रथम चरण की राशि स्टार्टअप एक्स सीड द्वारा प्राप्त की गई है। 30NE4 एवं संजय जेसराणी को ValPro's Enablers द्वारा आर्थिक मदद प्रदान की गई है ।
- APCEGEN प्रौद्योगिकी का चयन जैव प्रौद्योगिकी द्वारा किया गया है। यह मई 2018 में बोस्टन में इंडियन पवेलियन का प्रतिनिधित्व करेगा ।
- कृषि का आधुनिकीकरण करने के लिए आक्सन फार्म सोल्यूशन्स को राष्ट्रपति भवन में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया ।
- सिलिकान इंडिया स्टार्टअप सिटी द्वारा कृषि हब को सर्वोच्च 10 एग्रीकल्चर सोल्यूशन्स प्रोवाइडर के रूप में मान्यता प्रदान की गई है ।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर स्थित राष्ट्रीय फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक्स सेंटर ने नकली सामग्री की पहचान करने के लिए एक टेक्नोलॉजी विकसित की है। सिडबी इन्क्यूबेशन एण्ड इनोवेशन सेंटर द्वारा प्रशिक्षित ट्रांसपैक टेक्नोलॉजी द्वारा इस प्रकार के एक लाख लैबल तैयार किये गये हैं जिनकी आपूर्ति बहु राष्ट्रीय कंपनियों को की गई है ।
- सिडबी इन्क्यूबेशन एण्ड इनोवेशन सेंटर द्वारा तैयार की गई कंपनी Help Us Green द्वारा विश्व के प्रथम Temple Waste Solution का विकास किया है। कंपनी के पास कुल 6 पेटेन्ट्स हैं जो अभी प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2018 के लिए कंपनी की राजस्व दर 2 करोड़ रुपये थी तथा अभी तक विभिन्न सहयोगियों से + 356,000 जुटाए हैं। Help Us Green का नाम Forber 30/30, सीएनबीसी आवाज़ एवं स्टेनफोर्ड स्पेशल रिव्यू में प्रकाशित हुआ है ।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर स्थित इन्क्यूबेशन एण्ड इनोवेशन इकोसिस्टम का व्यवसायीकरण 8 कंपनियों के वर्ग द्वारा किया जा रहा है ।

v ajkZ/h ' kSkf. kd l g; kx

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की अहमियत को मान्यता प्रदान करते हुए संस्थान द्वारा शैक्षणिक एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग के लिए कई अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहमति ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गये हैं। इस सूची में इकोले नेशनल सुपीरियर डी आर्ट्स एट मेटियर्स फ्रॉम फ्रांस; हेडेलबर्ग विश्वविद्यालय और फैंकल्टी ऑफ मैनेजमेंट एवं इकनॉमिक्स ऑफ लीपजिग विश्वविद्यालय जर्मनी; Katanov खकास विश्वविद्यालय रूस; सेविला विश्वविद्यालय और सैंटियागोडी कंपोस्टेला विश्वविद्यालय स्पेन; बफेलो विश्वविद्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका; शरीफ प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और अलाज़ाहर विश्वविद्यालय ईरान; नैनजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी चीन; शिबूरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ इन्फार्मेशन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी एवं टोक्यो विश्वविद्यालय जापान के मध्य सहमति ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गये हैं ।



foLh l akku l ag. k

रूपये लाख में

1.	तुलनात्मक शीर्षक	दान की ग राशि का तुलनात्मक विवरण	
		2016-1	2017-1
ए.	दान	762	1076
ए-1	स्रोत के आधार पर		
1.	घरेलू	249	353
2.	विदेशी	513	723
ए-2	दानदाताओं की संख्या	461	2234
1.	घरेलू	266	1631
2.	विदेशी	185	621
ए-3	दानदाताओं की संख्या	547	2564
ए-4	विभिन्न उपो मों के तहत उल्लेखनीय अंशदान		
1.	आारभूत ढांचा एवं सामाजिक उपक्रम	439	551
2.	शैक्षणिक एवं विद्याथ उपो म	89	173
3.	बैच का अंशदान	88	121
बी.	उद्योग जगत का सामाजिक उर्हरदायित्व		
1.	विभिन्न कंपनियों के साथ किये गये	7	4
2.	हस्ताक्षरित विस्तारित किये गये सहमति ज्ञापनों की कुल लागत	985	167
3.	विर्डीय वर्ष के अंत तक हस्ताक्षरित किये गये कुल सहमति ज्ञापनों से (वर्ष के दौरान) प्राप्त धन	145	330

nyy fkuh v aknkukal kfooj. kulpsn; kt kjgkG

उद्देश्य	राशि रूपये में
1963 बैच से भाप्त ान	26,81,820
1968 बैच से भाप्त ान	51,32,962
1993 बैच से भाप्त ान	23,18,951
1997 बैच से भाप्त ान	13,16,210
अपारच्युनिटी स्कूल का भवन	1,96,31,525
मोटवानी इन्व्यूबेटर एवं एकसीलेटर	3,21,28,750
विद्याथ ार्मादा छात्रवृर्डी िनिम्न आय समूहीं	35,77,571
सुश्री रत्ना कौशिक एवं ड. भूषण लाल छात्रवृर्डी	10,00,000
संदीप एवं विनिता अग्रवाल छात्रवृर्डी	6,75,000
तरुण शॉ ि मैमोरियल छात्रवृर्डी	6,84,000
भोफेसर संजीव कुमार अग्रवाल धर्मादा िधि	26,19,921

पूर्वछात्रों द्वारा उपलब्ध कराये गये आर्थिक सहयोग से संचालित स्टूडेन्ट्स-अंडरग्रेजुएट रिसर्च एण्ड ग्रेजुएट एकसीलेस (सर्ज) पाठ्यक्रम देश के अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों हेतु आउटरीच कार्यक्रम 2017 का आयोजन ग्रीष्मकाल में किया गया। इस पाठ्यक्रम के लिए प्रतिभागियों का चयन कडी प्रतिस्पर्धा के आधार पर किया गया क्योंकि विभिन्न संस्थानों से हजारों आवेदन प्राप्त हुए और यह इस चीज को प्रमाणित करता है कि देश भर के छात्रों में इस पाठ्यक्रम को लेकर लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

1. सं.	विवरण	सर्ज वर्ष 2016	सर्ज वर्ष 2017
1.	आवेदन की संख्या	1600	1200
2.	भतिभागियों की संख्या	92	103
3.	पाठ्यक्रम में पढाने वाले भा.प्रौ.सं. कानपुर के संकाय सदस्यों की संख्या	73	73

पूर्वछात्रों द्वारा अर्जित की गई उपलब्धियां

ए. संस्थान के पूर्वछात्रों द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की गई हैं।

संस्थान के प्रतिष्ठित एवं सम्मानित पूर्वछात्रों ने वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान विविध वर्गों में विभिन्न सम्मान एवं पुरस्कार ग्रहण किये हैं।

पुरस्कार विर्गी	पुरस्कारों की संख्या
शैक्षणिक पुरस्कार	60
औद्योगिक पुरस्कार	4
सरकारी पुरस्कार	2

, - egRoi wkm y fOk kae d sd d' d kmYy fku uhp sfd; k t kjgkG

पुरस्कार	पूर्वछात्र कानाम	पुरस्कार प्रदान करने वाली संस्था का नाम
क लेज ऑफ फेलो	प्रो. कल्पना कट्टी (MSc/PHY/1989)	अमेरिकी चिकित्सा एवं जैविक अभियांत्रिकी संस्थान
2018 गुगलहाइम फेलो, नेशनल साइंस एकेडमी का सदस्य	प्रो. अरुण के चक्रवर्ती (BT/CHE/1983)	जॉनसायमन मैमोरियल फाउन्डेशन, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस
फेलोशिप	प्रो. देवव्रत गोस्वामी (MSc2/CHM/1988)	इस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स
फेलोशिप	प्रो. सुदेशना सिन्हा (MSc/CHM/1985) षो. संध्या ए विश्वेससराय (MSc2/CHM/1980) षो. शिराज ए. मिनवाला (MSc5/PHY/1995) षो. अभिताब चट्टोपाध्याय (MSc/CHM/1980)	द वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंस
मेंबर	जयदेव मिश्रा (BT/EE/1969) प्रो. मुकुल मणि शर्मा (BT/CHE/1980) षो. अशोक झुनझुनवाला (BT/EE/1975)	
पदमश्री 2018	श्री अरविन्द कुमार गुप्ता (BT/EE/1975)	रिपब्लिक ऑफ इंडिया
एच के फिरोदिया विज्ञान भूषण अवार्ड 2017, यूनेस्को मेडल 2017	प्रो. आशुतोष शर्मा (BT/CHE/1982)	एच के फिरोदिया फाउन्डेशन, यूनाइटेड नेशनस एजुकेशनल साइंटिफिक एण्ड कल्चरल आर्गनाइजेशन
प्लस एलाइन्स प्राइज 2017	डॉ. एन आर नारायण मूर्ति (MT/EE/1969) षो. वीना सहजेवाला (BT/MME/1986)	द प्लस एलाइन्स
फॉरेन एसोसिएट ऑफ नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस	प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल (BT/PhD/CSE/1986/1991)	नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस

ch l b fku d si wlk=ks kj k fd; sx; snYy fkuh m eh l aak; k

पूर्व छात्र का नाम	उद्यम क्षिर्ती
रोहित गर्ग (BT/CSE/2006)	बंगलूरु स्थित फिनटेक स्टार्टअप 'स्मार्ट कॉइन' के सह-संस्थापक। कंपनी ने प्री-सीरिज फन्डिंग राउन्ड में + 2 मिलियन (13 करोड़) रूपये जुटाए। स्मार्ट कॉइन कन्जूमर माइक्रो लैन्डिंग प्लेटफार्म है जिसका ध्यान भारत के अनर्जित मध्यम एवं कम आय वाले लोगों पर केन्द्रित है। इसने अभी तक सफलतापूर्वक 50,000 लघु ऋण वितरित किये हैं।

निखिल उपाध्याय (Dual/CE/2013)	अर्नव अनमेन्ड सिस्टम के सह-संस्थापक (एयूस) कंपनी ने प्री-सिरीज में अनजित राशि जुटाई। चरण का नेतृत्व GrowX Venture, 500 स्टार्टअप एवं बैलवेदर एडवाइजर द्वारा किया गया। बंगलूरु स्थित कंपनी डिजाइन एवं डेवलप ड्रॉन आधारित सोल्यूशन फॉर मैपिंग, इण्डस्ट्रियल इन्स्पेक्शन एण्ड प्रीसिशन ग्रीकल्वर अपने स्वयं प्रापराइडरी ड्रॉन टेक्नालाजी का प्रयोग कर रहे हैं।
श्री दीपक गर्ग (BT/ME/2003)	Rivigo के सह संस्थापक जो कि प्रौद्योगिकी समर्थित एक लोजिस्टिक कंपनी है। कंपनी ने सीरीज डी चरण में 322.5 करोड़ रुपये अर्जित किये हैं। कंपनी के पास 2000 से ज्यादा ट्रकों का स्वयं का एक बेड़ा है। एलपीसीडी जैसे पैन इंडिया नेटवर्क, बेस्ट ट्रांजिट टाइम परफार्मेंस एण्ड कस्टमाइज्ड सलूशन हैं।
श्री अरुण खेतान (BT/EE/2009)	अर्बन क्लैप के सह-संस्थापक। गुरुग्राम स्थित होम सर्विस स्टार्टअप। कंपनी ने इंटरनेट इनवेस्टमेंट फन्ड वी-वाई कैपिटल से + 21 मिलियन सिरिज सी फन्डिंग प्राप्त की है।

। ह i ०४k=१३ kj kx g. kfd; ४; ३gRi wkZ n

पूर्वछात्र का नाम	पद
डॉ. के. विजय राघवन (BT/MT/CHE/1975/1977)	भारत सरकार में प्छान वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किये गये।
डॉ. चन्द्रमोली अग्रवाल (BT/ME/1982)	मसूरी केंसस सिटी विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त किये गये।
डॉ. उदयमोहित ओबराय (BT/CHE/1986)	गर्बर टेक्नोलॉजी के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किये गये। आप इंटीग्रेटेड सॉफ्टवेयर एवं आटोमेशन सोल्यूशन्स फॉर द अपरेल एण्ड इण्डस्ट्रियल मार्केट के वर्ल्ड लीडर

। ५kku d \$ d k l nL:

५r hZ

पिछले एक वर्ष के दौरान संस्थान ने 855 आवेदकों के सापेक्ष 40 संकाय सदस्यों की भर्ती की है। इन 40 संकाय सदस्यों में से 23 नये संकाय सदस्यों ने संस्थान में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। विभागवार नियुक्तियां नीचे दी गई तालिका में दर्शायी जा रही है।

विभाग	नये संकाय सदस्यों की संख्या
वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	5
रासायनिक अभियांत्रिकी	1
सिविल अभियांत्रिकी	1
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	5
पृथ्वी विज्ञान	1
विद्युत अभियांत्रिकी	2
औद्योगिक एवं ष बंधन अभियांत्रिकी	2
गणित एवं सांख्यिकी	2
यांत्रिक अभियांत्रिकी	2
भौतिकी	2

वर्ष के दौरान संस्थान ने पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप के 9, अतिथि संकाय के 8, एडजंक्ट फोकल्टी के 12 तथा 2 डिस्टिंग्विशड ऑनरेरी प्रोफेसरों

को नियुक्ति संबंधी प्रस्ताव प्रदान किये हैं।

i jld k j ; oā Eku

मुझे आपके साथ यह समाचार साझा करते हुए अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है कि डॉ. अरुण शुक्ला (बीएसबीई) एवं डॉ. आनंद कुमार झा (भौतिकी) का पत्र क्रमशः नेचर नैनोटेक्नोलॉजी एवं नेचर कम्यूनिकेशन नामक प्रतिष्ठित जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।

डॉ. अभिषेक (वां.अ.) का चयन तीन वर्ष के लिए आईएनएई की अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी इनोवेशन फेलोशिप के लिए हुआ है। बीएसबीई विभाग के डॉ. एस. गणेश का चयन भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की टाटा इनोवेशन फेलोशिप (2017-2020) के लिए हुआ है। रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के योगेश एम जोशी, रसायन विभाग के डॉ. अमलेन्दू चन्द्रा एवं डॉ. शंकर पी रथ का चयन नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस (भारत) के लिए हुआ है। रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. राहुल मंगल, डॉ. विशाल अग्रवाल को भारत सरकार की रामानुजन फेलोशिप प्रदान की गई है। रसायन विभाग के डॉ. जे. एन. मूर्ति, डॉ. जे. के. बेहरा का चयन इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी नई दिल्ली के लिए हुआ है। संगणक विज्ञान के डॉ. सुरेन्द्र विश्वाना को जर्मनी के हेम्बोल्ट फाउण्डेशन की ओर से अनुभवी अनुसंधानकर्ता हेतु हेम्बोल्ट फेलोशिप प्रदान की गई है। विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. लक्ष्मीधर बेहरा को इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग की फेलोशिप प्रदान की गई है। विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. संदीप आनंद, भौतिक विभाग के डॉ. जयदीप चक्रवर्ती एवं गणित एवं सांख्यिकी विभाग के डॉ. सोमनाथ झा का चयन इंडियन एकेडमी ऑफ साइंस बंगलौर के एसोसिएट के रूप में हुआ है। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग की डॉ. अनिदिता चक्रवर्ती का चयन लीपजिंग यूनिवर्सिटी के उन्नत अध्ययन मानविकी केन्द्र के वरिष्ठ फेलो के रूप में हुआ है। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के डॉ. कुमार रवि प्रिया को यूएसआईईएफ काफुलब्राइट नेहरू एकेडमिक एण्ड प्रोफेशनल एक्सीलेंस फेलोशिप-फ्लेक्स अवार्ड प्रदान किया गया है। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. समीर खांडेकर का चयन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के फेलो के रूप में हुआ है। पदार्थ विज्ञान अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. कांतेश बलानी को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की स्वर्ण जयंती फेलोशिप अवार्ड 2016-17 प्रदान की गई है। पदार्थ विज्ञान विभाग के डॉ. के. विश्वास का चयन ग्लोबल यंग एकेडमी, जर्मनी के यंग फेलो के रूप में हुआ है। पदार्थ विज्ञान विभाग के डॉ. ए. के. सिंह को भारतीय पदार्थ विज्ञान की फेलोशिप प्रदान की गई है।

वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. देबोपम दास को देवांग मेहता नेशनल एजुकेशन अवार्ड्स द्वारा एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड के उपवर्ग में 'बेस्ट प्रोफेसर इन एयरोडायनामिक्स' से सम्मानित किया गया है। जैव विज्ञान एवं जैविक अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. अरुण कुमार शुक्ला का चयन बायोलाजी में वर्ष 2016 के लिए बी एम बिरला साइंस प्राइज के लिए हुआ है। डॉ. अरुण कुमार शुक्ला का यूरोपियन मॉलिक्युलर बायोलॉजी आर्गनाइजेशन के यंग इवेंस्टीगेटर के रूप में चयन भी किया गया है। सिविल अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. सच्चिदानंद त्रिपाठी, संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. मणीन्द्र अग्रवाल, रसायन विभाग के डॉ. विनोद कुमार सिंह एवं डॉ. संदीप वर्मा का चयन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा फेलोशिप के लिए किया गया है। रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. योगेश एम जोशी को भारतीय रासायनिक अभियांत्रिकी संस्थान द्वारा आर पी जी लाइफ साइंस एम एम शर्मा गोल्ड मेडल प्रदान किया गया है। रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. आशुतोष शर्मा को नैनोसाइंस एवं नैनोटेक्नोलॉजी के प्रति योगदान देने एवं उसका विकास करने के लिए यूनेस्को मेडल 2017 से सम्मानित किया गया है। रसायन विभाग के डॉ. के. श्रीहरि एवं विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. अजित कुमार चतुर्वेदी (वर्तमान में भा.प्रौ.सं. रूड़की के निदेशक) को प्रतिष्ठित आईएनएसए टीचर्स अवार्ड 2017 से सम्मानित किया गया है। रसायन विभाग के डॉ. जितेन्द्र कुमार बेहरा का चयन वर्ष 2018 के लिए रासायनिक विज्ञान में सी एन आर राव नेशनल प्राइज के लिए हुआ है। रसायन विभाग के डॉ. संदीप वर्मा का चयन वर्ष 2018 के लिए भारत की पदार्थ अनुसंधान संस्था द्वारा MRSI-ICSC सुपरकंडेक्टिविटी एण्ड मैटीरियल्स साइंस ऐन्सूअल प्राइज के लिए हुआ है। संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. टी. वी. प्रभाकर को मा.सं.वि.मं. नई दिल्ली द्वारा टीचिंग इनोवेटर अवार्ड 2016 से सम्मानित किया गया है। प्रो. प्रभाकर को AgMOOC

Technology for Growth वर्ग में स्कोच गोल्ड अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। संगणक अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. अमय करकरे, डॉ. पुरुषोत्तम कर, डॉ. टी. वी. प्रभाकर को वर्ष के बेस्ट फैकल्टी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इन्हें यह सम्मान भारत की कम्प्यूटर संस्था, मुंबई चैप्टर द्वारा क्रमशः कई संस्थानों में ज्ञान का प्रसार-प्रसार करने, टीचिंग एवं लर्निंग में टेक्नोलोजी टूल्स का अनुप्रयोग करने, समकालीन विषयों पर पुस्तकों का संपादन करने के लिए दिया गया है। विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. संदीप आनंद का चयन वर्ष 2017 के लिए आईएनएई यंग इंजीनियर अवार्ड हेतु हुआ है। गणित एवं सांख्यिकी विभाग के डॉ. देवाशीष कुंडू को भारत की आपरेशन रिसर्च सोसायटी द्वारा पी.सी. महालोनोबिस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. अविनाश कुमार अग्रवाल को कलैरिवेट एनालेटिक्स द्वारा इंडिया रिसर्च एक्सीलेंस-साइटेन अवार्ड के छठवें संस्करण से सम्मानित किया गया है। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. गौतम विश्वास (वर्तमान में भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी के निदेशक) को एनआई टी अग्रतला द्वारा आनरेरी डाक्टरेट (Honoris Causa) से सम्मानित किया गया है। पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. सुधांशु शेखर सिंह को भारतीय पदार्थ संस्थान (आईआईएम) इंडिया द्वारा वर्ष 2017 के युवा धातुकर्मी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पदार्थ विज्ञान अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. आशीष गर्ग को यूके नेशनल कमीशन फार यूनेस्को द्वारा DST-RCUK APEX परियोजना हेतु न्यूटन प्राइज़ अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. कलोल मंडल को भारत की इलेक्ट्रो-केमिकल सोसायटी द्वारा मस्कट नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. के विश्वास को भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय द्वारा इस्पात विज्ञान वर्ग में वर्ष 2017 के धातुकर्मी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. सुरेन्द्र बख्शाना एवं पदार्थ विज्ञान अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. अनीश उपाध्याय को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार 2017 से सम्मानित किया गया है। भौतिकी विभाग के डॉ. एच. सी. वर्मा को मौलाना अब्दुल कलाम आजाद शिक्षा पुरस्कार 2017 से सम्मानित किया गया है। डॉ. इन्द्रनील मान्ना (पूर्व निदेशक, भाप्रौसं कानपुर) को कल्याणी विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल द्वारा अपने दीक्षान्त समारोह के अवसर पर DSc (Honoris Causa) से सम्मानित किया गया है।

संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त की गई बहुत सी प्रतिष्ठित छात्रवृत्तियां एवं अवार्ड हमारे लिए गर्व एवं खुशी का विषय है। श्रुति अग्रवाल, साक्षी शर्मा, अरिहंत जैन, गार्गी सिंह, दुर्गेश राजेंद्र अग्रवाल, युगेश अजीत कोठारी, यतीन दांडी, अनिश सक्सेना को आदित्य बिरला छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। सुधीर कुमार, आयुष बंसल, विपुल बजाज, मोहम्मद वसीम आलम को ओ पी जेम्स छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। शिवांगी रंजन, कुमार क्षितिज पटेल, प्रीतम पॉल सनकररी ने हॉडा हां छात्रवृत्ति प्राप्त की। वंदना, सौम्य साहू और अपूर्व शुक्ला को प्रतिभा ईटन अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

संस्थान के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त किये गये पुरस्कारों की सूची इस प्रतिवेदन के अंत में दी जा रही है।

fo| Kfz fr fof/k ka

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर शैक्षणिक एवं पाठ्येतर गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए सदैव प्रयासरत रहता है। संस्थान का उद्देश्य तकनीकी रूप से सुसंस्कृत व्यक्ति का निर्माण करना ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों द्वारा चुने हुए क्षेत्रों में उन्हें भविष्य के अगुवा के रूप में सँवारना भी है। सहनशीलता, सामाजिक एवं मानवीय प्रतिबद्धता संस्थान के विद्यार्थियों की एक पहचान है। संस्थान इस भावना को छात्र जिमखाना एवं अन्य विद्यार्थी समूहों द्वारा चलाई जा रही विविध प्रकार की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के माध्यम से प्रोत्साहित करता है। सुशासन में दृढ़ विश्वास रखने वाला 'विद्यार्थी जिमखाना' समस्त विद्यार्थियों को अपने हितों का अनुशीलन करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

विद्यार्थी जिमखाना द्वारा अर्जित की गई प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार से हैं।

bh| fC U kf k c d k B

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर स्थित इंटरप्रिन्योरशिप प्रकोष्ठ एक गैर-लाभ वाला विद्यार्थी संगठन है जो परिसरवासियों के अन्दर उद्यमिता की भावना को प्रोत्साहित करने के प्रति समर्पित है।



इंटरप्रिन्योरशिप प्रकोष्ठ ने प्रमुख कार्यक्रम ई-समिट 2017 का सफलतापूर्वक आयोजन करके अपनी महत्ता एवं उद्देश्य को स्थापित कर दिया है। इस कार्यक्रम के दौरान प्रमुख उद्यमियों, उद्योगपतियों एवं व्यापारियों की मेजबानी की गई है। 1200 से भी अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति के साथ बड़ी संख्या में उद्यमियों की भागीदारी देखने को मिली है। इस कार्यक्रम के दौरान लक्ष्य प्रतिष्ठित शख्सियतों के व्याख्यानों का आयोजन किया गया जिनमें प्रमुख रूप से श्री बी वी आर मोहन रेड्डी, पूर्व अध्यक्ष नासकाम, श्री संदीप अग्रवाल, सह-संस्थापक शॉप क्लू एवं श्री आलोक वाजपेई प्रमुख कार्यकारी अधिकारी इक्सिगो रहे हैं। इसके अतिरिक्त 7 प्रतिस्पर्धाएं एवं 5 कार्यशालाएं इस कार्यक्रम के दौरान आयोजित की गई जिसमें देशभर के लगभग 300 कॉलेजों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इंटरप्रिन्योरशिप प्रकोष्ठ ने इस वर्ष प्रतिष्ठित सैमसंग इनोवेशन अवार्ड की मेजबानी भी की थी।

इंटरप्रिन्योरशिप प्रकोष्ठ ने स्टार्टअप मास्टर क्लास का आयोजन भी किया। यह अभी तक विद्यार्थियों एवं पूर्वछात्रों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अपनी तरह की पहली इवेंट है। इसने परिसर स्थित उद्यमियों की रीयल टाइम इनवेस्टमेंट एवं प्रभावी एजेंसियों का समर्थन हासिल करने में मदद की।

प्रत्येक सप्ताहांत लेक्चर कम डिस्कशन सेशन 'कैंपस हैंगआउट' का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य इंटरप्रिन्योरशिप को पुस्तकों से बाहर निकालकर एक सामान्य संवाद में लाना था जिसके फलस्वरूप परिसरवासियों की उद्यमी संबंधी गतिविधियों में भागीदारी बढ़ी है।

okZV i kAgh



इस वर्ष स्टूडेन्ट्स जिमखाना के तहत एक पृथक प्रकोष्ठ के रूप में विद्यार्थी पत्रकारिता की शुरुआत की गई है। प्रकोष्ठ के रूप में अपने प्रथम वर्ष में वॉक्स पॉपुली ने अपनी ऑनलाइन पहुंच का 7000 समीक्षकों तक विस्तार किया है अर्थात् लगभग 60 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। इस समूह ने अपने ऑनलाइन हैंडल पर दो प्रिंट एडीशन के साथ-साथ नियमित अपडेट का प्रकाशन किया है। यह समूह प्रशासनिक संदर्श एवं परिसरवासियों की राय के मध्य एक निर्णायक संपर्क के रूप में कार्य करता है। वॉक्स पॉपुली में प्रमुख विषय प्रकाशित होते हैं जैसे इस्टीमेट ऑफ इमीनेंस प्रोग्राम पर संस्थान का प्रस्ताव, विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को महत्वपूर्ण अवाइर्स, इंटर आईआईटी मीट 2017 का अपडेट, विजिटर हॉस्टल के कर्मियों एवं धोबी समुदाय की शिकायत एवं लिंग असंबेदनशीलता आदि पर रिपोर्टिंग का कार्य भी किया जाता है

वॉक्स पॉपुली की सीनेट समाचार सीरीज विद्यार्थियों को स्टूडेन्ट्स सीनेट की कार्यवाही से अपडेट रखती है।

dE fVhoy Qsj l g

कम्प्यूनिटी वेलफेयर सेल विद्यार्थियों का एक समूह है जो संस्थान के अन्दर एवं आस-पास के समाज को शिक्षित करने एवं मदद के प्रति पूर्ण रूप से

प्रतिबद्ध है। इस प्रकोष्ठ की विभिन्न इकाईयों ने अधोलिखित महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया है।

- प्रयास समूह ने समाज के निर्धन वर्गों में शिक्षा के प्रसार का कार्य किया। संस्थान में मजदूरों के बच्चों के लिए नियमित कक्षाओं के अतिरिक्त इस समूह ने प्रयास प्रीमियर लीग, वार्षिक समारोह, लिंग जागरूकता सत्र, विज्ञान सप्ताह एवं एक फिकनिक का आयोजन किया।



- प्रकृति नामक समूह द्वारा पर्यावरण जागरूकता, सामाजिक नवाचार एवं इसके प्रभाव का मूल्यांकन जैसे क्षेत्रों में कार्य किया गया। इस समूह ने पेपर इकट्ठा करने, पौधारोपण अभियान, वस्त्र वितरण एवं सफाई अभियान का आयोजन किया गया।



- रक्त अपर्ण रक्त की कमी को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य के लिए समूह द्वारा कई रक्त दान कैम्प का आयोजन किया गया तथा कुल 1140 हेल्पलाइन रिक्वेस्ट को पूरा किया गया।



व knVj hp1 ५

आउटरीच सेल द्वारा कई उपक्रमों की पहल की गई जिनके माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि कैम्पस आउटरीच की गतिविधियों में वृद्धि हो। इन गतिविधियों में एक प्रमुख गतिविधि है "That's IIT" यह एक ऐसी पहल है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों के साथ संपर्क स्थापित किया जाता है तथा उनको स्कूली शिक्षा से निकलकर उपयुक्त कॉलेज एजुकेशन पाठ्यक्रम का चयन करने के लिए उचित परामर्श प्रदान किया जाता है। पूर्वछात्रों से जुड़े हुए कई उपक्रमों का संचालन किया गया इसमें "Tips form the Top" का आयोजन भी शामिल है। अपनी स्थापना के प्रथम वर्ष में आउटरीच सेल कई उपक्रमों का संचालन करने में कामयाब रहा जो वृहद स्तर पर समाज को जोड़ने का एक शुभ संकेत है।

LVMB/1 hu४

स्टूडेंट्स जिमखाना की 'मुख्य नीति मसौदा समिति' ने इस वर्ष कई नीतियों का मसौदा तैयार करके नियम बनाए। कुछ प्रमुख नीतियों का उल्लेख नीचे किया जा रहा है।

- जिमखाना को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रायोजक लाने के लिए मार्केटिंग नीतियां तैयार की गईं।
- सीनेट का कार्य सुचारु रूप से संचालित करने के लिए पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट्स अफेयर्स कमेटी एवं अण्डर ग्रेजुएट स्टूडेंट्स अफेयर्स कमेटी नामक दो नई उप समितियों का गठन किया गया। उक्त समितियां विशेष रूप से अण्डर ग्रेजुएट स्टूडेंट्स एवं पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट्स से जुड़ी हुई समस्याओं पर अपनी राय प्रकट करेंगी।

- संकाय सदस्यों के लिए जिमखाना अवार्ड का गठन—विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अतिरिक्त संकाय सदस्यों द्वारा कल्याण के लिए किये गये उनके प्रयासों/उपक्रमों की प्रशंसा करने के लिए यह निर्णय लिया गया कि ऐसे संकाय सदस्यों को सम्मानित करने के लिए एक अवार्ड का गठन किया जाए।

, d Hkjr JKSBHkjr

एक भारत श्रेष्ठ भारत सांस्कृतिक कार्यक्रम भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है जिसका उद्देश्य वर्ष 2022 तक नये भारत का निर्माण करने के लिए देश में सांस्कृतिक एकता लानी है। तमिलनाडु तथा जम्मू कश्मीर एवं पंजाब और आंध्रप्रदेश की संस्कृति पर आधारित इस प्रकार के दो ईबीएसबी सांस्कृतिक दिवसों का आयोजन किया गया जिसके फलस्वरूप समुदाय के लोगों में आपसी विचार-विमर्श तथा कई संस्कृतियों के समरसतापूर्ण संबंधों में प्रगाढ़ता विकसित हुई।



foKku ; oK Kk d hi fj "kn

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के लिए एक और गौरवपूर्ण वर्ष रहा है। उपलब्धियां इस प्रकार से हैं।

इंटर आईआईटी मीट 2018-1 गोल्ड मेडल, 1 सिल्वर मेडल एवं 2 ब्रांज मेडल टेककृति 2018-इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब ने टेककृति इनोवेशन चैलेंज तथा इलेक्ट्रेड अवार्ड जीता। BRaIN हाबी समूह ने Biobuz तथा एयरोमॉडलिंग क्लब ने Hover तथा Sky Sparks पदक जीते हैं।

फार्मूला भारत 2018-अपने तीसरे फार्मूला वाहन के साथ टीम एसईई ने डिजाइन इवेंट में 9 वां स्थान एवं बिजनेस लॉजिक प्रजेन्टेशन में 5 वां स्थान तथा ओवरऑल 15 वां स्थान हासिल किया है।



एयरोमॉडलिंग क्लब द्वारा एमएनआईटी इलाहाबाद में आयोजित एयरोडायनामिक्स प्रतिस्पर्धा जीती है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने प्रोग्रामिंग, रोबोटिक्स एवं एयरोमॉडलिंग विषयों पर कई कार्यशालाएं एवं व्याख्यानो का आयोजन किया। परिषद के सदस्यों को अतिथि वक्ताओं के रूप में आमंत्रित किया गया जिन्होंने एचबीटीआई एवं डीपीएस कल्याणपुर सहित कानपुर स्थित स्कूलों एवं कॉलेजों में निर्णायकों की भूमिका का निर्वहन किया।



efMk, oalYpjd k Øe

नई प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराने के लिए इस वर्ष महत्वपूर्ण कार्यक्रम के रूप में ओपन मिक् सीरीज का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के मध्य स्वदेशी सांस्कृतिक कला के प्रति रुचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से SPIC MACAY का आयोजन किया गया।



परिषद के विद्यार्थियों ने ओरिगेमी के अधिकतम टुकड़ों का प्रयोग करके ओरिगेमी ढांचे का विश्व रिकार्ड बनाया है। इस रिकार्ड की अभी पुष्टि की जानी बाकी है साथ ही साथ इसे अभी लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड एवं गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया जाना बाकी है।

[kq & dmi fj "kn

परिसरवासियों के मध्य खेल-कूद गतिविधियों के प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से वर्ष के दौरान विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इन प्रतिस्पर्धाओं में से कुछ नई प्रतिस्पर्धाएं इस प्रकार से रहीं जैसे वन वीक वन स्पोर्ट, आर्चरी वर्कशाप एवं एक्वेटिक इन इन्फोर्ना आदि।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने आईआईटी मद्रास में आयोजित 33वीं इन्टर आईआईटी अवैटिक मीट में भाग लिया तथा वॉटरपोलो (पुरुष) में प्रथम, तैराकी (पुरुष) तथा तैराकी (महिला) में तीसरा स्थान हासिल किया।

आईआईटी मद्रास में आयोजित 52वीं इन्टर आईआईटी में पूरे दल ने भाग लिया। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में संस्थान द्वारा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया गया तथा जनरल चैंपियनशिप की तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया। संस्थान ने पुरुष वर्ग में दूसरा तथा महिला वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया। वेटलिफ्टिंग टीम ने प्रथम स्थान तथा एथलेटिक्स टीम (पुरुष) एवं टेनिस टीम (महिला) ने दूसरा स्थान हासिल किया। बास्केटबाल (पुरुष एवं महिला) तथा वॉलीबाल (महिला) और क्रिकेट टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया। वेटलिफ्टिंग टीम ने एक नया रिकार्ड स्थापित किया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा यू.पी. स्टेट ताइक्वान्डो चैंपियनशिप तथा कानपुर डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक्स मीट का आयोजन किया गया। संस्थान की शतरंज टीम ने आईआईटी मद्रास में आयोजित छठी इन्टर आईआईटी शतरंज मीट में हिस्सा लिया तथा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आर्चरी तथा वॉल क्लाइमिंग कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया।

एडवेंचर्स स्पोर्ट क्लब ने अपने ट्रेक की पहुंच तथा बारम्बारता में वृद्धि की। भूटान की पैदल लम्बी चाल (ट्रेक) इनमें से प्रमुख रही है। ताइक्वान्डो क्लब ने बेल्ट प्रमोशन टेस्ट तथा सेल्फ डिफेंस कार्यशालाओं का आयोजन किया। बाइसाइकलिंग हॉबी क्लब द्वारा बाइसाइकलिंग एक्विपडिशन एवं रेग्यूलर लोकल साइकिल ट्रिप का आयोजन किया गया। सत्र के दौरान समस्त क्लब द्वारा नियमित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। ग्रीष्म काल के दौरान समस्त क्लब द्वारा परिसरवासियों को व्यस्त रखने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

nr o

v aj kXu



सफलतापूर्वक प्रबंधन किया जिसमें 1.5 करोड़ रुपये के बजट के साथ 1 लाख रुपये का फुटबॉल शामिल था।

उत्सव की विषय-वस्तु 'Suits of Euphoria' थी जिसमें अंतराग्नि की 52 सालों की विरासत तथा उत्सव से जुड़ी सेन्स ऑफ इग्जुबरन्स का प्रदर्शन किया गया। मुख्य उत्सव दिनांक 26 से 29 नवम्बर (चार दिनों) तक चला। इन चार दिनों में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया साथ ही साथ इस दौरान 200 से भी अधिक कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने अपने हुनर एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस उत्सव के प्रमुख आकर्षण रहे: विश्व प्रसिद्ध DJKSHMR, बॉलीवुड के युगल विशाल शेखर, प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय बैंड स्काई हार्बर जिसमें रेड बुल टूर बस एवं सदैव लोकप्रिय 'Indie & pop band Euphori' का प्रदर्शन किया।

Vd fir

PRISM OF POSSIBILITIES विषय-वस्तु के साथ टेकृति (वार्षिक इंटर कलीजिट टेक्नालाजी एण्ड इंटरप्रिन्योरशिप फेस्टिवल) का मार्च माह में आयोजन किया गया। बॉलीवुड के अनुभवी निदेशक श्याम बेनेगल ने इस फेस्टिवल का उद्घाटन किया।



इसके अतिरिक्त अन्य वक्ताओं में माननीय एम के आमिर प्रेरेज, पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं उजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री, विश्व कप 2011 फाइनल के अपायर सायमन टफल तथा आईसीसी अपायर ऑफ द ईयर तथा पांच बार के विजेता, पद्मश्री एवं राष्ट्रपति के सबसे युवा फिजिशियन डॉ मोहसीन वली, एवं द मून मैन ऑफ इण्डिया एवं पद्मश्री जितेन्द्र नाथ गोस्वामी आदि प्रमुख वक्ता रहे।

टेकृति के इस संस्करण की कुछ प्रमुख प्रदर्शनियां इस प्रकार से रही: ETH ज्यूरिख, ETH ज्यूरिख में विकसित ऑटोनमससोकर प्लैंग रोबोट, NINO-प्रथम इंडियन ह्यूमनॉइड रोबोट साथ ही हैन्ड जेस्चर का प्रयोग करते हुए रिकार्ड परफार्म एवं फले करने के लिए रेडमी नामक प्रथम वेरबल डिवाइस का प्रदर्शन किया गया।

टेकृति के दौरान रोबोवार, इंटरनेशनल ऑटोनोमस रोबोटिक्स चैलेंज (आईएआरसी), इंटरनेशनल रोबोटिक्स गोट टैलेन्ट (आईआरजीटी), टेकृति ग्रैन्ड प्री (टीजीपी), टेकृति इनोवेशन चैलेंज (टीआईसी), मल्टीरोटर, स्काई स्पार्क, इम्बेडिड, आईओटी, बिजनेस एण्ड इंटरप्रिन्योरियल इवेन्ट्स जैसे कार्यक्रमों में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। इसके अतिरिक्त टेकृति ओपन स्कूल चैंपियनशिप के चौथे संस्करण का आयोजन 19 शहरों में तीन तरण के तहत किया गया।

इस बार टेक्नोकूज, जो टेकृति का एक क्षेत्रीय राउन्ड है, का आयोजन 13 शहरों में किया गया।

nm 745k

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के वार्षिक खेल-कूद उत्सव के रूप में उद्घोष ने भारत के सबसे बड़े एवं सबसे अपेक्षित खेल-कूद उत्सव के तौर पर अपनी विरासत को जारी रखा। उद्घोष के 2017 संस्करण में देशभर के 150 से भी अधिक कॉलेजों के 2300 प्रतिभागियों के साथ 40,000 लोगों की उपस्थिति देखने को मिली। कबड्डी एवं उड़ान की शुरुआत के साथ उद्घोष ने अपने दायरे को और बढ़ा कर लिया है।

इस बार उद्घोष ने देश के सबसे प्रमुख एथलीट एवं ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता श्री अभिनव बिंद्रा का उद्घोष के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्वागत करके इस कार्यक्रम को सफल बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ा दिया है।



खेल-कूद के अतिरिक्त ईडीएम नाइट (क्लब बैनडिज एवं कार्निवोर) तथा कामेडी नाइट (राहुल सुब्रह्मण्यम् एवं राहुल गुप्ता) का आयोजन भी किया गया। उद्घोष 2017 के सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन प्रियंका रैना के कैंपस आगमन पर सुरेश रैना के 'त्रैशिया रैना फाउन्डेशन' के साथ किया गया। उद्घोष 2017 ने आने वाले संस्करणों के लिए नये-नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं।

i j ke' kʌk

l eŋ k, oə/te

परामर्श सेवा केन्द्र एक ऐसा संगठन है जहाँ पर विद्यार्थियों को भावनात्मक, शैक्षणिक तथा वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके कल्याण को सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है। परामर्श सेवा केन्द्र में अनुभवी परामर्शदाताओं, मनोचिकित्सकों तथा स्वयंसेवी विद्यार्थियों का एक ऐसा समूह शामिल है जो दिन-रात विद्यार्थियों के कल्याणार्थ कार्यों में लगा हुआ है।

इसके अतिरिक्त इस केन्द्र का उद्देश्य गंभीर विषयों के प्रति परिसरवासियों को जागरूक करना भी होता है। विद्यार्थियों की सुख-समृद्धि की देखभाल करके यह केन्द्र इस बात को सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर मात्र एक संस्थान भर ही नहीं बल्कि यह परिसरवासियों के लिए घर से परे एक दूसरा घर भी है। परामर्श सेवा केन्द्र में अनुभवी परामर्शदाताओं, मनोचिकित्सकों तथा स्वयंसेवी विद्यार्थियों का एक ऐसा समूह शामिल है जो दिन-रात विद्यार्थियों के कल्याणार्थ कार्यों में लगा हुआ है। वर्तमान में परामर्श सेवा केन्द्र में 3 व्यवसायिक परामर्शदाता, 2 सहायक परामर्शदाता एवं 2 मनोचिकित्सक शामिल हैं जो नियमित रूप से संस्थान का दौरा करते रहते हैं। परामर्श सेवा केन्द्र के विद्यार्थी समूह में पूर्व स्नातक खंड एवं परास्नातक खंड शामिल हैं। पूर्व स्नातक खंड में 25 प्रमुख सदस्य, 139 स्टूडेंट्स गाइड, 107 एकेडमिक संरक्षक तथा 3 स्वयंसेवी शामिल हैं जबकि परास्नातक खंड में 8 प्रमुख सदस्य एवं 75 स्वयंसेवी छात्र शामिल हैं।

i j ke' kʌk k, oəukʌpfd R d l =

विद्यार्थी प्रायः परामर्शदाताओं से दो तरह से मिलते हैं। विद्यार्थी कभी-कभी अपनी स्वयं की इच्छा से तथा कभी-कभी मित्रों, संकाय सदस्यों, मनोचिकित्सकों अथवा स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सकों द्वारा परामर्श केन्द्र में भेजे जाते हैं। शैक्षणिक समस्याएं वाले छात्रों को भी परामर्श के लिए परामर्शदाताओं के पास भेजा जाता है। वर्ष 2017-18 सत्र में 1872 परामर्श सत्रों का आयोजन किया गया।

मनोचिकित्सक प्रायः एक माह में कम से कम 2 बार संस्थान का दौरा करते हैं। इसके अतिरिक्त जब कभी भी कोई आपातकालीन स्थिति उत्पन्न होती है तो उस स्थिति में पीड़ित विद्यार्थी को स्वयंसेवी विद्यार्थियों के साथ सीधे मनोचिकित्सक के क्लिनिक पर भेज दिया जाता है। मनोचिकित्सकों से जुड़ी हुई समस्त गतिविधियों का समन्वय परामर्श सेवा केन्द्र द्वारा किया जाता है।



foʊk l gk r k

परामर्श सेवा केन्द्र 'विद्यार्थी कल्याण निधि' के माध्यम से विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराता है। छात्रवृत्ति के रूप में यह सहायता ऐसे विद्यार्थियों को दी जाती है जिन्हें वित्तीय आवश्यकता तथा संस्थान से किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं हो रही हो। 'विद्यार्थी कल्याण निधि' के अन्तर्गत विद्यार्थियों को 9 महीने के लिए प्रतिमाह 1500 रुपये की दर से छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त 'छात्र कल्याण निधि' से ऐसे विद्यार्थियों को भी ऋण उपलब्ध कराया जाता है जिनको वित्तीय सहायता की बहुत अधिक जरूरत रहती है।

'kʌk. kd l gk r k

शैक्षणिक सहायता ऐसे विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाती है जो शैक्षणिक दबाव को झेलने में दिक्कत महसूस करते हैं। शैक्षणिक सहायता व्यक्तिगत तथा समूह स्तर पर निशुल्क प्रदान की जाती है।

- ✧ सुधारात्मक कक्षाएँ: सुधारात्मक कक्षाओं का आयोजन शैक्षणिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए शैक्षणिक संरक्षक (वरिष्ठ विद्यार्थियों) द्वारा निशुल्क किया जाता है।
- ✧ अध्ययन काल: सामान्य से निम्न प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए परीक्षा से पूर्व सप्ताह के दौरान शैक्षणिक संरक्षकों द्वारा अध्ययन काल का आयोजन किया जाता है।
- ✧ तकनीकी शब्दावली कक्षाएँ: अंग्रेजी तकनीकी शब्दावली को समझने में असमर्थ विद्यार्थियों के लिए तकनीकी शब्दावली कक्षाओं का आयोजन सत्र के प्रारंभ होने से पूर्व किया जाता है।

'kʌk. kd i fj oŋ kkd \$ gr fo| kʌk: kʌk kʌk gk r k

परामर्श सेवा केन्द्र की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक शैक्षणिक प्रोबेशन/वार्निंग के दौरान विद्यार्थियों को भावनात्मक तथा शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराना है। इस वर्ष शैक्षणिक प्रोबेशन/वार्निंग पाने वाले विद्यार्थियों को संचालन अथवा मार्गदर्शन दल द्वारा एक संदर्शिका उपलब्ध कराई गई। इस संचालन अथवा मार्गदर्शन दल की यह जिम्मेदारी थी कि वह विद्यार्थियों को आवंटित किये गये परामर्शदाता पर नज़र रखे तथा विद्यार्थी एवं परामर्शदाता के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करे। व्यक्तिगत परामर्श सत्रों का आयोजन शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार लाने तथा भावनात्मक विषयों का समाधान निकालने के लिए किया गया। प्रोबेशन/वार्निंग पाने वाले प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को प्रोस्ताहित करने के लिए परामर्शदाताओं द्वारा एक सत्र का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

v kʃ, Uʃku ʌkʌk

परिसर में नये विद्यार्थियों के आगमन पर उनकी दिनचर्या को सुगम बनाने के लिए संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं, सेवाओं, कर्मचारियों, नियमों एवं विनियमों से उनका परिचय कराने के लिए प्रत्येक वर्ष शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होने से पूर्व एक ओरिएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस बार परास्नातक विद्यार्थियों के एक दल द्वारा दिसम्बर में परास्नातक विद्यार्थियों के लिए भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

परामर्श सेवा केन्द्र से जुड़े हुए कोर टीम के सदस्य, स्टूडेंट्स गाइड्स, स्टूडेंट्स वालंटियर्स द्वारा प्रक्रियाओं को समझने में विद्यार्थियों की मदद की गई। जिमखाना प्रजेन्टेशन्स, सेशन विद काउन्सलर्स, ग्रुप एक्टिविटीज एण्ड विंग कॉम्पीटीशनस का आयोजन ओरिएन्टेशन कार्यक्रम के अन्तर्गत किया गया। मादक द्रव्यों के सेवन की समस्या का समाधान निकालने के लिए 17 जुलाई 2017 को एक सत्र के लिए डॉ संजय महेन्द्र को आमंत्रित किया गया। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को

मादक द्रव्यों के सेवन से होने वाली समस्याओं के बारे में जागरूक करना था।

दक्षिण अंग्रेजी कक्षाएं

अंग्रेजी वार्तालाप कक्षाएं— अंग्रेजी वार्तालाप कक्षाओं का आयोजन ऐसे विद्यार्थियों के लिए होता है जिन्हें अंग्रेजी भाषा में किये गये वार्तालाप को समझने में मुश्किल आती है। उक्त कक्षाएं निशुल्क तथा समस्त विद्यार्थियों के लिए खुली हैं।

विद्यार्थियों के लिए

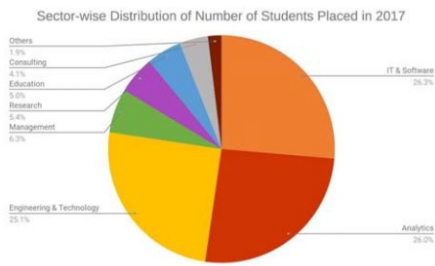
- ✧ अपने विभाग को खोजें
- ✧ स्टडी टेक्नीक पर सत्र
- ✧ इंटरनल ज्ञान
- ✧ ईएसओ/एसओ जागरूकता सत्र

कैंपस भर्ती अभियान

कैंपस भर्ती अभियान 2017-18 में 250 से भी अधिक कंपनियों ने हिस्सा लिया। शैक्षणिक सत्र 2017-18 में विद्यार्थी नियोजन कार्यालय के माध्यम से ग्रेजुएटिंग बैच (पूर्वस्नातक एवं परास्नातक) के लगभग 82 प्रतिशत विद्यार्थियों को नियोजित किया गया है। भर्ती अभियान में हिस्सा लेने वाली प्रमुख कंपनियों में से कुछ इस प्रकार से हैं; इंटेल, टाटा मोटर्स, एक्सएल सर्विसेज, गोल्डमैन सैक्स, माइक्रोसॉफ्ट, बैंक ऑफ अमेरिका, मिशेलिन, एक्सोन मोबिल, सैमसंग, ब्लैक रॉक, मिशेलिन, यूआईडीएआई, रुब्रिक इनसी, अमेरिकन एक्सप्रेस, आदि।

विद्यार्थियों के लिए

वर्ष 2017-18 के पासआउट परास्नातक विद्यार्थियों में से लगभग 80 प्रतिशत को नियोजन कार्यालय के माध्यम से नियोजित किया गया। इस वर्ष नियोजन कार्यालय में पंजीकृत 563 परास्नातक विद्यार्थियों में से अभी तक 449 विद्यार्थियों को नियोजित किया जा चुका है। विभिन्न पाठ्यक्रमों में से एमबीए का नियोजन सर्वाधिक 100 प्रतिशत, इसके पश्चात मास्टर ऑफ डिजाइन 92 प्रतिशत, दोहरी उपाधि का 88 प्रतिशत, एमटेक का 73 प्रतिशत तथा एमएससी (द्विवर्षीय) का 70 प्रतिशत रहा है।



विद्यार्थियों के लिए

2017-18 के दौरान परिसर भर्ती अभियान के माध्यम से बीटेक. एवं बीएस के लगभग 84 प्रतिशत विद्यार्थियों को नियोजन कार्यालय द्वारा नियोजित किया गया है। इस वर्ष पूर्व-स्नातक में पंजीकृत 419 विद्यार्थियों में से अभी तक 355 को नियोजित किया जा चुका है। इसमें विद्यार्थी नियोजन कार्यालय द्वारा फैंसिलिटेटेड की गई इंटरनशिप के दौरान प्राप्त किये गये 80 नियोजन पूर्व रोजगार के प्रस्ताव (पीपीओ) भी शामिल हैं।

उत्तम भारत अभियान

उत्तम भारत अभियान के तहत ग्रामीण भारत के उत्थान हेतु एमएचआरडी द्वारा प्रायोजित एक परियोजना को पोषित किया गया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने अपने आस-पास के पांच गाँवों हृदयपुर, बैकुंठपुर, ईश्वरीगंज, प्रतापपुर हरी एवं सखुपुरवा को गोद लिया है। उक्त गाँवों के समग्र विकास पर केन्द्रित बाह्य कार्यक्रमों में साफ-सफाई, संगणक साक्षरता, सौर ऊर्जा को प्रयोग में लाना एवं बेहतर कृषि टेक्नीक के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग शामिल है। ग्रामीणों की रुचि एवं

आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया है। यह सर्वेक्षण एक रिपोर्ट के रूप में संकलित किया जाएगा भूमि पर तत्पश्चात कार्य करने के लिए इसका विश्लेषण किया जाएगा।



अधिकांश ग्रामीणों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा किये जा रहे उपक्रमों पर उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

निर्देशक

आज इस दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले प्रिय छात्रों, 51वें दीक्षान्त समारोह के इस शुभ अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ तथा अर्जित की गई उपलब्धियों के लिए आपकी प्रशंसा करता हूँ। मैं 2018 बैच के पासआउट विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ। मैं आपके अभिभावकों का भी अभिवादन करना चाहता हूँ, जिन्होंने आपकी इस सफलता में निश्चित रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया है। आज आप अपनी मेहनत एवं ज्ञान की बदौलत ज्ञान के इस मंदिर से इच्छित उपाधि धारण करके हजारों-करोड़ों विद्यार्थियों से अलग होने जा रहे हैं। चूंकि आज से आप वास्तविक दुनिया की यात्रा पर निकल रहे हैं इसलिए इस अवसर पर मैं आपके साथ अपने विचार साझा करना चाहता हूँ।

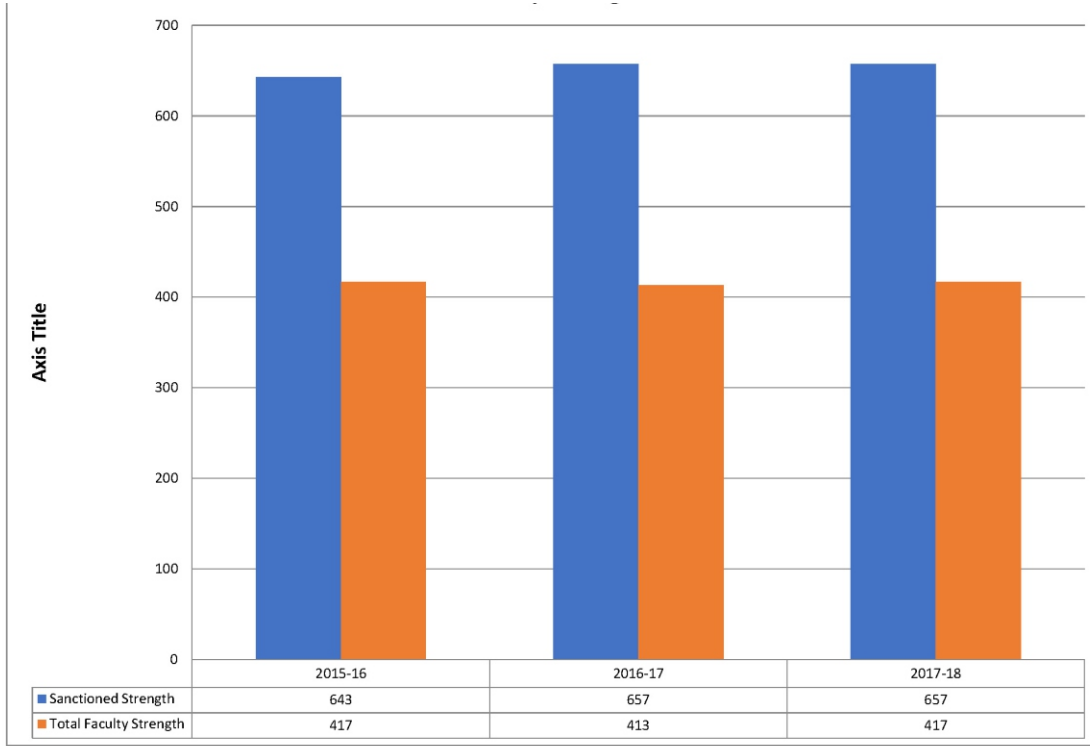
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के एक पूर्व छात्र के रूप में मैंने स्वयं एक बार इस संस्थान में ज्ञान की खोज में विनम्रतापूर्वक प्रवेश किया और अपने भाग्य को तलाशने के लिए संस्थान के शानदार प्रवेश द्वार से होकर गुजरा। इस संस्थान से मैंने जो अमूल्य उपाधि ग्रहण की उसने मुझे मेरे व्यावसायिक जीवन में चुनौतियों का सामना करने एवं सफलता पाने के लिए प्रेरित किया। आज मैं इस संस्थान के निदेशक के रूप में आपके पास पुनः इस संदेश के साथ आया हूँ कि जब तक मनुष्य सही दिशा में प्रयास करता रहेगा उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अपने सपनों को साकार करने के लिए आपके शिक्षकों/संरक्षकों ने आपके अन्दर पर्याप्त ज्ञान, पर्याप्त साहस एवं पर्याप्त महत्वाकांक्षा की शिक्षा दी है जैसे कि मेरे अध्यापकों/संरक्षकों ने मुझे दी थी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अपने अर्जित ज्ञान, उत्साह एवं दृढ़ निश्चय के साथ आप लगातार व्यावसायिक एवं सामाजिक क्षेत्र में गुणवत्ता की क्रान्ति हेतु प्रवेशक के रूप में प्रयास करेंगे।

ईश्वर आपके स्वास्थ्य, खुशियों एवं शांति को बनाए रखे। आप इस महान राष्ट्र के योग्य पुत्र/पुत्री बनें। आप में से प्रत्येक इतनी ऊंचाई पर जाए कि हम आपकी प्रशंसा करने में कभी न थकें और आपकी प्रतिष्ठा का आनंद उठाएं और इस सबके अतिरिक्त आपके अनवरत प्रयास चरम पर पहुंचकर सफलता में बदलें।

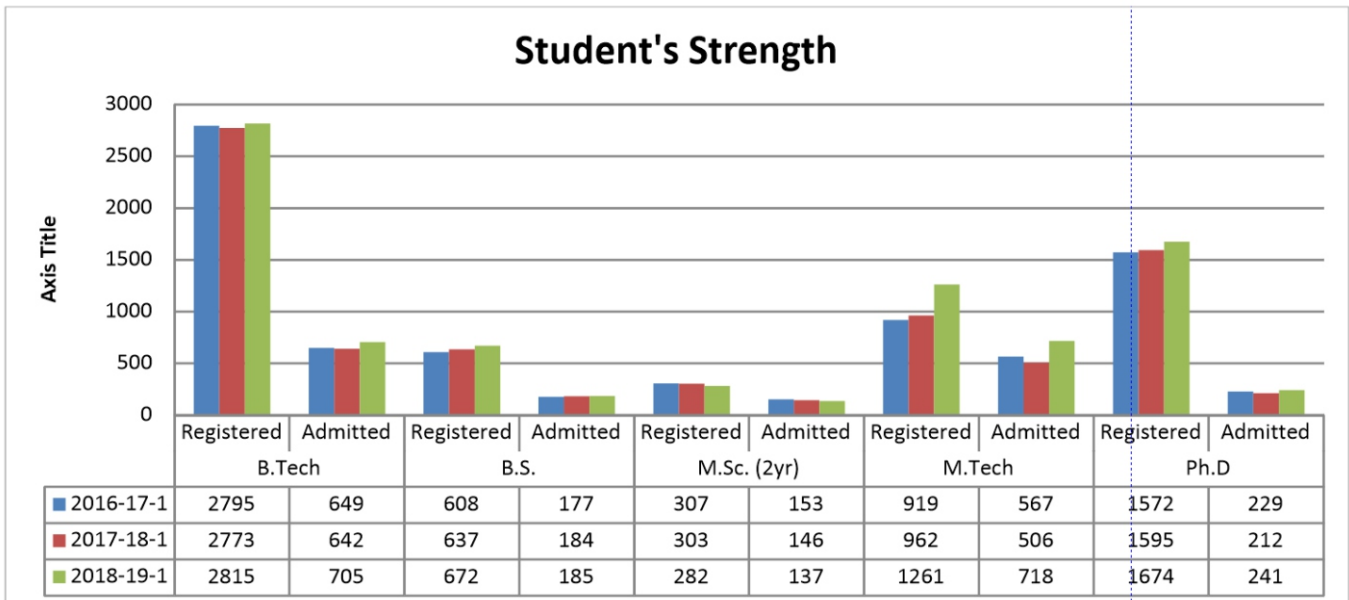
विस्तृत विवरण हेतु देखें :

<https://iitk.ac.in/dord/data/Annual-Report-2017-18/Hindi/Book-published.pdf>

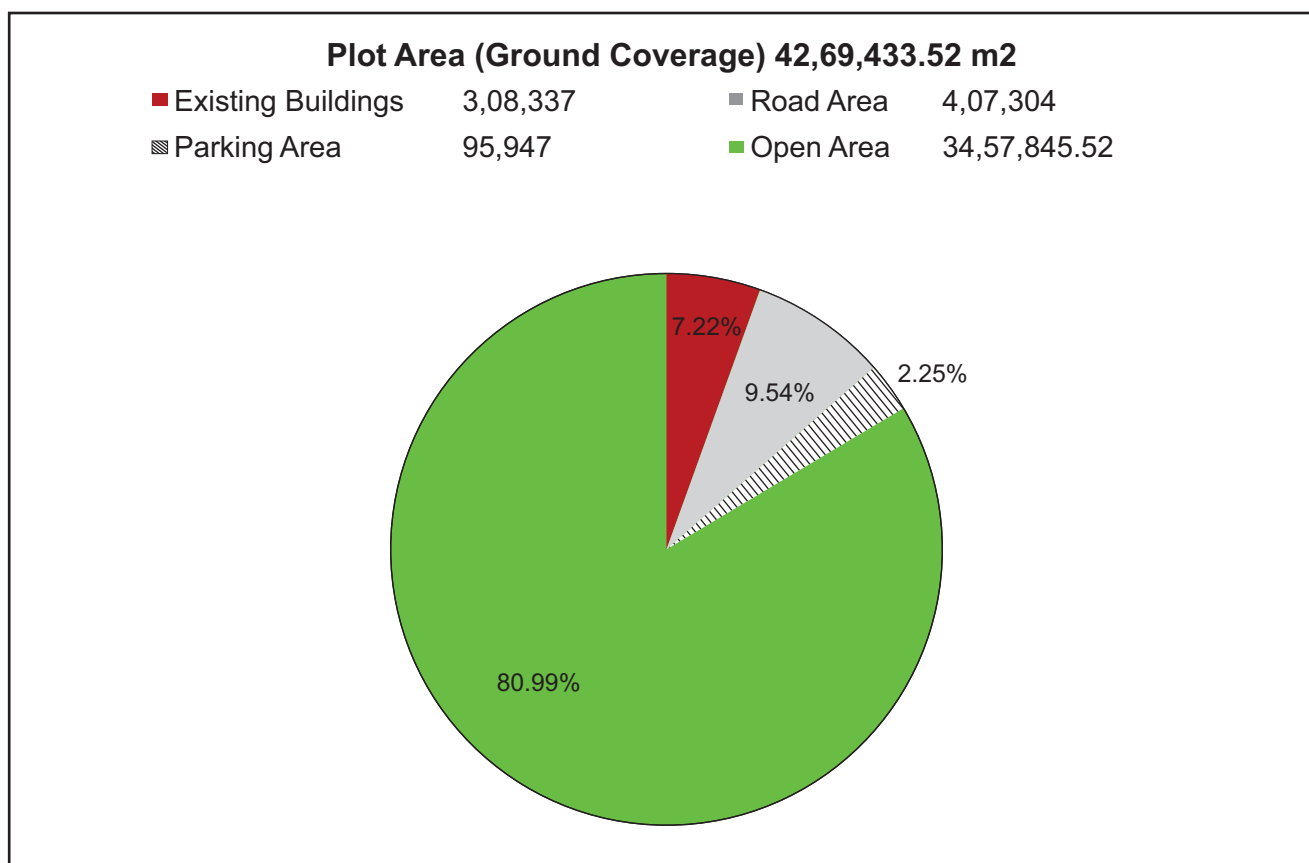
Faculty Strength



Student's Strength



Institute Works Department



	Particulars	Ground Coverage Area (m ²)	% of Ground Coverage to Plot Area
Plot Area		4269433,52	
Existing Buildings			
	Academic Area	86,188	
	Hostel Area	95,266	
	Students Activity Area	21,706	
	Residential Area	82,147	
	Services	23,660	
	Total	3,08,337	7.22%
Road Area		4,07,304	9.54%
Parking Area		95,947	2.25%
Open Area		34,57,845,52	80.99%

I pky d'eay 'dš nL; kadhil ph
1/01-04-2017' i 31-03-2018'rd 1/2

v /; { k

श्री आर सी भार्गव
अध्यक्ष, संचालक मण्डल, भा.प्रौ.सं. कानपुर
मारुती उद्योग लिमि.
220, सेक्टर 15 ए
नोएडा - 201301 (उ.प्र.)

प्रो० एस.एन. सिंह (15 जून, 2017 से)
कुलपति
मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
देवरिया रोड, गोरखपुर-273010
उत्तर प्रदेश

I nL;

funšk '1/4 ns 1/2

प्रो० इन्द्रनील मान्ना (6 नवम्बर, 2017 तक)
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, कानपुर
कानपुर- 208016

I hu'ukfer 'l nL;

प्रो. वी.के. यादव (31 दिसम्बर, 2017 तक)
रसायन विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर -208 016 (उ.प्र.)

प्रो० मणीन्द्र अग्रवाल (7 नवम्बर, 2017 से)
कार्यकारी निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, कानपुर
कानपुर- 208016

प्रो. एम. एल. एन. राव (01 जनवरी, 2018 से)
रसायन विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर -208 016 (उ.प्र.)

i fj 'kn'euksh' l nL;

प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी
कुलपति
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू)
वाराणसी - 221 005

प्रो. सी. एस. उपाध्याय (31 दिसम्बर, 2017 तक)
वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर -208 016 (उ.प्र.)

प्रो. जे.के. भट्टाचार्य
निदेशक
हरीश चन्द्र अनुसंधान संस्थान
छतांग रोड, झूसी
इलाहाबाद-211 019
उत्तर प्रदेश

प्रो. देबोपम दास (01 जनवरी, 2018 से)
वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर -208 016 (उ.प्र.)

प्रो. पी. बालाराम
निदेशक एवं वरिष्ठ प्राध्यापक
भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर
बेंगलूर-560 012
कर्नाटक राज्य

fo' k'kv ke'fer 'l nL;

प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल
उपनिदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर -208 016

श्री कृष्णमूर्थी वेंकटरमनन
सीईओ एवं एमडी
लार्सन एवं टूब्रो लिमिटेड
'सी' बिल्डिंग, गेट नं.-1
सखी विहार रोड, पवई
मुम्बई-400 001 (महाराष्ट्र)

प्रो. के. मुरलीधर
अधिष्ठाता, संकाय कार्य
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर -208 016

j k'; 'l j d k } k k u k f e r 'l n L;

प्रो० ओंकार सिंह (14 जून, 2017 तक)
कुलपति
मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
देवरिया रोड, गोरखपुर-273010
उत्तर प्रदेश

प्रो. नीरज मिश्रा
अधिष्ठाता, शैक्षिक कार्य
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर -208 016

प्रो. ए. आर. हरीश (30 जून, 2017 तक)
अधिष्ठाता, विद्यार्थी कार्य
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर -208 016

प्रो. पी. शनमुगराज (01 जुलाई, 2017 से)
अधिष्ठाता, विद्यार्थी कार्य
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर -208 016

प्रो. ओंकार दीक्षित (31 जुलाई, 2017 तक)
अधिष्ठाता, आधारभूत संरचना एवं योजना
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानकानपुर
कानपुर – 208 016

प्रो. वाय. एन. सिंह (01 अगस्त, 2017 से)
अधिष्ठाता, आधारभूत संरचना एवं योजना
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर – 208 016

प्रो. एस. गणेश
अधिष्ठाता, अनुसंधान एवं विकास
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर – 208 016

प्रो. बी. वी. फणि
अधिष्ठाता, संसाधन एवं पूर्व छात्र
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर – 208 016

श्री मुनीष मलिक
वित्त अधिकारी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर –208 016

सचिव
श्री के के तिवारी
कुलसचिव एवं सचिव, संचालक मण्डल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर –208 016

foUkl fefr 'dš nL; kadhil psh

101-04-2017 l 31-03-2018 r d 1/2

v /; { k
श्री आर सी भार्गव
अध्यक्ष, वित्त समिति, भा.प्रौ.सं. कानपुर
एवं अध्यक्ष, मारूती उद्योग लि.
220, सेक्टर 15 ए
नोएडा – 201301 (उ.प्र.)

माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001

संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001

l nL;
प्रो० इन्द्रनील मान्ना (6 नवम्बर, 2017 तक)
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, कानपुर
कानपुर- 208016
प्रो० मणीन्द्र अग्रवाल (7 नवम्बर, 2017 से)
कार्यकारी निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, कानपुर
कानपुर- 208016

प्रो. वी. के. यादव (31 दिसम्बर, 2017 तक)
रसायन विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर –208 016 (उ.प्र.)

प्रो. एम. एल. एन. राव (01 जनवरी, 2018 से)
रसायन विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर –208 016 (उ.प्र.)

प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी
कुलपति
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू)
वाराणसी – 221 005

l fpo
श्री के के तिवारी
कुलसचिव एवं सचिव, संचालक मण्डल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
कानपुर –208 016

अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

Hkou', oafuekZkl fefr 'dš nL; kadhil psh

101-04-2017 l 31-03-2018 r d 1/2

v /; { k
प्रो० इन्द्रनील मान्ना (6 नवम्बर, 2017 तक)
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, कानपुर
कानपुर- 208016

वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानकानपुर
कानपुर –208 016 (उ.प्र.)

l nL;
प्रो० मणीन्द्र अग्रवाल (7 नवम्बर, 2017 से)
कार्यकारी निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, कानपुर
कानपुर- 208016

प्रो. देबोपम दास (01 जनवरी, 2018 से)
वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानकानपुर
कानपुर –208 016 (उ.प्र.)

प्रो. सी एस उपाध्याय (31 दिसम्बर, 2017 तक)

प्रो० बी.एम अग्रवाल
सेवानिवृत्त प्रमुख अभियंता, उ.प्र. सिंचाई विभाग
102, रविन्दर गार्डन,सेक्टर-ई,अलीगंज
लखनऊ-226 024

प्रो. मनोज माथुर
वास्तुकला विभाग
योजना एवं वास्तुकला स्कूल
नई दिल्ली –110 002

श्री ए के जैन
सेवानिवृत्त विशेष डीजी, सीपीडब्लू (विद्युत)
फ्लैट 9-बी, टावर –एक्स, मेघदूतम अपार्टमेन्ट
प्लॉट एफ – 21-सी, सेक्टर –50
नोएडा (उ.प्र.) – 201 301

प्रो. ओंकार दीक्षित (31 जुलाई, 2017 तक)
अधिष्ठाता, आधारभूत संरचना एवं योजना

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानकानपुर
कानपुर –208 016

प्रो. वाय एन सिंह (01 अगस्त, 2017 से)
अधिष्ठाता, आधारभूत संरचना एवं योजना
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानकानपुर
कानपुर –208 016

I fpo
श्री के के तिवारी
कुलसचिव एवं सचिव, संचालक मण्डल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानकानपुर
कानपुर –208 016

I hu

I pky d'e. My 'dsr /; {k}kjkeukstr rhu' l nL;
101-11-2015'l \$31-10-2016'rd 1/2

1. डॉ नंबूरी ईश्वरा प्रसाद
निदेशक
रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान एवं
विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कानपुर (उ.प्र.)
2. श्री नरेन्द्र मोहन
निदेशक
राष्ट्रीय शर्करा संस्थान
3. श्री डी आर सरीन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को)
कानपुर (उ.प्र.)



IIT Kanpur to Lead a Joint Indo-US program
on Advance Smart Grid Technology

संस्थान में 15 विभाग हैं तथा साथ ही 6 अंतर-विषयक पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं। संस्थान में इन पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों को उपाधियां प्रदान की जाती है। संस्थान में 31 मार्च, 2018 को संकाय-सदस्यों की कुल संख्या 396 थी। इनमें से 18 संकाय-सदस्य अर्ध-कालिक आधार पर दो विभागों में सेवाएँ दे रहे हैं। संस्थान में 31 मार्च, 2018 को शैक्षणिक कर्मचारियों की कुल संख्या 24 थी। इन शैक्षणिक कर्मचारियों में अनुसंधान अभियंता/वैज्ञानिक अधिकारी/अभिकल्प अभियंता तथा पुस्तकालय का स्टाफ शामिल है। संस्थान में 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च, 2018 के दौरान 16 नये संकाय सदस्यों, 8 अतिथि संकायों, 12 अनुबद्ध संकायों तथा 02 विशिष्ट मानद प्राध्यापकों ने पदभार ग्रहण किया है। इस सत्र के दौरान 9 पोस्ट-डॉक्टरल अध्येत्तावृत्ति प्रदान की गई है। इस सत्र के दौरान 12 संकाय सदस्य/शैक्षणिक स्टाफ संस्थान से सेवानिवृत्त हो चुके हैं अथवा त्यागपत्र दिया है। अतिथि संकाय, विशिष्ट संकाय एवं अनुबद्ध संकाय सदस्यों का संस्थान के शिक्षण कार्य में महत्वपूर्ण योगदान रहता है तथा उन्हें संस्थान की गतिविधियों से परिचित होने का अवसर भी प्राप्त होता है।

विस्तृत विवरण हेतु देखें :

<https://iitk.ac.in/dord/data/Annual-Report-2017-18/Hindi/Faculty-List.pdf>

' k&f. kd ' i k&- Øe

' k&f. kd y { ; '

अभियांत्रिकी शिक्षा का लक्ष्य प्रौद्योगिकी का विकास एवं उसके संरक्षण हेतु प्रशिक्षित मानव शक्ति तैयार करना है। अभियांत्रिकी शिक्षा का उद्देश्य देश की समृद्धि हेतु उपयोगी एवं प्रासंगिक प्रौद्योगिकी के विकास के मूल्यांकन पर आधारित होना चाहिए। शैक्षणिक नीति का लक्ष्य ज्ञान के भण्डार को बढ़ाना होना चाहिए। इस उद्यम में सम्मिलित तंत्र/प्रणाली का उद्देश्य ज्ञान को बढ़ाना होना चाहिए। शिक्षण पाठ्यक्रमों के आधार पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के शैक्षणिक लक्ष्य निम्नलिखित हैं :-

- ✦ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट श्रेणी के विद्यार्थी तथा सक्षम, रचनात्मक एवं कल्पनाशील वैज्ञानिक एवं इंजीनियर तैयार करना।
- ✦ विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करना तथा उन्हें उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु प्रेरित करना।
- ✦ अंतर्विषयक पद्धति को बढ़ावा देना। संकाय-सदस्यों एवं छात्रों को परस्पर रुचि के विषयों में साथ-साथ लाकर वर्चुअल अनुसंधान विभाग की अवधारणा को साकार करना।

f k k ki k&- Øe

संस्थान में पूर्व-स्नातक एवं परा-स्नातक दोनों ही स्तरों पर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी की विभिन्न विधाओं में शिक्षण कार्य किया जाता है। संस्थान माइक्रो मैनेजमेंट की शैक्षणिक सीनेट द्वारा इन पाठ्यक्रमों को तैयार किया जाता है और इसके बाद इन पाठ्यक्रमों को पढ़ाया जाता है। सीनेट स्नातक (एसयूजीसी) तथा सीनेट परा-स्नातक समितियाँ (एसपीजीसी) इन पाठ्यक्रमों का कार्यान्वयन करती हैं।

i k&Lukr d i k&- Øe

संस्थान निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए उपाधि प्रदान करता है:

- ✦ वांतरिक्ष अभियांत्रिकी, जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी, रासायनिक अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी तथा यांत्रिक अभियांत्रिकी में चार वर्षीय बीटेक पाठ्यक्रम।
- ✦ भौतिकी, रसायन विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान, गणित एवं साइन्टिफिक कम्प्यूटिंग तथा अर्थशास्त्र में विज्ञान स्नातक (बी.एस) पाठ्यक्रम।

पूर्व स्नातक पाठ्यक्रम की अवधि दो खंडों के साथ चार वर्ष की होती है। प्रत्येक खंड में 4 सेमेस्टर होते हैं। इन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत पहले भाग में कोर पाठ्यक्रम होता है जो सभी छात्रों के लिए अनिवार्य होता है और इसे विशेष ढंग से तैयार किया जाता है ताकि छात्रों को गणित, भौतिकी, रसायन, अभियांत्रिकी विज्ञान, तकनीकी कला तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान का आधारभूत ज्ञान दिया जा सके। पूर्व-स्नातक पाठ्यक्रम के दूसरे भाग में प्रोफेशनल कोर्स तथा छात्रों द्वारा चयनित किसी विशिष्ट विषय पर आधारित प्रोजेक्ट का समावेश होता है।

f} &"kz' ; e, l l hi k&- Øe

संस्थान में भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित एवं सांख्यिकी विषय में द्वि-वर्षीय एम.एससी पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए बीएससी (आनर्स) की पृष्ठभूमि रखने वाले छात्रों का चयन अखिल भारतीय परीक्षा जैम (JAM) के माध्यम से किया जाता है। देश के अनेकानेक छात्रों ने इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाकर इनका अध्ययन किया है और आज वे देश की भिन्न-भिन्न शोध प्रयोगशालाओं एवं विश्विद्यालयों में अपनी प्रतिभा के बल पर नये-नये शोध कर रहे हैं।

i j k&Lukr d i k&- Øe

संस्थान में परा-स्नातक पाठ्यक्रमों को इस प्रकार तैयार किया जाता है कि छात्र व्यवसाय सापेक्ष विशुद्ध ज्ञान के साथ-साथ अनुसंधान आधारित अनुभवों को प्राप्त करके अपनी-अपनी रुचि के प्रोफेशन में प्रवेश कर सकें। परा-स्नातक छात्रों का नामांकन परम्परागत रूप से प्रत्येक सेमेस्टर में तीन या चार कोर्स के लिए उस समय तक किया जाता है जब तक वे थीसिस एवं शोध के लिए जरूरी प्रमुख अर्हताओं को पूरा न कर ले।

, eVd i k&- Øe

संस्थान में उपर्युक्त सभी अभियांत्रिकी शाखाओं में एमटेक पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इसके अलावा नाभिकीय अभियांत्रिकी, जैव विज्ञान एवं जैविक अभियांत्रिकी, फोटोनिक्स विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, पर्यावरण अभियांत्रिकी, पदार्थ विज्ञान, औद्योगिक एवं प्रबंधन अभियांत्रिकी एवं पृथ्वी विज्ञान जैसे अंतर-विषयक पाठ्यक्रमों में भी एमटेक पाठ्यक्रम उपलब्ध है। गेट (GATE) परीक्षा के माध्यम से एमटेक पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों का चयन किया जाता है तथा विशेष मामलों में लिखित परीक्षा/साक्षात्कार भी लिया जाता है।

, ech i k&- Øe

औद्योगिक एवं प्रबंधन अभियांत्रिकी विभाग द्वारा एम.बी.ए पाठ्यक्रम में

उपाधि प्रदान की जाती है। इस पाठ्यक्रम के लिए छात्रों का चयन अखिल भारतीय स्तर की परीक्षाकैट (बीजे) तथा साक्षात्कार/गुप डिस्कशन के पश्चात किया जाता है।

eKLVj v KQ/Mi Kbu i K:- Øe

संस्थान द्वारा मास्टर ऑफ डिजाइन पाठ्यक्रम में उपाधि प्रदान की जाती है। इसके लिए छात्रों का चयन अखिल भारतीय स्तर की परीक्षा सीड/गेट के माध्यम से किया जाता है। विशेष मामलों में लिखित परीक्षा/साक्षात्कार के आधार पर छात्रों का चयन किया जाता है।

fo| k&okpLi fr ¼ h pM½

संस्थान में सभी अभियांत्रिकीय एवं चार अन्तर्विषयक पाठ्यक्रमों यथा पदार्थ विज्ञान, नाभिकीय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, फोटोनिक्स विज्ञान एवं अभियांत्रिकीय (पूर्व में जिसे लेसर प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के नाम से जाना जाता था) तथा अभिकल्प कार्यक्रम एवं पृथ्वी विज्ञान में पी.एचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इसके अलावा संस्थान में रसायन विज्ञान, गणित एवं सांख्यिकी, भौतिकी, अंग्रेजी, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान तथा समाजशास्त्र में भी पी.एचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। सीनेट के अनुमोदन के पश्चात नये विभाग के रूप में अर्थशास्त्र विभाग का गठन किया गया है। यह विभाग मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग से अलग करके बनाया गया है तथा इस विभाग में पी.एच.डी पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है।

, e, l ¼v ub&ku v kKfjr ½

सीनेट ने हाल ही में एक परा-स्नातक पाठ्यक्रम – एमएस (अनुसंधान आधारित) का अनुमोदन किया है। यह पाठ्यक्रम निम्नलिखित विद्याओं में शामिल किया जाएगा:

वांतरिक्ष अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, रासायनिक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी तथा फोटोनिक्स विज्ञान एवं अभियांत्रिकी। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रोजेक्ट आधारित अनुसंधान एवं उद्योगों द्वारा प्रायोजित अनुसंधानों को आगे बढ़ाना है।

i h pM½k&kj hmi k/K½

संस्थान का भौतिकी विभाग एम.एससी-पी.एचडी दोहरी उपाधि प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम के लिए जैम (JAM) परीक्षा के माध्यम से छात्रों का चयन किया जाता है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत एमएससी के छात्र पी.एचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

चयनित विषय पर अनुसंधान के उपरांत तथा उपाधि की अनिवार्यता के अनुसार शोध-पत्र जमा करने पर पी.एचडी पाठ्यक्रम का पूरा होना माना जाता है।

संस्थान में एमटेक तथा पी.एचडी के छात्रों को अनुसंधान/शिक्षण छात्रवृत्तियों के माध्यम से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

l k&kred fokku'e& aj fo'k di K:- Øe

संज्ञानात्मक विज्ञान में अंतर विषयक पाठ्यक्रम की शुरुआत 01 जून 2017 में हुई। संज्ञानात्मक विज्ञान विभाग में जैव विज्ञान एवं जैविक अभियांत्रिकी विभाग, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान (भाषा विज्ञान, दर्शनशास्त्र एवं मनोविज्ञान), गणित तथा यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के 14 पार्टिसिपेटिंग फ़ैकल्टी जुड़े हुए हैं। अंतर विषयक पाठ्यक्रम में जारी शोध गतिविधियों का ध्यान मस्तिष्क के थीअरेटिकल माडलिंग, व्यवहार दृष्टिकोण, कम्प्यूटेशनल एप्रोच, न्यूरोबायोलॉजिकल एप्रोच, इनमें से दो या दो से अधिक का विश्लेषण, संज्ञानात्मक विकारों आदि पर केन्द्रित किया गया है। इस पाठ्यक्रम में पी.एचडी एवं एम एस पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इस अंतर विषय पाठ्यक्रम में

ऐसे इच्छुक पूर्व स्नातक विद्यार्थियों के लिए माइनर भी उपलब्ध हैं जो विज्ञान एवं अभियांत्रिकी की अन्य विद्याओं में मेजरिंग कर रहे हैं। पी.एचडी एवं एमएस में प्रवेश COGJET-GATE एवं अन्य अखिल भारतीय परीक्षाओं के माध्यम से दिया जाता है। तत्पश्चात लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार की प्रक्रिया का आयोजन भी किया जाएगा।

इस नये संज्ञानात्मक विज्ञान अंतर विषयक पाठ्यक्रम का उद्देश्य संज्ञानात्मक विज्ञान के एक अथवा एक से अधिक क्षेत्रों में स्ज़ांग थीअरेटिकल एवं एम्पिरिकल पृष्ठभूमि उपलब्ध कराना है (बी) जटिल परीक्षा अनुसंधान कराने के लिए एनालेटिकल एण्ड टेक्नीकल कौशल को सिखाना (सी) विविध पृष्ठभूमि की तरफ से प्रयोगशाला आधारित कम्प्यूनिटी में सहयोग अनुसंधान में भागीदारी करना (डी) औद्योगिक एवं सामाजिक प्रभाव को सुनिश्चित करने के लिए एप्लीकेशन एण्ड इनोवेशन आधारित पर्सेक्टिव का विकास आदि।

v RZKL= fokku foHkx

अर्थशास्त्र विभाग का गठन एवं उद्घाटन 6 मई 2017 को हुआ। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में अर्थशास्त्र विभाग का गठन एक अनोखी पहल है क्योंकि समस्त आईआईटी सिस्टम यह अपनी तरह का पहला विभाग है। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग में उपलब्ध अर्थशास्त्र की विद्या को पृथक कर इस विभाग का गठन किया गया है। माइक्रो इकनॉमिक्स, मैक्रो इकनॉमिक्स एवं अर्थमितीय के परम्परागत क्षेत्रों से अलग एग्रीकल्चरल इकनॉमिक्स, बेसियन इकनॉमेट्रिक्स, बिहेविरियल इकनॉमिक्स, डेवलपमेंट इकनॉमिक्स, इफिशिएन्सी एण्ड प्रोडक्टिविटी एनैलिसिस, पर्यावरणीय अर्थशास्त्र, वित्तीय अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, औद्योगिक अर्थशास्त्र, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, श्रम अर्थशास्त्र, कानून और अर्थशास्त्र, अनुकूलन सिद्धांत, राजनीतिक अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक नीति आदि विषयों में नये विभाग की विशेषज्ञता रहेगी।

अर्थशास्त्र विज्ञान विभाग के तहत बीएस-एमएस दोहरी उपाधि एवं पी.एचडी उपाधि प्रदान की जाएगी। बीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश जेईई के माध्यम से दिया जाएगा। बीएस विद्यार्थी जो निश्चित मानकों को पूरा करते हैं, एमएस पाठ्यक्रम को चुन सकते हैं जबकि पी.एचडी पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश यूजीसी, जेआरएफ एवं गेट आदि विभिन्न राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से दिया जाएगा। तत्पश्चात लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार की प्रक्रिया का आयोजन भी किया जाएगा।

d&v U ubZ gy

सीनेट क्यूरिकुलम डेवलपमेंट एण्ड मॉनीटरिंग कमेटी, सीनेट की एक स्थाई समिति है जिसको शैक्षणिक माडलों की समीक्षा, निगरानी, मूल्यांकन एवं उसको संशोधित करने के साथ साथ शिक्षण के क्षेत्र में अत्याधुनिक कार्यप्रणाली सम्मिलित करने का कार्य सौंपा गया है।

पीएमआरएफ (प्रधान मंत्री रिसर्च फ़ैलोशिप) मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक उपक्रम है जिसके तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर वर्ष 2018 में पी.एचडी पाठ्यक्रमों में 10 प्रवेश उपलब्ध कराएगा

पूर्व स्नातक विद्यार्थियों के लिए बायोमैट्रिक अटेन्डेंस सिस्टम की शुरुआत पूर्व स्नातक पाठ्यक्रमों में उपस्थिति के स्वरूप को समझने के लिए किया गया है ताकि कक्षाओं में उपस्थिति के मुद्दे का हल सार्थक तरीके से निकाला जा सके।

संस्थान ने पंडित मदन मोहन मालवीया राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (PMMMNTT) के तहत ब्लेंडिड मॉडल टीचिंग जिसमें व्याख्यानों की रिकार्डिंग की जाती है तथा कक्षाओं से पूर्व उनको जारी किया जाता है। अध्ययन कक्षाओं का प्रयोग विचार-विमर्श, स्पष्टीकरण एवं समस्या समाधान के लिए किया जाता है।

ijKuk d fo| kKk k \$ aB/k x fr fof/k k

रिसर्च स्कालर डे के नाम का एक वार्षिक कार्यक्रम समस्त विभागों एवं अंतर-विषयक पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित किया गया। शोध से जुड़े हुए विद्यार्थियों ने मौखिक रूप से अथवा पोस्टर प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने शोध कार्यों (सफलताओं) का प्रदर्शन किया तथा अपने प्राध्यापकों एवं साथियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया। शोध से जुड़े हुए विद्यार्थी समुदाय ने इस प्रयास का हार्दिक स्वागत किया। इस कार्यक्रम की बदौलत शैक्षणिक समुदाय में एक नई उमंग एवं उस्ताह का संचार भी हुआ।

'kKd kok koj . k

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने शोध कई क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है। यहां इनमें से कुछ का उल्लेख किया जा रहा है। डोमेन डिफेंसिबिलिटी का प्रयोग करते हुए फिनिट एलीमेंट माडल, प्लो इन्ड्यूसड वाइब्रेशन, विन्ड टनल टेस्टिंग ऑफ लार्ज स्केल प्रोटोटाइप, कम्प्यूटेशनल कैमेट्री, नैनो मैटेरियल एण्ड नैनोटेक्नोलॉजी, जियोमैट्रिक ऑप्टिमाइजेशन ऑफ लार्ज आर्गेनिक सिस्टम, जीनोमिक्स एण्ड बायोइन्फॉर्मेटिक, इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रेक्चर कैलकुलेशन, एग्रीगेशन एण्ड इचिंग, मोलिक्यूलर डायनामिक्स, थिन फिल्म डायनामिक्स, आप्टिकल/ईएम फील्ड कैलकुलेशन, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनामिक्स एण्ड हीट ट्रांसफर, कम्प्यूटर एडिड डिजाइन एण्ड रैपिड प्रोटोटाइपिंग, टोमोग्राफी, रोबोटिक्स, मल्टी बाडी डायनामिक्स, जियो सैस्मिक प्रॉस्पेक्टिंग, स्ट्रेस एनालिसिस एण्ड कंपोजिट मैटेरियल्स, वाइब्रेशन एण्ड कंट्रोल, सेमीकंडक्टर फिजिक्स, फोटोनिक्स, न्यूरल नेटवर्क एण्ड जैनेटिक एलगोरिदम, अर्थक्वेक इंजीनियरिंग, स्पिन फ्लक्चुरेशन इन क्वांटम मैगनेट एवं क्वांटम कम्प्यूटेशन आदि क्षेत्रों में विश्वस्तरीय कार्य किये हैं।

jK'Vh d k Øe%hda v fh k d hf k k

भाप्रौस कानपुर इस बात को स्वीकार करता है प्राकृतिक आपदा के समय राष्ट्रीय महत्व के प्रत्येक संस्थान को देश में आवश्यक सेवाएँ प्रदान कर अपने कर्तव्य का निर्वहन करना चाहिए। हमारे देश में अक्सर उच्च तीव्रता वाले भूकंप आते रहते हैं और हमारे लिए यह आवश्यक हो जाता है कि इनसे उत्पन्न होने वाले खतरे के प्रति हम सजग रहें। इस बात को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने भूकंप से होने वाली जान-माल की हानि को रोकने के लिए प्रशिक्षित मानव-शक्ति कार्यक्रम (NPEEE) की स्थापना की है। भा.प्रौ.स. कानपुर NPEEE की संपूर्ण गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए मुख्य एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है।

'kKf. kd i kB-ØekubZ gy

टेक्नोलॉजी इनहेन्सड लर्निंग पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPTEL) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, आईआईटीए एवं आईआईएसी बंगलौर का एक

संयुक्त उपक्रम है। इसके 600 कोर्स में से 120 कोर्स भा.प्रौ.स. कानपुर द्वारा तैयार किये गये हैं NPTEL Phase IV के अंतर्गत कई नये कार्यक्रम प्रस्तावित हैं जो अभी हाल ही में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रारंभ की गई योजना 'सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम' (सीएसएस) तथा मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) के ठीक अनुकूल है। यह भी अपेक्षित है कि NPTEL IV के तहत मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) की 'सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम' (सीएसएस) मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सुगम्य, उच्चगुणवत्तापूर्ण, ऑनलाइन एण्ड ओपन एक्सेस शिक्षा अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

ग्राउन्डअप से विकसित MOOCs कई इनोवेशन वाला एक लाइवटेड MOOC मैनेजमेंट सिस्टम है। ऑफलाइन वर्जन सहित इसके कई वर्जन हैं जहां पर MOOC को एस डी कार्ड पर वितरित किया जा सकता है। इसके माध्यम से 20 से अधिक MOOC को जारी किया जा चुका है एवं लगभग 100 देशों के 2,00,000 से भी अधिक विद्यार्थियों सिखाया जा चुका है। इसको संभवतः दिसम्बर 2018 तक ओपन सोर्स में जारी किया जा सकता है। CCS-MOOCs का वृहद उद्देश्य शिक्षा की पहुंच एवं गुणवत्ता में सुधार करके अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय उद्योगों को प्रतिस्पर्धा को आसान बनाना है। CCS-MOOCs का ऑपरेशनल उद्देश्य देश भर के विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों हेतु उच्च गुणवत्ता वाले लर्निंग मैटेरियल को तैयार करना है। इस परियोजना के टारगेट ग्रुप में विद्यार्थी एवं परास्नातक एवं पूर्वस्नातक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों के संकाय सदस्य शामिल हैं।

गत सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी इनहेन्सड लर्निंग के माध्यम से अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के लिए एक विख्यात पाठ्यक्रम "Non-Conventional Energy Resource" का आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध 273 कॉलेजों के 45,000 से भी अधिक बीटेक. अंतिम वर्ष के छात्रों का शैक्षणिक रूप से सहयोग किया गया।

शिक्षा को सीधे घर पहुंचाने की मानव संसाधन विकास मंत्रालय की (DTH) पहल के तहत 32 (DTH) चैनल्स को प्रारंभ किया जा चुका है जिनमें से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर वर्तमान में चैनल्स संख्या 16 एवं 17 का प्रबंधन कर रहा है। उक्त चैनल्स यांत्रिक अभियांत्रिकी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान तथा प्रबंधन में 24x7 एनपीटीईएल पाठ्यक्रम सामग्री का प्रसारण करते हैं।

विस्तृत विवरण हेतु देखें :

<https://iitk.ac.in/dord/data/Annual-Report-2017-18/Hindi/Convocation-data.pdf>

v uq žku', oafod k

संस्थान में इस वर्ष अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में आशा के अनुरूप वृद्धि हुई है। इस वर्ष बाह्य एजेंसियों ने 626 परियोजनाओं के लिए कुल 795 करोड़ रु. स्वीकृत किए हैं। वित्तीय वर्ष 2017-18 में संस्थान को 178 प्रायोजित परियोजनाओं के लिए 182 करोड़ रु. तथा 126 परामर्शी परियोजनाओं के लिए 23 करोड़ रु. की स्वीकृति प्राप्त हुई।

इस वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न एजेंसियों द्वारा स्वीकृत प्रमुख अनुदानों का विवरण इस प्रकार है:- इंडो-यूएस साइन्स एंड टेक्नोलॉजी फोरम (आईयूएसएसटीएफ, रु. 42 करोड़), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (रु. 34 करोड़), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (रु.34 करोड़), विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (रु. 14 करोड़), मानव संसाधन विकास

मंत्रालय (रु. 07 करोड़)।

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, एनटी पीसी, राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा हिन्दुस्तान शिपायार्ड लिमिटेड जैसी कुछ प्रमुख उद्यमों ने विभिन्न परियोजनाओं के लिए धन उपलब्ध कराया है।

वित्तीय वर्ष के दौरान 53 पेटेंट दर्ज किये गये जिसमें 8 डिजाइन पेटेंट शामिल थे। पूर्व में दर्ज किये गये 22 पेटेंटों के लिए अनुदान दिया गया। इसके अलावा "एंटी-काउन्टर फिटिंग मार्क विद् 3-डी फीचर" नामक तकनीक को वाणिज्यिकरण के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया।

आज की तारीख में 35 डिजाइन पेटेंट तथा 451 भारतीय पेटेंट दर्ज किये जा चुके हैं जिनमें से 84 पेटेंट के लिए अनुदान प्राप्त हो चुका है। कुल मिलाकर 56 तकनीकों को वाणिज्यिकरण के लिए लाइसेंस प्रदान किया जा चुका है।

वर्तमान में कुल 57 कंपनियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के सिडबी, इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेन्टर में शामिल किया गया है। इनमें से 48 कंपनियाँ प्रगति के पथ पर हैं।

नियंत्रण व कठोरता; कठोरता; कठोरता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय की उच्चतर आविष्कार योजना के तहत चार परियोजनाओं के लिए अनुमोदन प्राप्त किया है। ये परियोजनाएँ हैं:-

- ✧ एयरक्राफ्ट इंजन कम्बस्चर की बेहतर क्रियाशीलता, टिकाउपन, साँचे के पैटर्न तथा उत्सर्जन के लिए एयरक्राफ्ट इंजन कम्बस्चर डिजाइन नामक परियोजना। इस परियोजना के लिए जेई इंडिया इंडस्ट्रियल प्राइवेट लिमिटेड सहयोग प्रदान कर रहा है।
- ✧ रिलाइंस इंडिया लिमिटेड के सहयोग से डेवलपमेन्ट ऑफ पॉलीमरिक बायोडीग्रेडिबल पैकेजिंग मैटीरियल्स नामक परियोजना।
- ✧ ई-स्पिन नैनोटेक प्रा. लिमिटेड के सहयोग से कोशिका के वर्गीकरण, निदान एवं वितरण के लिए एडरेसेबल पैप्टाइड-पॉलीमर इलेक्ट्रोस्पिन नैनोफाइबर नामक परियोजना।
- ✧ आर्थो रेजेन्सी प्रा. लिमिटेड के सहयोग से आर्थोपेडिक एप्लीकेशन के लिए फ़ैब्रीकेशन ऑफ न्यू जनरेशन सैल्फ-रीसोर्बिंग इम्प्लांट एंड डिवाइसेस नामक परियोजना।

ASM-THEMT नामक SPICE मॉडल को सिलिकॉन इंटीग्रेशन इनीशिएटिव्स कॉन्पैक्ट मॉडल कोएलेशन द्वारा विश्व के प्रथम इंडस्ट्रीज स्टैण्डर्ड मॉडल के रूप में चुना गया है। इंडस्ट्रीज स्टैण्डर्ड मॉडल का चुनाव सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज द्वारा उचित मूल्यांकन एवं वैधता के आधार पर किया जाता है। अब ये मॉडल इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर में उपलब्ध होंगे तथा विश्व की प्रमुख सेमीकंडक्टर एवं ईडीए कंपनियों द्वारा इनका उपयोग किया जाएगा। RF power तथा पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन में GaN HEMT का बहुत अधिक उपयोग किया जाता है। GaN HEMT 5G टेक्नोलोजी के लिए आवश्यक पावर एम्प्लीफायर की डिजाइन बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे। भारत सरकार बंगलुरु के निकट GaN फाउन्ड्री खोलने पर विचार कर रही है। डीआरडीओ एवं इसरो क्रमशः रक्षा एवं अंतरिक्ष के क्षेत्र में इस तकनीक का विकास करने की दिशा में सक्रियता से कार्य कर रही है।

वृद्धि व विकास

वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग को अपने यहाँ अनुसंधान सुविधाएँ बढ़ाने के लिए FIST के तहत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से पाँच वर्ष की अवधि के लिए लगभग रु. 4.53 करोड़ अनुदान प्राप्त हुआ है। इस निधि का उपयोग निम्नलिखित क्षेत्रों में अनुसंधान कार्यों को शुरू करने तथा उनके विस्तार में किया जा रहा है:

- ✧ हाई एन्थैल्पी हाई स्पीड फ्लो
- ✧ एडवान्सड फ्लो डायग्नोस्टिक्स
- ✧ इम्पूविंग दी मैकेनिकल इंटीग्रेटी ऑफ एयरोस्पेस मैटीरियल्स
- ✧ अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स

इस निधि से निम्नलिखित अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद की जाएगी तथा विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएगी:

- ✧ फ्री पिस्टन/एक्सपैंशन ट्यूब फ़ैसिलिटी एंड एसेन्शिएल इन्स्ट्रुमेन्टेशन

- ✧ Nd YAG Yslj (मौजूदा उपकरणों के उन्नयन के लिए)
- ✧ मल्टी-मैटीरियल लेसर सिन्ट्रिंग सिस्टम
- ✧ Rayleigh थर्मोग्राफी सैट-अप
- ✧ कोहेरेंट एन्टी-स्टोक्स रमन स्कैटरिंग सैटअप

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने संस्थान के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग को FIST के तहत अनुदान दिया है। इस निधि का उपयोग निम्नलिखित कार्यों के लिए किया जा रहा है:

- ✧ नैनोस्केल CMOS तथा पावर डिवाइस की हाई पावर प्लांट, ध्वनि तथा लार्ज सिग्नल हाई-फ्रिक्वेन्सी की माप के लिए पावर-डिवाइस एवं लोड पुल कैरेक्टराइजेशन सिस्टम
- ✧ फोटोनिक उपकरणों के लिए टाइम-रिजाल्ड कोरिलेशन मेज़रमेन्ट सिस्टम
- ✧ पावर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर के लिए रिलाएबिलिटी इवैल्यूएशन सिस्टम
- ✧ विभाग के anechoic chamber में एंटीना के त्रि-विमीय विकिरण पैटर्न की विशेषता बताने के लिए ऑटोमेटेड एंटीना पोज़ीस्नर सिस्टम।

फोल्डिंग एंड डिवाइस; एंड डिवाइस; एंड डिवाइस

1. नॉवेल PDMS नैनोपार्टिकल्स फॉर लिजेन्ड फ्री इंटर-न्यूक्लियर डिस्लीवरी टू कैंसर सैल्स।
2. ड्रिफ्टिंग स्ट्रा
3. लो-रेट स्पीच कोडिंग बेस्ड ऑन काम्प्लैक्स। m, aM FM सिग्नल मॉडल
4. Irilla (लैम्प)
5. कॉज़ियल रोटर सिस्टम विद् एसिमेट्रिक रोटर अरेन्जमेन्ट एंड मेथड देअरऑफ
6. रियूजिबल पॉलीमरिक राइटिंग सरफेस ऑर मीडिया एंड प्रोसैसिंग देअरऑफ
7. वेस्ट सैपरेशन सिस्टम
8. एंगुल्यर मोमेन्ट डिवाइस फॉर स्टैबलाइजेशन एंड कंट्रोल फॉर टेललैस एयरक्राफ्ट
9. टार्चकक्स, ए न्यू टाइप ऑफ नॉनचक्स डिजाइनड विद् टू इन्बिल्ट टॉर्च
10. हैन्ड लैम्प
11. आयरन आक्साइड नैनोपार्टिकल्स एंड मेथड ऑफ इट्स प्रोडक्शन
12. प्रोसैस फॉर दी सिंथेसिस ऑफ Quino Ualines
13. मेथड ऑफ प्रोड्यूसिंग मल्टी-लेयर्ड स्टील विद् वेयरिबल कम्पोजिशन
14. ए वर्कपीस होल्डिंग डिवाइस
15. ट्रेडमार्क
16. Aligno, ए मल्टी-लेयर्ड फिजिकल मैप
17. 2 शेड्स, ए कॉलेबोरेटिव/कोआपरेटिव बोर्ड गेम
18. मेथड ऑफ डिटेक्टिंग एडिडो-एसोसिएटेड वायरस सिक्वेंशंस
19. क्वाडरोटर कन्टर्वटीप्लेन एयर व्हीकल
20. KATHA
21. पॉलीमेथिलसिलॉक्सिन नैनोस्ट्रक्चर एंड प्रोसैस ऑफ सिंथेसिस देअरऑफ
22. अनमैन्ड एरियल व्हीकल सिस्टम हैविंग वर्टिकल टेक-ऑफ, वर्टिकल लैंडिंग एंड होवरिंग फ्लाइट कैपेबिलिटीस
23. बायोडीग्रेडेबल सबस्ट्रेट्स फॉर फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैन्यफैक्चरिंग मेथड
24. ए स्मार्टफोन बेस्ड माइक्रोस्कोप

25. मेटामटेरिएल इन्सपाइड प्लानर RF सेन्सर फॉर साइमलटेनस मेजरमेन्ट ऑफ परमिटिविटी एंड परमिबिलिटी ऑफ मैग्नेटो-डाइलेक्ट्रीक सैम्पल्स एंड मेथड देअरऑफ
26. हाई फॉस्फोरस च्यह आयरन एज सैक्रिफिसियल एनोड फॉर कैथोडिक प्रोटेक्शन ऑफ अंडरग्राऊन्ड माइल्ड स्टील स्ट्रक्चर
27. ए पोर्टेबल अनमैन्ड एरियल व्हीकल एंड मेथड देअरऑफ
28. पोर्टेबल बिबेरेज डिसपेन्सर
29. डिजिटली एनेबल्ड काम्पैक्ट टेबल-टॉप माइक्रोस्कोप
30. ए डिवाइस फॉर मेजरिंग दी अमाऊन्ट ऑफ फ्यूल इंट्रोड्यूसड इनटू ए व्हीकल
31. C1-C2 डिस्ट्रक्टर एंड रिड्यूसर
32. ए मेथड फॉर ट्रॉसफार्मिंग दी वेड्जिबिलिटी ऑफ ए सरफेस
33. पोर्टेबल चार्जर फॉर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस
34. ऑक्सीजन रिलिजिंग एंटीऑक्सीडेंट स्काफोल्ड फॉर टिस्स्यु इंजीनियरिंग
35. एनहैन्स्ड पाइजोइलेक्ट्रिक एंड फ़ैरोइलेक्ट्रीक परफारमेन्स ऑफ लीड-फ्री ऑर्गेनिक पॉलीमर बाय यूवी-असेस्टेड प्रोसैसिंग
36. इलास्टोमैरिक बायोग्रेडेबल एंटीऑक्सीडेंट पॉलीमर एंड पॉलीमैरिक फिल्म एस कार्डिएक टिस्सू पैच एंड देअरऑफ
37. मेथड फॉर फ़ैब्रीकेटिंग माइक्रो स्ट्रक्चर्स
38. स्फेरिकल ट्राइ-लीफलेट हार्ट वाल्व
39. ए पैकिंग केस फॉर वन ऑर मोर लार्ज-कैलीबर एम्यूनीशन शैल्स
40. स्मार्ट स्वीच
41. SrTiO₃: Nb बेस्ड नैनोकम्पोजिट विद् ग्रेफाइन ऑक्साइड एंड प्रोसैस ऑफ प्रिपरेशन देअर ऑफ
42. मेथड ऑफ फ़ैब्रीकेटिंग माइक्रोपोरस इलास्टोमर थिन फिल्म्स विद् कन्ट्रोल्लेबल सरफेस पोर मारफोलॉजी एंड मोनोमॉडल पोर साइज डिस्ट्रीब्यूशन
43. डेवलपमेन्ट ऑफ हंट बेस्ड बायोप्लास्टिक्स बाय क्रॉस-लिंकिंग विद् डिसोसाइनेट्स
44. रैन्डम बिट जनरेशन सिस्टम यूजिंग ऑप्टिकल कायोस इन सिम्मेट्रिक एरबियम-डोपड फाइबर लेसर एंड मेथड देअरऑफ
45. एरगोनाॅमिक रिट्रैक्टेबल नॉवेल स्टेअर (ओपन व्यु)
46. एरगोनाॅमिक रिट्रैक्टेबल नॉवेल स्टेअर (क्लोज़्ड व्यु)
47. ए सिंपल एंड कॉस्ट-इफ़ैक्टिव प्रोटीन प्यूरीफिकेशन सिस्टम एवं मेथड देअरआफ
48. प्रोसैस फार प्रिपरिंग 'no NanoRod फलोरेट्स सपोर्टेड बाय छप सबस्ट्रेट एंड फ्री-स्टैंडिंग प्योर 'noNanorods
49. ए पेसेन्ट ट्रॉसफर सिस्टम
50. सिस्टम, मेथड एंड डिवाइस फॉर रिस्पांसिव एडवान्समेन्ट ऑफ मैनडिबल
51. ए सैम्पल एक्सट्रैक्शन डिवाइस एंड ऑपरेटर देअरऑफ
52. हैन्ड एक्सोस्केलेटन फॉर असिस्टिंग स्ट्रोक पेसेन्ट इन फुल एक्सटेन्शन एक्सरसाइज ऑफ थ्री फिंगर एंड ग्रैसपिंग/बाल-स्कीवजिंग एक्सरसाइज ।

foUk h o"K2017& 8'd nksku Lohd r i v/v/

1. मैग्नेटिक फ्लोट लेवीटेडिग फिनिशिंग
2. ए कंपोजिशन एंड मैकेनिज्म टू एक्टेंड लाइफ स्पान ऑफ एन आर्गेनिस्म एंड प्रोटेक्शन अगेन्स्ट नियो डिजनरेटिव डिसेसेस
3. इम्प्रूव्ड सिंगल फेज-लाकड लूप
4. ए प्रोसैस फॉर सिंथेसिस ऑफ पॉलीमैरिक माइक्रो/नैनो-पार्टिकल्स फॉर ड्रग (बायोएक्टिव एजेन्ट)

डिलीवरी एप्लीकेशन

5. स्कूल बैग कन्वर्टिबल टू स्टडी टेबल
6. 2 शेड्स, ए कॉलेबोरेटिव/कोआपरेटिव बोर्ड गेम
7. SAMARITAN (फोटोथेरेपी यूनिट)
8. ए डिवाइस फॉर मैग्नेटिक एबारसिव फिनिशिंग ऑफ ए वर्कपीस एंड मैग्नेटिक एबारसिव फिनिशिंग प्रोसैस
9. प्रोसैस फॉर सिंथेसिस ऑफ सॉनिकेटेड ऑयरेरकल वेब ऑफ कार्बन माइक्रो-नैनो-फाइबर एंड एप्लीकेशन देअरऑफ
10. स्फेरिकल क्रिस्टीलाइन नैनो हाइड्रोक्सीपेटाइट एंड मेथड ऑफ मैनुफैक्चर फ्राम कैल्सियम ऑक्साइड
11. एन ऑर्गेनिक/पॉलीमर लो इन्फार्मेशन कन्टेन्ट डिसप्ले
12. बाइसिकल फॉर कैरिंग फूड आर्टिकल्स
13. KATHA
14. ए कोरोनरी स्टेंट विद् नैनो कोटिंग ऑफ ड्रग फ्री पॉलीमर एंड ए प्रोसैस फॉर प्रिपरेशन देअरऑफ
15. सेन्सर फॉर ब्लैक कार्बन डिटरनिमेशन ऑफ एयर सैम्पलर
16. ए मैथड फॉर प्रिपरिंग आटो कैण्ड नैनो पार्टिकल्स सच एस क्वैन्टिफिकेशन फलो कॉलम
17. एन इमपैक्शन बेस्ड ऑटोमेटेड PM एयर सैम्पलर
18. ऑप्टिकल एनहैंसमेन्ट ऑफ टू-फोटान एब्साव्रप्शन प्रोसैस
19. हँड लेम्प
20. ए फंक्शनली ग्रेडेड इलास्टोमर नैनोकम्पोजिट एंज ए प्रोसैस फॉर प्रिपरेशन देअरऑफ
21. टार्चचक्स, ए न्यू टाइप ऑफ ननचक्स डिजाइन्ड विद् टू इनबिल्ट टार्च
22. बाइसिकल फॉर वेजीटेबल ट्रॉसपोर्ट

foUk h o"K2017& 8'd nksku vSukg ks hy kol h

1. एंटी-काउन्टरफिटिंग मार्क विद् 3-D फीचर्स

I e> kSkKk u

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान भा.प्रौ.सं. कानपुर ने कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों एवं संगठनों के साथ अनुसंधान कार्यों को आगे बढ़ाया है जिससे आपस में संबंध मजबूत हुए हैं। भा.प्रौ.सं. कानपुर ने उक्त संस्थानों एवं संगठनों के साथ अनेक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए निम्नलिखित संस्थानों/विश्वविद्यालयों/संगठनों ने भा.प्रौ.सं. कानपुर के साथ हाथ मिलाया है। कुछ संगठनों के नाम इस प्रकार हैं-

क्र. सं.	संस्थान/विश्वविद्यालय/संगठन का नाम	परियोजना का नाम
01	राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान, हैदराबाद	कृषि विस्तार प्रबंधन एवं अन्य पाठ्यक्रमों में परा-स्नातक डिप्लोमा के लिए ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म MOOC के विकास एवं विस्तार हेत
02	जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	सीमलैस एफोरडेबल असिस्टिव टेक्नोलोजी फॉर हेल्थ
03	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, मुंबई	डेवलपमेन्ट एंड स्केल-अप ऑफ अल्ट्रास्माल नैनोकैटालिस्ट फॉर हाइड्रोडिससल्फराइजेशन
04	आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, नई दिल्ली	डेवलपमेन्ट ऑफ ड्राफ्ट प्रोटोकॉल फॉर टैस्टिंग ऑफ स्ट्रक्चरल कंपोनेन्ट्स एंड सिस्टम्स फॉर यूज इन प्रोजेक्ट अंडर हाउसिंग फॉर ऑल
05	मिश्र धातु निगम लिमिटेड, हैदराबाद	मानव संसाधन विकास एवं प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में परस्पर कार्य करने तथा तकनीकी गतिविधियों में संयुक्त अनुसंधान एवं परियोजनाके कार्यान्वयन, वैज्ञानिक तथ्यों के आदान-प्रदान में सहयोग देने के लिए

06	भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुंबई तथा नाभिकीय विज्ञान अनुसंधान बोर्ड, मुंबई	स्टडीज ऑन एयरोसॉल बिहेवियर अंडर सिवियर एक्सिडेन्ट कंडीशन्स इन दी कान्टेक्ट ऑफ इंडियन न्यूक्लियर बाय सैटिंग अप दी नेशनल एयरोसाल फैसिलिटी
07	रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेन्टर, लखनऊ	LiDAR कंसल्टेन्सी सर्विस
08	पॉल शेयरर इंस्टीट्यूट, स्विटजरलैंड	इलेक्ट्रॉन आयोनाइजेशन एवं सॉफ्ट आयोनाइजेशन मास स्पैक्ट्रोमीटर सहित ऑर्गेनिक एयरोसाल कंपोजिशन को मापने के लिए दीर्घकालीन एवं नई तकनीकी के क्षेत्र में अनुसंधान हेतु
09	यूनिवर्सिटी ऑफ गोथेनबर्ग, स्वीडन	भारत में धर्म एवं राजनीति
10	नेचर कन्सर्वेन्सी, यूएसए	गंगा संरक्षण हेतु
11	University of Dundee, UK	गंगा प्रदूषण निवारण एवं संरक्षण हेतु
12	दी फोर्ड मोटर कंपनी, यूएसए	रिएल टाइम , मल्टी-मॉडल सेन्सर डाटा प्रयुशन एंड डीप लर्निंग टेक्नीक्स फॉर आटोनोमस व्हीकल्स -फेज 1
13	GEOPIC, ONGC, देहरादून	मॉडलिंग एंड इमेजिंग ऑफ गैस हाइड्रेट्स रिसर्वरस यूजिंग इंटीग्रेटेड टेक्नीक्स
14	आईआईटी, मुंबई	पावर कन्वर्टर डिजाइन एंड इम्प्लीमेंटेशन फार एनर्जी एफिशिएन्ट एप्लीकेशन यूजिंग वाइड -बैंडगैप पावर डिवाइसेस
15	केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, फरीदाबाद	पंजाब एवं हरियाणा राज्य के कुछ भागों तथा उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के कुछ भागों में ग्राउन्ड वॉटर फ्लो मॉडल के विकास तथा जलवाही प्रबंधन योजना की तैयारी के लिए
16	हिन्दुस्तान एयरोनॉटिकल लि. बंगलोर	ADE's इंगेजमेन्ट तथा वर्क शेयर के टर्मिनेशन के लिए
17	एनटीपीसी लिमि. रायबरेली	टेस्टिंग ऑफ इम्प्रोविस लाइनिंग फॉर ARKHA ASH DYKE रेजिंग
18	तमिलनाडु वेटनरी एंड एनीमल साइसेन्स	शैक्षणिक संसाधन नियोजन उत्पाद के

	यूनिवर्सिटी चेन्नई	सुधार एवं विस्तार के लिए
19	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, टाटा मोटर्स लिमि. पुणे तथा फ्यूचर हाई-टेक बैट्रीज लिमि. पंजाब	हाइब्रिड सोडियम-आयन सैल/सुपर कैपासिटर पैक्स फॉर लाइट इलेक्ट्रिक व्हीकल्स
20	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली	डिजाइन इनोवेशन सेन्टर की स्थापना के लिए राष्ट्रीय पहल योजना का क्रियान्वयन
21	राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जयपुर	एयर क्वालिटी असेसमेन्ट, ट्रेन्ड एनालिसिस, एमीशन इन्वेन्टरी एंड सोर्स एप्वाइंटमेन्ट स्टडी इन जयपुर सिटी
22	जापान इंटरनेशनल कंसल्टेन्ट फॉर ट्रांसपोर्टेशन कं. लिमि. टोक्यो	मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरीडोर के लिए प्रोजेक्ट ऑफिस हेतु सेवा समझौता
23	ऑटोग्रिड सिस्टम, यूएसए	अनुसंधान एवं विकास, डेमो सॉफ्टवेयर एवं वाणिज्यिक साफ्टवेयर की अनुज्ञप्ति, नई तकनीक के संचालन एवं शैक्षिक पाठ्यक्रमों के आदान-प्रदान
24	कॉमनवेलथ अफ लर्निंग, कनाडा	COL's MOOC 4D EV पोर्टल की ऑनलाइन तकनीक में अनुप्रयोज्य अनुसंधान के लिए
25	फेसफर्स्ट, यूएसए	परामर्श समझौते में संशोधन हेतु
26	दी इंडो-यूएस साइन्स एंड टेक्नोलोजी फोरम, नई दिल्ली, भाप्रौसं दिल्ली, भाप्रौसं मद्रास, भाप्रौसं रुड़की, भाप्रौसं भुवनेश्वर, उर्जा एवं संसाधन संस्थान नई दिल्ली तथा एनटीपीसी एनर्जी टेक्नोलोजी रिसर्च एलाएन्स नोएडा	UI-ASSIST-US-India collaborative for smart distribution system with storage
27	यूनिवर्सिटी अफ वारविक, यूके	न्यूटन रिसर्चर रूकस वर्कशाप: पेप्टाइड्स, प्रोटीन एंड मेटल्स इन डिस्सिस एंड थेरेपी
28	सेन्टर फॉर डेवलपमेन्ट ऑफ एडवान्स्ड कम्प्यूटिंग, मोहाली	अनुसंधान एवं अभिकल्प, साइबर सुरक्षा, तकनीकों का विकास, ज्ञान एवं संसाधनों का आदान-प्रदान
29	सीएसआइआर-केम्पी य यांत्रिक अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान दुर्गापुर	डेवलपमेन्ट अफ प्रैसराइज्ड डुअल फ्लूइड बेड गैसीफायर फॉर हाई-एस इंडियन कोल

30	हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड	ऊँचाई पर स्थित एसआरटी कैम्पस एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड में कलाउड ड्रापलेट स्पैक्ट्रा से कलाउड कंडेनसेशन न्यक्लाई की निगरानी तथा सीसीएन एक्टिवेशन एवं कलाउड माइक्रोफिजिकल गुणों के लिए जिम्मेदार फिजियो-केमिकल गुणों को परखना
31	नेशनल हाई स्पीड रेल कारपोरेशन लिमि नई दिल्ली	मुम्बई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरीडोर की गुणवत्ता नियंत्रण एवं आश्वासन के लिए निर्माण एवं प्रोटोकॉल से संबंधित परामर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना
32	राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान रायबरेली	स्टडीज ऑफ फायर प्रपोगेशन, सुपरएशन एंड स्केवेजिंग विद् एसोसिएटेड थर्मल हाइड्रयूलिक आसपैक्ट्स इन मल्टीपल कम्पार्टमेन्ट
33	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्था खड़गपुर, खड़गपुर तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बंबई, मुम्बई	IMPRINT परियोजना-FMSAFE, नेटवर्क सेन्टर फॉर फॉर्मल मेथड्स इन वेलीडेशन एंड सर्टिफिकेशन प्रासीड्यूरस फॉर सैफटी-क्रिटिकल आईसीटी सिस्टम्स
34	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	कंडक्टिंग क्रायोजल एस ए पोटेन्शियल बायोमैटीरियल फॉर नर्व रिजनरेशन
35	फोरम ऑफ रैग्युलेटर, नई दिल्ली	सामान्य रूपरेखा के अनुसार क्षमता निर्माण कार्यक्रम, रैग्युलेटरी रिसर्च कैम्प जैसे कार्यक्रमों/गतिविधियों को शुरु करना
36	यूनाइटेड किंगडम सरकार तथा नार्दन आयरलैण्ड के अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग	स्ट्रैथिंग रैग्युलेटरी रिसर्च एंड नेटवर्क इन दी पावर सेक्टर
37	दी रीजेन्ट ऑफ दी यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया ऑन बिहाफ ऑफ बर्कले कैम्पस, यूएसए	9233 समझौता का विस्तार तथा संशोधन
38	आईएमसी वर्ल्ड वाइड लिमि. यूके के साथ सबकान्ट्रैक्ट एग्रीमेन्ट	फ्रन्टीअर टेक्नोलोजी लाइवस्ट्रीमिंग

39	भा.वि.सं. बेंगलोर, भाप्रौसंबाम्बे, ड्यूक यूनिवर्सिटी, नार्थ कैरोलीना, यूएसए तथा रैसपाइरर लिविंग साइन्सेस लिमि मुम्बई के साथ बौद्धिक संपदा के आदान-प्रदान के लिए समझौता	रियल टाइम रिवर वाटर एंड एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग
40	University it Antwerpen, बेल्जियम	अपशिष्ट जल प्रबंधन सहित शहरी नदी प्रबंधन के क्षेत्र में परस्पर सहयोग तथा अनुसंधान कार्य हेतु
41	इंटरनेशनल डेवलपमेन्ट रिसर्च सेन्टर, कनाडा	कोर्ट्स, नेटवर्क एंड स्टार्टअप इंस्टीट्यूशन मैटर फॉर साउथ एशियन स्माल इंटरप्राइजेज नामक परियोजना के लिए किये गये समझौते की मद संख्या 1 में संशोधन के लिए
42	दी बोईंग कंपनी, यूएसए	एडेटिव मैनुफैक्चरिंग ऑफ फंक्शनली इंजीनियर्ड मैटीरियल्स के लिए तैयार किये गये कार्य-क्षेत्र के अनुसार कार्य करने के लिए
43	जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता	इम्प्रिट परियोजना के तहत इंजीनियरिंग डेवलपड स्पैक्ट्रोस्कोप रेडियशन पोर्टल मॉनिटर फॉर नेशनल सिक्योरिटी नामक परियोजना
44	तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमि नई दिल्ली	एस्टीमेशन ऑफ रिसरवर प्रापर्टीज ऑफ हाइड्रोकार्बन बियरिंग सेडीमेन्ट यूसिंग फ्रिक्वेंसी डिपेन्डेन्ट एम्प्लीट्यूड वेरियशन विद् ऑफसेट एनालिसिस
45	राजस्थान राज्य प्रदूषण बोर्ड जयपुर	एयर पाल्युशन एमीशन इन्वेन्टरी एंड कंट्रोल प्लान फॉर भिवंडी सिटी
46	होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान मुम्बई	परस्पर हित के कार्यों में अनुसंधान कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन का विस्तार
47	आर्डिनेन्स फ़ैक्ट्री मेडक, तेलंगाना	समझौता ज्ञापन के विस्तार के लिए
48	उ.प्र. राज्य प्रदूषण बोर्ड लखनऊ	एयर क्वालिटी असैसमेन्ट, ट्रैन्ड एनालिसिस, एमीशन इन्वेन्टरी एंड सोर्स एपोर्समेन्ट स्टडीज इन दी सिटीस ऑफ आगरा एंड कानपुर
49	भाप्रौसं तिरुपति	इम्प्रिट परियोजना के तहत स्ट्रक्चर इंटीग्रेटेड सेन्सर एंड एक्ट्यूयर्स टू मॉनीटर एंड रिन्यू मशीन टूल परफारमेन्स

50	टाटा मेमोरियल सेन्टर, मुम्बई	कैंसर की स्थिति में बाह्य एवं आंतरिक प्रदूषण के प्रभावों को समझने के लिए अनुसंधानात्मक अध्ययन
51	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	टारगेटेड डिसरप्शन ऑफ बीटा-अरेस्टिंग सिग्नलिंग इन सेलेक्टेड कैंसर सैल लाइन्स यूसिंग सिंथेटिक एंटीबॉडी फ्रिग्मैन्ट नामक परियोजना के प्रस्ताव के क्रियान्वयन के लिए
52	ASERDC, हिन्दुस्तान एयरोनॉटिकल लिमि. लखनऊ	वर्क कान्टैक्ट की मद संख्या 1 में संशोधन के लिए
53	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	इन्वैश्टिगेशन ऑफ पोटेन्शियल रैग्युलेटरी मैकेनिज्म इनवाल्ड इन AGTR1 मेडिएटेड ब्रेस्ट कैंसर प्रोग्रेशन एंड मेटास्टेसिस
54	तेल एवं धातुकृतिक गैस निगम लिमि. नई दिल्ली	एनहैन्सड कोल-बेड-मिथेन एंड सेल गैस रिकवरी फ्राम अंडरग्राउन्ड रिसरवर एडेड बाय परमिबिलिटी एनहैसमेन्ट एंड CO2 सिक्वीटेरेशन एन एक्सपेरिमेन्टल एप्रोच
55	तेल एवं धातुकृतिक गैस निगम लिमि. नई दिल्ली	माइग्रो-पोरो-मैकानिकल ल मॉडलिंग ऑफ शेल एनिसोट्रोपी एंड परमिबिलिटी
56	सेन्टर फॉर क्यूरोसिटी, न्यू यार्क	इन्वेस्टिगेटिंग दी स्कोप ऑफ नॉलेज बेस्ड सर्विसेस इन दी सोशल इंटरप्राइजेस इकोसिस्टम नामक परामर्शी परियोजना के विस्तार के लिए
57	दी बोइंग कंपनी, यूएसए	2018 बोइंग टेक्निकल एक्सटर्नशिप प्रोग्राम-आईआईटी कानपुर के लिए
58	स्वांशा यूनिवर्सिटी, यूके, ब्रूनल यूनिवर्सिटी, लंदन, इम्पेरिएल कॉलेज, लंदन, दी चांसलर, मास्टर्स एंड स्कालर्स ऑफ कैम्ब्रिज, यूके, दी चांसलर, मास्टर्स एंड स्कालर्स ऑफ दी यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड यूके, भा. प्रौ.सं.दिल्ली, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पुणे,	स्टैटिस्टिकल यूनिवर्सिटी नेटवर्क टू रिवाल्यूनाइज़ इंडियन सोलर एनर्जी

	जवाहर लाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र बंगलोर, भा.वि.सं. बंगलोर	
59	यूनिवर्सिटी ऑफ अलाबामा, यूएसए	एंटीना डिजाइन फॉर सरफेस बेस्ड मल्टी चैनल यूएचएफ राडार आइस साऊन्डर
60	एनवाययू टैंडन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, यूएसए एवं गुजरात फोरेंसिक साइन्स यूनिवर्सिटी गुजरात	परस्पर हितों के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने, संयुक्त डब्लू पाठ्यक्रमों को तैयार करने, सरकारी एवं औद्योगिक निधि का निर्माण करने तथा बौद्धिक संपदा का विकास करने हेतु

o"KZ017&18'd&nksu'dbZl'afu; k&l's kfkHhl e>k&k Kk uk&j glR k'kj fd; &x; &u&

प्र. सं.	कंपनी का नाम	परियोजना का नाम
01	सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा.लिमि, नई दिल्ली	एक्शन रिकग्नीशन इन 360 डिग्री विडियो परियोजना के लिए सहयोगात्मक कार्य
02	-इंडिया, नह दिल्ली	गंगा संरक्षण हेतु
03	कैन्नामेटल इंडिया लिमि, बंगलुरु	फिनाइट एलीमेन्ट एनालिसिस पर आधारित विशेष मशीन के स्थितिक गतिशील विश्लेषण के लिए
04	VA Tech-WABAG Ltd-, चैन्नह	गंगा नदी में दूषण कम करने तथा आदर्श गंगा ग्राम बनाने के उद्देश्य से गंगा नदी के तट पर बसे कुछ गाँवों में स्वस्थ वातावरण तैयार करने एवं इन गाँवों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु सहयोगात्मक कार्य
05	उर्जा एवं संसाधन संस्थान नई दिल्ली	गंगा संरक्षण हेतु
06	मणीपाल टेक्नोलोजीज लिमि. मणीपाल	पैसिव टैक्स स्टाम्प टैक्स
07	भूषण स्टील लिमि.	इस्पात के नमूनों का संयोजनात्मक विश्लेषण के साथ उनके दोषों का विस्तृत सूक्ष्म संरचनात्मक विश्लेषण करना
08	लार्सन एंड टूब्रो लिमि. मुम्बई	स्वदेशी UAV विकास परियोजना
09	एल जी सञ्जट ष. लिमि. बंगलोर	PAN फोटोग्राफी
10	एल जी सञ्जट ष. लिमि. बंगलोर	एलजी नेटवर्क लोकेशन प्रोवाइडर/लो पावर लोकेशन एस्टीमेशन
11	हैदराबाद आह रिसर्च फाउन्डेशन, हैदराबाद	जीन थेरेपी के लिए एडीनो संबंध वायरस आधारित वेक्टर की प्रि-क्लीनिकल अनुसंधान के लिए शिक्षण, अनुसंधान एवं विकास तथा परामर्शी अध्ययन में सहयोग

12	ट्रांस इटेग्रा हेल्थ केयर प्रा. लिमि. भुवनेश्वर	अनुसंधानात्मक अध्यय के नीड एनालिसिस, औचित्यपूर्ण मूल्यांकन, प्राथमिकता, संकल्पना, समीक्षा एवं फीडबैक जैसी सेवाएँ उपलब्ध कराना
13	VTOL एविशन इंडिया प्रा. लिमि. मुम्बई	उन्नत एयरक्राफ्ट की प्री-फिजिबिलिटी का अध्ययन, रिपोर्ट, संकल्पनात्मक अभिकल्प, परीक्षण एवं विकास
14	सेन्ट-गोबेन रिसर्च इंडिया प्रा. लिमि. चैन्नई	तैरने वाले काँच के निर्माण की प्रक्रिया एवं CVD कोटिंग का अंकीय मॉडलिंग अध्ययन
15	हिटाची इंडिया प्रा. लिमि. नई दिल्ली	इन-व्हीकल विजन एप्लीकेशन नामक परियोजना के अनुसंधान सहयोगी समझौते में परिशिष्ट 1 जोड़ना
16	विजन रिसर्च फाउन्डेशन चेन्नई	अनुसंधान एवं विकास, शैक्षिक पाठ्यक्रमों का आदान-प्रदान तथा परामर्श में सहयोग
17	एस्सार स्टील इंडिया लिमि. गुजरात	अनुसंधान एवं विकास, परामर्शी अध्ययन, शैक्षिक पाठ्यक्रमों का आदान-प्रदान, व्याख्यानों का आयोजन तथा परास्नातक छात्रों के पर्यवेक्षण
18	एल एंड टी टेक्नोलोजी सर्विस लिमि. वड़ोदरा	भाप्रौस कानपुर के छात्रों को अनुसंधान कार्यक्रमों की जानकारी देना, संयुक्त रूप से अल्पकालिक सतत् शिक्षा कार्यक्रमों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा इंटर्नशिप का आयोजन करना तथा एल एंड टी टेक्नोलोजी सर्विस में उपलब्ध प्रयोगशालाओं एवं सुविधाओं का लाभ देना
19	टाटा स्टील लिमि. मुम्बई	सिंथेसिस ऑफ थम बेस्ड मैटालिक ग्लास फ्राम HPPI थू रैपिड सॉलिडीफिकेशन
20	शैल इंडिया मार्केट्स प्रा. लिमि. चैन्नई	रिहियोलॉजिकल बिहेवियर ऑफ थिन बिटिमनस फिल्स
21	टाटा स्टील लिमि. मुम्बई	गरम लपेटी हुई लोहे की चादरों पर बनने वाली पपड़ियों का वर्णन तथा उनकी उचित सफाई के लिए पिकलिंग कंडीशन का ऑप्टिमाइजेशन
22	मारुती सुजुकी इंडिया लिमि. नई दिल्ली	मोबिलिटी ऑप्शन स्टडी
23	दी टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया लिमि. जमशेदपुर	ETL-1-2 के लिए शीट काउन्टर के विकास से संबंधित परामर्शी सेवाओं के लिए
24	टाटा एडवान्स्ड सिस्टम्स लिमि. नई दिल्ली	UAV के वायु गति विमान से संबंधित परियोजना के परामर्श के लिए किये गये समझौता ज्ञापन के विस्तार एवं संशोधन के लिए
25	कल्प इनोवेशन साल्यूशन, अहमदाबाद	डेवलपमेंट ऑफ गैस सेन्सर्स फॉर डिटेक्शन ऑफ एडल्टरेशन एंड मिल्क स्पॉलेज
26	यूनिनीवर इंडस्ट्रीज प्रा.लिमि. मुम्बई	आइडेंटिफाई की पैरामीटर्स ऑफ दी कंपोजिशन एंड प्रीडिक्टिंग लांग टर्म स्टेबिलिटी ऑफ क्रीम फार्मुलेशन यूसिंग एन एप्रोप्रिएट मॉडल
27	संस्कृत भारती, अक्षरम बेंगलोर	डिजिटल संस्कृत डाटा प्रदान करने के लिए
28	मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर	एयर पल्यूशन एमीशन इन्वेन्टरी एंड कंट्रोल प्लान फॉर जयपुर सिटी
29	टाटा स्टील लिमि. मुम्बई	एक्सप्लोरिंग फीजिबिलिटी ऑफ यूजिंग हाई फॉस्फोरस कॉस्ट आयरन एज़ सैक्रीफिशियल एनोड मैटीरियल
30	यूनिनीवर इंडस्ट्रीज प्रा. लिमि. मुम्बई	स्ट्रक्चरल एल्यूमिनियम ऑफ साल्यूबल वर्जन ऑफ टाइरोसिनेज थू Cryo-Electron Microscopy
31	ASTRA यूनिवर्सिटी तन्जौर	आपसी हितों के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास एवं परामर्शी सेवाओं में सहयोग
32	मुराटा बिजनेस इंजीनियरिंग इंडिया प्रा. लिमि. हैदराबाद	फ्लेक्सिबल मल्टी प्वाइंट टेम्प्रेचर सेन्सिंग सिस्टम एंड एलागरिथम
33	थर्ड वॉच डाटा प्रा. लिमि. गुडगाँव	टू इंक्रीस एक्यूरेसी ऑफ फ्रॉड डिटेक्शन एलागरिथम फॉर ई-कॉमर्स ट्रॉस्कशन
34	टी सी जी डिजिटल साल्यूशन प्रा. लिमि. कोलकाता	विभिन्न कार्यशालाएं एवं सम्मेलन कराने हेतु एवं साइबर सुरक्षा
35	रिस्पाइरर लिविंग साइन्सेस प्रा. लि. मुम्बई	रियल टाइम लो कॉस्ट एयर क्वालिटी मॉनीटरिंग डिवाइसेस विद् रिफ्रेन्सेस ग्रेड एयर क्वालिटी
36	दी नेचर कंसर्वेन्सी नई दिल्ली	हरिद्वार से वाराणसी के मध्य गंगा नदी तंत्र का प्रबंधन
37	टाटा कंसल्टेन्सी सर्विस लिमि. चैन्नई	पॉलीमर बेस्ड आर्टिफिसियल स्कीन मॉडल
38	लोहिया कार्प लिमि. कानपुर	इन्वेस्टीगेशन ऑफ दी माइक्रोस्ट्रक्चरल, फेज एंड डिग्रेडेशन ऑफ पॉलीमरिक मैटीरियल्स

➤ वित्तीय वर्ष 2017-18 में स्वीकृत की गई प्रायोजित एवं परामर्शी परियोजनाओं की सूची के लिए कृपया अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करें ।

i fj; k\$ uk l h; k\$ amacharadi / amdes / 2015264
 i fj; k\$ ukd kuke % डिजाइन इनोवेशन सेन्टर
 i fj; k\$ ukv lb\$kd %ओ. सत्यकी राय
 l g; k\$ h'4 fn'd k\$Z%ओ. शांतानु भट्टाचार्य
 i fj; k\$ ukd hv kj k\$gk\$sl hr kj h' k\$02-11-2015
 v uelksu i =; oānukd %ओ-9-2015
 dg Lohd r j k' k\$ 4,02,00,000

fM kbu buksku l \$j d h l k\$ kr fj i k\$Z

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
2. सहयोगी संस्थान
 - संजय गाँधी परा-स्नातक चिकित्सा विज्ञान संस्थान, लखनऊ
 - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
 - हरकोर्ट बटलर प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर
3. परियोजना की आरंभ होने की तारीख: 02-11-2015
4. संयोजक: प्रो. सत्यकी राय
5. मुख्य क्षेत्र: शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार सृजन
 - D-B इनोवेशन (डिजाइन टू बिजनेस) को सुगम बनाने के लिए अपने सहयोगी संस्थान से मिलकर रिसर्च हब की स्थापना करना
 - इनोवेशन संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए अभिकल्प शिक्षण को बढ़ावा देना
 - इनोवेशन आधारित अर्थव्यवस्था को संचालित करने के लिए न केवल शिक्षण एवं उद्यमों का प्रबंध करना है बल्कि उद्यमों को भी आकार देना।

6- DIC gc c\$ \$V@c\$ k\$ kbi

1. फैक्ट्री इन सूटकेस: किसानों के लिए मेटल सल्फाइड आधारित बीज उपचार एजेंटों को संश्लेषित करने के लिए एक पोर्टेबल विलयन।
2. स्ट्रक्चरल एप्लीकेशन के लिए लेयर्ड स्टील
3. इन-विट्रो इलेक्ट्रो-केमो/इग-थेरेपी टेस्टिंग के लिए मल्टी-इलेक्ट्रोड इलेक्ट्रोपोटर प्रोटोटाइप
4. हाउसहोल्ड एप्लीकेशन के लिए उच्च क्षमता वाले 0.5 kW विन्ड टरबाइन का अभिकल्प एवं विकास
5. वेब पर आधारित मापनीय एवं सुरक्षित संस्थागत ग्रेड प्रबंधन सिस्टम का अभिकल्प एवं कार्यान्वयन
6. बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रोटोटाइप हार्ट वाल्व का अभिकल्प, निर्माण एवं परीक्षण
7. स्मार्ट फोन कैमरा के लिए हाईली एफोरडेबल माइक्रोस्कोप एडॉप्टर
8. पेपर पर आधारित उपकरण का उपयोग करते हुए डेंगू रोग की पहचान
9. स्वदेशी, पर्यावरण-अनुकूल तथा दीर्घकालिक चार्ज स्टोरेज मैटीरियल से हल्के 'पावर बैंक' के प्रोटोटाइप का विकास
10. मिडिल ईअर का अभिकल्प एवं विकास
11. ठोस सीमेन्ट पर आधारित प्रीकास्ट पेनल के विकास के लिए कारखाने से निकलने वाले अपशिष्ट का उचित तरीके से उपयोग
12. मानसिक रोग से ग्रसित बच्चों के लिए एसेस्टिव टच स्क्रीन-बेस्ड इंटरफेज़ का विकास -
13. श्यता में वृद्धि के लिए
14. पाषाण लेखन के लिए कम कीमत वाले मल्टी-फोटोन लेसर माइक्रो-राइटर का विकास

15. सबग्रेड पेवमेन्ट के लिए स्टैब्लाइज्ड मैटीरियल का प्रमाणीकरण
16. ऑफ सैन्ट्रिक नाज़ल इम्पैक्शन पर आधारित PM 2.5 एयर सैम्पलर का डिजाइन तैयार करना। यह एयर सैम्पलर में बिना किसी ऑपरेटर के 15 दिनों तक रन कर सकता है तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में एयर सैम्पलिंग के कार्य को आसान बना सकता है।
17. मुख के कैंसर/कैंसर मरीज की स्क्रीनिंग के लिए लार का उपयोग करते हुए पेपर आधारित माइक्रोचिप का निर्माण
18. ऑटोमेटिक बुक कॉपियर
19. किसी भी भूखण्ड (विशेष रूप से छत) की सौर उर्जा की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए उपकरण का निर्माण

DIC Li k\$ c\$ \$V'4 l t h' ht hv kb\$ [kuA 1/2

1. लचकदार नोक वाली सुई का अभिकल्प तैयार करना तथा उसका निर्माण करना
2. प्रोस्थेटिक पिन्ना (कान) का विकास करना
3. डायनामिक इंडोट्रेसिएल ट्यूब होल्डर के प्रोटोटाइप का अभिकल्प तैयार करना तथा उसका निर्माण करना
4. सबगलॉटिक सीक्रेशन ड्रिनेज के लिए हल्के एवं बैटरी से संचालित होने वाले उपकरणों का अभिकल्प तैयार करना तथा उसका निर्माण करना
5. इंडोट्रेसिएल इनटयूबेशन को सुकर बनाने के लिए ब2 सेन्सर वाले फाइबर ऑप्टिक इनक्यूबेशन उपकरण का निर्माण करना
6. ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए सौर उर्जा पर आधारित ऑक्सीजन कन्सनट्रेटर
7. मैन्युएल टिस्सु माइक्रो एरे कन्स्ट्रक्शन के लिए पंचर गन का स्वदेशीकरण एवं सुधारीकरण
8. कम्प्यूटर द्वारा नियंत्रित ऑटोमेटेड रेडियो-केमिस्ट्री सिंथेसाइजर की डिजाइन बनाना तथा निर्माण करना
9. नैनोपोर तकनीक का उपयोग करते हुए रोगाणुओं की शीघ्र एवं समय पर पहचान करने के लिए बायोमाल्यूकूल्स का इलेक्ट्रॉनिक डिजीटाइजेशन करना

DIC Li k\$ c\$ \$V'4 kb\$Zv kj b\$ub\$inYy h'2

1. सैफ़ प्रोपेल्ड बैंड प्लेसमेन्ट फर्टिलाइजर एप्लीकेटर कम वीडर की डिजाइन बनाना तथा निर्माण करना
2. लेसर द्वारा निर्देशित चैक रो प्लाण्टर की डिजाइन बनाना तथा निर्माण करना
3. ओपन चैनल के लिए डिजिटल जल मापक यंत्र का विकास तथा मानकीकरण
4. EU-Situ धान में भूसे की मात्रा को कम करने के लिए मैकेनिकल एक्सीलेटर का विकास तथा अभिकल्प
5. फलों के पौधों के लिए कम कीमत वाली सेन्सर पर आधारित स्वचालित सिंचाई व्यवस्था
6. पैड्री ट्रॉसप्लांटर के लिए एड-ऑन NPK Briquette एप्लीकेशन सिस्टम की डिजाइन बनाना तथा निर्माण करना

DIC Li k\$ c\$ \$V'4 pchVh vku i j'2

1. लोहे की हार्ड टर्निंग के दौरान टेलर मैड सरफेस इंटीग्रेटी के लिए कंपन युक्त मशीन का विकास
2. मेडिकल प्रैक्टिस के लिए जैव अनुकूल पदार्थों के प्रयोगात्मक ढाँचे को तैयार करना
3. माइक्रोवेब की सहायता से गंध तेल को छानना

- बायोमेडीकल सिगनल प्रोसेसिंग के लिए प्रभावकारी डिजिटल फिल्टर की डिजाइन तैयार करना तथा उसे प्रयोग में लाना
- गाय के गोबर से किफायती एकीकृत डिस्टेम्पर बनाना (छात्रों द्वारा संचालित होने वाली परियोजना)

10	पुष्पल डे, डॉ. जे रामकुमार, डॉ. विनीता अग्रवाल	ए सैम्पल एक्सट्रैक्शन डिवाइस एंड ऑपरेटर देअरऑफ। संख्या-201811009657
11	सौमिक भट्टाचार्य, सुमन गुप्ता, के एस वेंकटेश	मेथड एंड सिस्टम फॉर एक्सपैशन ऑफ विजिबिलिटी रेन्ज ऑफ एन इमेज। संख्या-201611011684

DICNk=कल डूकः डव

- रचनात्मक शिक्षा संबंधी उपकरणों के रूप में टिकर ट्वाएस ।
- टिकाऊ एवं कम कीमत वाली पेपर कैरी बैग मेकिंग मशीन
- भारतीय दन्त चिकित्सा के लिए लो कॉस्ट डेन्टल चेयर
- दृष्टिबाधित लोगों के लिए नॉवेल ब्रेल उपकरण
- प्याज के बीज से रस निकालने का यंत्र
- शुद्ध बीज प्लाण्टर
- पावर ऑपरेटेड विनुएर
- एक्वा फर्टी सीड ड्रिल
- दिनांक 29.11.2016 को अनुमोदित परियोजना
- त्तीउंदं का डिजाइन एवं प्रोटोटाइप
- स्मार्ट सिटियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ

i jld kj

- 'ए नॉवेल ब्रेल टूल विद रीड एंड एरेज कैपेबिलिटी फॉर विजुएली एम्पेयर्ड' नामक परियोजना को गांधी इनोवेशन पुरस्कार 2017 से सम्मानित किया गया है ।
- 'दी लो कॉस्ट डेन्टल चेयर फॉर इंडियन डेन्टीस्ट्री प्रैक्टिस' नामक परियोजना को व्यावसायिक मार्केट प्रदान किया गया है ।
- TULO – श्री विमल सी द्वारा तैयार किए गए उपकरण को गांधी इनोवेशन पुरस्कार 2018 से सम्मानित किया गया है ।

i ११/कड क'फूज. K

क्र. सं.	नाम	परियोजना का नाम एवं आवेदन संख्या
1	अभिषेक, कुशारी ए., Gebre Y-, एवं जेन, पी.,	ए डिवाइज फॉर पावर कंट्रोल एंड स्ट्राम प्रोटेक्शन फॉर विन्ड टरबाइन। संख्या -201611003599
2	इशान सदासिवन, शांतानु भट्टाचार्य, मैनक दास	काम्पैक्ट लो कॉस्ट पेपर कैरी बैग मेकिंग मशीन। संख्या - 772/DEL/2015
3	अभिषेक जेन पी., एवं भटनागर के.	हाई इफिशिएन्सी वैरिएबल-पिच वर्टिकल एक्सिस विन्ड टरबाइन। संख्या- 904/DEL/2015
4	कुन्दल ए., भट्टाचार्य एस.	लो कॉस्ट डेन्टल चेयर। पेटेन्ट के लिए आवेदन दर्ज किया गया है
5	रामकुमार जे., कुमार, अमल एस., गुर्जर, एम (एसजीपीजीआई, लखनऊ)	ऑटोमेटिड सबग्लोटिक सीक्रेशन ड्रिनेज डिवाइस। पेटेन्ट के लिए आवेदन दर्ज किया गया है।
6	घटक ए.	ए स्टेज फॉर स्मार्ट फोन माइक्रोस्कोप। पेटेन्ट के लिए आवेदन दर्ज किया गया है
7	मंडल के., शेखर एस.	मेथड ऑफ प्रोड्यूसिंग मल्टी-लेयर्ड स्टील विद वैरिएबल कम्पोजिशन। पेटेन्ट के लिए आवेदन दर्ज किया गया है
8	कमल कृष्ण कर, निर्मल कुमार गुप्ता, मुदुल भारद्वाज, मिराज अहमद, मलय कुमार दास, के मुरलीधर, सुतापा मंडल	स्फेरिकल ट्रालीफलेट हार्ट वाल्व। संख्या - 201711043075
9	निहार रंजन पात्रा, अग्रवाल आशा	स्टैबलाइज्ड मैटीरियल फॉर सबग्रेड पेवमेन्ट। संख्या-3776/DEL/2015

i fj; k\$ ukl f; ; १०एमएचआरडी/ईई/2016150

i fj; k\$ ukd kuke %टीचिंग लर्निंग सेन्टर ऑन इंटरनेट ऑफ थिंग्स

i fj; k\$ ukv १०%मो. लक्ष्मीधर बेहरा

l g& १०% g; k\$ h¼ fin d k\$ 2 नहीं

l g& १०% १०% निश्चल के वर्मा

l g; k\$ १०%

1. डॉ रंजन कुमार बेहरा/डॉ संजय कुमार परीदा (आईआईटी पटना)

2. डॉ पवन गोयल/डॉ. बी मित्रा (आईआईटी खड़गपुर)

3. डॉ सांथाकुमार मोहन/डॉ संतोष कुमार विश्वकर्मा (आईआईटी इंदौर)

i fj; k\$ ukd hiv kj १०% १०% १०% १-8-2016

i fj; k\$ ukd \$mas;

इंटरनेट ऑफ थिंग्स का संबंध इंटरनेट के लिए जरूरी विशिष्ट वस्तुओं तथा उनके वास्तविक प्रदर्शन से है। हमारे चारों ओर उपस्थित विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ जैसे- रेडियो फ्रिक्वेन्सी आइडेन्टीफिकेशन टैग, सेन्सर, एक्टर्स, मोबाइल फोन आदि इस अवधारणा के मूल तत्व हैं।

यह केन्द्र इन महत्व वाले क्षेत्रों के लिए अनुसंधान-जनित पाठ्यक्रमों का निर्माण करेगा। इस केन्द्र के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं -

- कॉलेज एवं परा-स्नातक विभागों के उपयोग के लिए IoT पाठ्यक्रम की रूप-रेखा तैयार करना।
- शिक्षण सामग्रियों, ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर सहित संसाधनों एवं प्लेटफॉर्मों तथा इलेक्ट्रॉनिक्स डाटाबेस का संग्रहण करना।
- IoT पाठ्यक्रम के लिए शिक्षण एवं मूल्यांकन योजना की सिफारिश करना।
- नये विद्यार्थियों एवं सेवारत संकाय सदस्यों के लिए प्रि-इंडक्शन कार्यक्रमों का आयोजन करना तथा परियोजना आधारित शिक्षण के माध्यम से अनुसंधान एवं समालोचनात्मक विचारों को प्रोत्साहित करना।
- नये विद्यार्थियों के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का विकास करना।
- आईआईटी पटना के IoT में रुचिपूर्ण एमटेक पाठ्यक्रम आरंभ करना तथा आईआईटी, एनआईटी एवं अन्य प्रौद्योगिकी संस्थानों के मौजूदा एमटेक पाठ्यक्रमों में IoT पाठ्यक्रम शामिल करना।

०x fir fj i k\$Z

परियोजना के प्रस्ताव में उल्लिखित कोर्स माड्यूल के अनुसार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने डीप लर्निंग एंड एप्लीकेशन विषय पर पाँच दिनों का अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न माड्यूलों जैसे डीप लर्निंग का परिचय, डीप लर्निंग के मॉडल, चिकित्सा एवं इमेज प्रोसेसिंग में डीप लर्निंग का प्रयोग तथा रोबोटिक्स सिस्टम को शामिल किया गया था। पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु में डीप लर्निंग के मौलिक ज्ञान के अलावा रियल टाइम एप्लीकेशन शामिल थे। आईआईटी कानपुर, आईआईटी दिल्ली तथा एमबीएम जोधपुर के संकाय सदस्यों ने पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु का प्रबंध किया। इसके अलावा टीसीएस इनोवेशन लैब, बेंगलोर जैसे उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने भी पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु के चयन में सहयोग दिया। पाठ्यक्रम की अवधि 30 घंटे थी। आईआईटी, एनआईटी, राज्यों द्वारा वित्त पोषित

संस्थान तथा निजी कॉलेजों के 86 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया।

इसी कड़ी में साइबर फिजिकल सिस्टम विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला सह अल्पकालिक पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम में साइबर फिजिकल सिस्टम से संबंधित विभिन्न विषय शामिल किये गये थे। ये विषय थे— स्विचिंग एंड हाइब्रिड सिस्टम, नेटवर्क कंट्रोल, मल्टी एजेंट सिस्टम एवं कन्सेन्सस, ऑप्टिमाइजेशन, साइबर सिक्योरिटी एंड एप्लीकेशन टू ऑटोमोटिव, स्मार्ट ग्रिड एंड मल्टी रोबोट सिस्टम। देश भर के विभिन्न कॉलेजों एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों यथा—आईआईटी कानपुर, आईआईटी रुड़की, आईआईटी इंदौर, आईआईटी पटना, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी बाम्बे, आईआईएससी बंगलोर, एनआईटी राउरकेला, एनआईटी सिलचर तथा आईआईआईटीएम ग्वालियर के संकाय सदस्यों ने अनुदेशकों के रूप में इस कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला को व्यापक रूप देने के उद्देश्य से डॉ. सजल के दास (एमएसटी रौला), संदीप राय (वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए) तथा मैनक चटर्जी (यूनिवर्सिटी ऑफ सेन्ट्रल फ्लोरिडा) जैसे अंतरराष्ट्रीय फ़ैकल्टियों को भी आमंत्रित किया गया था। इस पाठ्यक्रम की अवधि 51 घंटे थी तथा विभिन्न आईआईटी, एनआईटी एवं राज्यों द्वारा वित्त पोषित संस्थानों के लगभग 46 प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया।

इसके अलावा, कार्यशाला के अनुदेशकों ने दो उच्च स्तरीय पेनल चर्चा में भाग लिया जिसमें उन्होंने IoT से संबंधित विषयों एवं IoT के परा-स्नातक पाठ्यक्रमों पर चर्चा की। पेनल चर्चा से कार्यशाला की महत्ता बढ़ गई।

छात्रों को IoT एवं AI पढ़ाने के उद्देश्य से "Introduction to AI and IoT" विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 2 माइयूनों में आयोजित की गई। माइयून - 1 दिनांक 1 जून से 15 जून 2018 तक आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों को Arduino] Raspberry जैसे अनेक इंटरफ़ेज़ की सहायता से IoT की प्रोग्रामिंग से संबंधित मौलिक बातें बताई गईं तथा मल्टी-लेयर्ड न्यूरान थियरी, बैक-प्रॉपोगेशन एलागरिथम, RBFN-BPPT, oa RTRN के रूप में AI के तत्वों को बताया गया। इस कार्यशाला में कुल 58 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आईआईटी कानपुर, आईआईटी खड़गपुर तथा iSmriti से पधारे विशेषज्ञों ने इसमें हिस्सा लिया। इसी प्रकार माइयून-2 दिनांक 16 जून से 25 जून तक आयोजित किया गया जिसमें 34 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला में उद्यम एवं अनुसंधान के क्षेत्र में IoT एवं AI के एडवॉन्स एप्लीकेशनों पर विचार किया गया। आईआईटी कानपुर, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी पटना तथा आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों के साथ-साथ GE-TCS एवं iSmriti से जुड़े विशेषज्ञों ने अधिक से अधिक हैण्ड्स ऑन माइयून का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों को रोबोटिक्स सिस्टम, सोलर पावर सिस्टम तथा फेसियल रिकनिशन एवं विडियो प्रोसेसिंग जैसे अन्य मुख्य एप्लीकेशनों पर IoT एवं AI एलागरिथम के प्रयोग के बारे में बताया गया।

eḡ; v ak

- ✦ दिनांक 12 से 16 जनवरी, 2017 को भा.प्रौ.सं. कानपुर में डीप लर्निंग एवं एप्लीकेशन विषय पर पाँच दिवसीय शिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 86 प्रतिभागियों तथा 8 विशेषज्ञों भाग लिया।
- ✦ दिनांक 20 से 24 मार्च, 2017 को भा.प्रौ.सं. कानपुर में कंट्रोल ऑफ साइबर फिजिकल सिस्टम विषय पर पाँच दिवसीय शिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 41 प्रतिभागियों तथा 13 विशेषज्ञों भाग लिया।
- ✦ दिनांक 25 से 26 जनवरी, 2017 को भा.प्रौ.सं. कानपुर में साइबर फिजिकल सिस्टम विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

का आयोजन किया गया जिसमें जिसमें 46 प्रतिभागियों तथा 17 विशेषज्ञों भाग लिया।

- ✦ छात्रों को IoT एवं AI पढ़ाने के उद्देश्य से "Introduction to AI and IoT" विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

i fj; k̄ uk̄l̄ ḡ; k̄/एमएचआरडी/एमडेस/2016261

i fj; k̄ uk̄ d k̄ uke % डीटीएच चैनल 16 एवं 17, स्वयं प्रभा, आईआईटी कानपुर

i fj; k̄ uk̄v̄ ḡḡd %प्रो. सत्यकी रॉय

i fj; k̄ uk̄d hv̄ k̄ ḡḡḡs̄ḡ hr̄ k̄ ḡ ḡ k̄/ḡ1-8-2016

i fj; k̄ uk̄d ḡḡḡs̄;

डीटीएच चैनल 16 और 17, स्वयंप्रभा, आईआईटी कानपुर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उन्नत पाठ्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान देना तथा उन्हें शिक्षित करना है। इसके अन्तर्गत वर्चुअल क्लास रूम के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है तथा छात्र स्वयं प्रभा पोर्टल से अपने विषय से संबंधित जानकारी एकत्र कर सकते हैं। चैनल 16 द्वारा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रम तथा चैनल 17 द्वारा यांत्रिक अभियांत्रिकी के पाठ्यक्रम उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

çxfr fj i k̄Z

स्वयं प्रभा चैनलों द्वारा नये शैक्षिक क्षेत्र सामने लाये गये हैं तथा इन चैनलों द्वारा विद्यार्थियों को उन्नत शिक्षण प्रणाली से परिचित कराया गया है। ये चैनल पूर्व-स्नातक एवं परास्नातक छात्रों के लिए पाठ्यक्रम तैयार कर रहे हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में स्वयं पोर्टल द्वारा कुल तीन महीने पाठ्यक्रमों का प्रसारण किया गया था। इसके अलावा चैनल 16 द्वारा 20 दिनों तक तथा चैनल 17 द्वारा 6 महीने तक नये पाठ्यक्रमों का भी प्रसारण किया गया है। नवम्बर 2017 से अब तक हमने शैक्षिक सलाहकार समिति की दो बैठकों का आयोजन किया है। बैठक में नये पाठ्यक्रमों के रूपांतरण तथा मौजूदा पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन पर चर्चा की गई। हमने संबंधित क्षेत्रों में नये पाठ्यक्रमों को जोड़ने से संबंधित विषयों पर अन्य संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं।

eḡ; v ak

- ✦ चैनल 16 ने 26 नये पाठ्यक्रमों का प्रसारण किया है जिसमें 8 पाठ्यक्रम स्वयं प्रभा पोर्टल में पहले से ही प्रसारित हो रहे हैं।
- ✦ चैनल 17 ने 05 नये पाठ्यक्रमों का प्रसारण किया है जिसमें 3 पाठ्यक्रम स्वयं प्रभा पोर्टल में पहले से ही प्रसारित हो रहे हैं।
- ✦ ऑनलाइन पोर्टल न केवल विद्यार्थियों के लिए फायदेमंद हैं बल्कि कॉलेज के प्राध्यापकों के लिए भी लाभकारी है।

i fj; k̄ uk̄l̄ ḡ; k̄/एमएचआरडी/एमडेस/2016261

i fj; k̄ uk̄ d k̄ uke % डीटीएच चैनल 16 एवं 17, स्वयं प्रभा, आईआईटी कानपुर

i fj; k̄ uk̄v̄ ḡḡd %प्रो. सत्यकी रॉय

i fj; k̄ uk̄d hv̄ k̄ ḡḡḡs̄ḡ hr̄ k̄ ḡ ḡ k̄/ḡ1-8-2016

i fj; k̄ uk̄d ḡḡḡs̄;

डीटीएच चैनल 16 और 17, स्वयंप्रभा, आईआईटी कानपुर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उन्नत पाठ्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान देना तथा उन्हें शिक्षित करना है। इसके अन्तर्गत वर्चुअल क्लास रूम के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है तथा छात्र स्वयं प्रभा पोर्टल से अपने विषय से संबंधित जानकारी एकत्र कर सकते हैं। चैनल 16 द्वारा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रम तथा चैनल 17 द्वारा यांत्रिक अभियांत्रिकी के पाठ्यक्रम उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

Çxfr fji kZ

स्वयं प्रभा चैनलों द्वारा नये शैक्षिक क्षेत्र सामने लाये गये हैं तथा इन चैनलों द्वारा विद्यार्थियों को उन्नत शिक्षण प्रणाली से परिचित कराया गया है। ये चैनल पूर्व-स्नातक एवं परास्नातक छात्रों के लिए पाठ्यक्रम तैयार कर रहे हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में स्वयं पोर्टल द्वारा कुल तीन महीने पाठ्यक्रमों का प्रसारण किया गया था। इसके अलावा चैनल 16 द्वारा 20 दिनों तक तथा चैनल 17 द्वारा 6 महीने तक नये पाठ्यक्रमों का भी प्रसारण किया गया है। नवम्बर 2017 से अबतक हमने शैक्षिक सलाहकार समिति की दो बैठकों का आयोजन किया है। बैठक में नये पाठ्यक्रमों के रूपांतरण तथा मौजूदा पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन पर चर्चा की गई। हमने संबंधित क्षेत्रों में नये पाठ्यक्रमों को जोड़ने से संबंधित विषयों पर अन्य संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं।

efj; v ak

- ✦ चैनल 16 ने 26 नये पाठ्यक्रमों का प्रसारण किया है जिसमें 8 पाठ्यक्रम स्वयं प्रभा पोर्टल में पहले से ही प्रसारित हो रहे हैं।
- ✦ चैनल 17 ने 05 नये पाठ्यक्रमों का प्रसारण किया है जिसमें 3 पाठ्यक्रम स्वयं प्रभा पोर्टल में पहले से ही प्रसारित हो रहे हैं।
- ✦ ऑनलाइन पोर्टल न केवल विद्यार्थियों के लिए फायदेमंद हैं बल्कि कॉलेज के प्राध्यापकों के लिए भी लाभकारी है।

Q\$ aie v uqkfr GIAN i k+ Øe

मेजबान संकाय-सदस्य	अंतरराष्ट्रीय संकाय	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि
भो. विशाख भट्टाचार्या, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	भो. हिरोकी वागासूमा, जापान	फंडामेंटल ऑफ बायो-इन्सपायर्ड रोबोटिक्स	5 अक्टूबर 2017 से 10 अक्टूबर 2017
ड आशीष मंडल, गणित एवं सांख्यिकी	डो. ए मैकाहलॉफ, Universite de Haute Alsace, फ्रांस	डिफार्मेशन थियोरी ऑफ एलजेबरिक स्ट्रक्चर एवं ट्यूस्टिड एलजेबरिक स्ट्रक्चर	23 अक्टूबर 2017 से 03 नवम्बर 2017
ड. शांतनु डे, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	डो. ओलिवर डी, कार्नेल यूनिवर्सिटी, यूएसए	न्यूमेरिकल मॉडलिंग ऑफ मल्टीफेज फ्लो	30 अक्टूबर 2017 से 10 नवम्बर 2017
डो. नंदिनी गुप्ता, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	ड. विसेंट रोडाल्फो, मैक्सिकन इलेक्ट्रिकल एंड क्लीन एनर्जी इंस्टीट्यूट, मैक्सिको	अल्ट्रा-वाइड बैंड पार्सिएल डिस्चार्ज डिटेक्शन इन-सर्विस हाई वोल्टेज एप्लिकेशन	20 नवम्बर 2017 से 1 दिसम्बर 2017
डो.एस पी रथ, रसायन	डो. मैरीलिन एम ऑल्मस्टीड, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया	प्रि स्टल स्ट्रक्चर डिटरमिनेशन: प्रिंसिपल एंड एप्लीकेशन	29 नवम्बर 2017 से 9 दिसम्बर 2017
डो. जे रामकुमार, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	डो. नरेन्द्र बी दहोत्रे, यूनिवर्सिटी ऑफ नार्थ टैक्सास, डेन्टान, टैक्सास, यूएसए	लेसर मैटीरियल्स प्रोसेसिंग: फंडामेंटल एंड एप्लीकेशन	19 फरवरी 2018 से 24 फरवरी 2017
ड. आशीष मंडल, गणित एवं सांख्यिकी	लूसा विटालिनियो, Universita Degli Studi Di Salerno Italy	डिफरेंसिएल ज्यामिती एंड PDEs	4 दिसम्बर 2017 से 8 दिसम्बर 2017
ड. जलील अख्तर, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	डो. अब्बास एस ओमर, Otto-von-Gu ericke, यूनिवर्सिटी ऑफ Magdeburg Germany	माइक्रोवेव एंड THz इमेजिंग ऑफ दी स्ट्रेटीफाइड मीडिया फॉर इंडस्ट्रियल एंड बायोमेडिकल एप्लीकेशन	5 दिसम्बर 2017 से 9 दिसम्बर 2017

भो. सुमित बसु, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	भो. डेनियल रिड्ल, इजराइल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, इजराइल	फेलियर अ फ मटेरियल्स	14 दिसम्बर 2017 से 23 दिसम्बर 2017
ड मंगल कोठारी, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	भो. कामेश सुब्बाराव, यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्सास, यूएसए	अ टोनोमस सिस्टम	18 दिसम्बर 2017 से 22 दिसम्बर 2017
ड. अभिषेक, वांत्सिख अभियांत्रिकी विभाग	डो. जयंत सिरौही, यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्सास, यूएसए	हेलीकाप्टर रोटर डायनामिक्स एंड डिजाइन	1 जनवरी 2018 से 5 जनवरी 2018

i fj; k\$ ukl h; k\$एमएचआरडी / डीआईआरओ / 2015208

i fj; k\$ ukd kuke %इम्प्रिट इंडिया- एक पहल

i fj; k\$ ukv l\$kd %डॉ. ए. के.सिंह

l g& l\$kd @l g; k\$ h¼ fin d k\$Z%कोई नहीं

i fj; k\$ ukd hv k\$ k\$kd hr k\$ h¼ k\$ 01-10-2015

अनुमोदन पत्र एवं दिनांक: मा.सं.वि.मं. के दिनांक 21-9-2015 के पत्रांक सं. 3-18 / 2015-टी.एस.-I द्वारा

i fj; k\$ ukd smas;

विशेष रूप से उर्जा, प्राकृतिक संसाधन, खाद्य, गृह निर्माण, परिवहन तथा मानव कल्याण के क्षेत्र में निरंतरता बनाए रखने एवं संवृद्धि के लिए अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। यद्यपि भारत तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर देश है, फिर भी स्तरीय तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रयोजनात्मक उपागम विकसित करने तथा नवप्रवर्तन के लिए परितंत्र को समर्थ बनाने की आवश्यकता है। इम्प्रिट इंडिया का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है। पहला कार्य नई शिक्षा नीति एवं अनुसंधान के लिए खाका तैयार करना है ताकि हमारे शैक्षिक एवं अनुसंधान एवं विकास संस्थानों द्वारा अधिक से अधिक इनोवेशन किया जा सके। दूसरा कार्य तकनीकी समाधान से समाज को लाभ पहुँचाना है।

Çxfr fji kZ

इम्प्रिट इंडिया पहल के माध्यम से 2612 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। समीक्षकों एवं विषय विशेषज्ञ समिति ने तीन चरणों में इन प्रस्तावों पर गहनता से विचार के बाद 259 प्रस्तावों को अंतिम रूप से मंजूरी दी गई। इन 259 प्रस्तावों में से 142 प्रस्तावों के लिए संबंधित मंत्रालयों/विभागों/उद्यमों से 50% मैचिंग ग्रांट के रूप में वित्तीय सहायता की जा चुकी है। साझेदारों ने 142 परियोजनाओं में से 114 परियोजनाओं के लिए पहले ही फंड जारी कर दिया है।

l bfrkuokj fooj . k

विषय-क्षेत्र	वे भस्ताव जिन्हें वित्तीय सहायता देना बंद कर दिया गया है	साझेदारों से मैचिंग ग्रांट प्राप्त करने वाले प्रस्तावों की संख्या	शेष प्रस्तावों की संख्या जिन्हें साझेदारों से फंड मिलना बाकी है
आ आ आ टी इलाहाबाद	01	00	01
आ आ आ डीएम जबलपुर	01	01	00
आ आ एससी बंगलुरु	19	16	03
आ आ एस आर त्रिवेंद्र म	01	01	01
आ आ एस आर मोहाली	01	01	0
आ आ टी बीएचयू वाराणसी	01	01	00
आ आ टी भुवनेश्वर	01	01	00
आ आ टी बाम्बे	19	16	03
आ आ टी दिल्ली	10	09	01
आ आ टी गाँीनगर	03	03	00

आईआईटी गुवाहटी	09	05	04
आईआईटी हैदराबाद	06	05	01
आईआईटी कानपुर	18	16	02
आईआईटी खड़गपुर	27	17	10
आईआईटी मद्रास	16	13	27
आईआईटी मंडी	02	02	03
आईआईटी रुड़की	01	01	00
आईआईटी रोपण	01	01	00
एनआईटी दुर्गापुर	01	01	00
एनआईटी राउरकेला	02	02	00
एनआईटी वारंगल	01	01	00
एनआईटी सुरथकाल	01	01	00
कुल	142	114	28

एफ़ी; व् अके

- वित्तीय वर्ष 2016-17 तथा 2017-18 के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 142 परियोजनाओं के लिए अनुदान जारी किया है। परियोजना मुख्य अन्वेषकों को अनुदान की राशि दी जा चुकी है।
- इस्पात मंत्रालय, उर्जा मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय, विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान, भारी उद्योग मंत्रालय, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) तथा भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद ने वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए 50% मैचिंग ग्रांट जारी कर दिया है। परियोजना मुख्य अन्वेषकों को अनुदान की राशि दी जा चुकी है।
- राष्ट्रीय समन्वयक एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने परियोजनाओं के लिए फंड जारी करने एवं उनकी समीक्षा करने के उद्देश्य से संबंधित मंत्रालयों के साथ वार्ता करने के लिए सामूहिक कदम उठाये हैं।

i fj; k uk l h; एमएचआरडी/सीसी/20130176

i fj; k ukd kuke % एडवॉन्ड कम्प्यूटेशन रिसर्च एंड एजुकेशन

i fj; k ukv l b d % हेड, संगणक केन्द्र

l g & l b d @ l g; k h 1/4 f n d k b % डॉ. अमलेन्दु चन्द्रा, डॉ. संजय मित्तल, डॉ. रामासुब्बु एस रामाकृष्णन, डॉ. जयंत के सिंह, डॉ. माधव वी. रंगनाथन, डॉ. राज गणेश पाला

i fj; k ukd hv k k g k s l h r k j h % 1.9.2013

v u q k s u i =, o a n u k d % एफ.सं. 5-6/2013 टीएस-VII दिनांक 08.5.2013

i fj; k ukd s m a s;

इस परियोजना का उद्देश्य एडवॉन्ड कम्प्यूटिंग के क्षेत्र में शोध एवं शिक्षा को आगे बढ़ाना तथा मजबूत करना है। इस कार्य को पूरा करने के लिए मौजूदा अभिकलनात्मक (कम्प्यूटेशनल) सुविधा में वृद्धि करना है तथा छात्रों को अपने शोध कार्य में इसके उपयोग के लिए प्रोत्साहित एवं प्रशिक्षित करना है।

Ç x fr fj i k Z

स्नातक पाठ्यक्रम के लगभग 400 विद्यार्थी अनुसंधान कार्यों के लिए सुविधा का उपयोग करते हैं। अनुसंधान कार्यों की सीमा भौतिकी एवं रसायन विज्ञान के परिमाण स्तर से लेकर क्षुद्रग्रह के व्यवहार को जानने की प्रक्रिया तक होती है। पिछले एक वर्ष में 19 विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी-अपनी पीएचडी पूरी की है। संकाय-सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण तथा इन सुविधाओं के फलस्वरूप 100 से भी ऊपर जर्नलों का प्रकाशन किया है। संस्थान के संकाय-सदस्यों ने संबंधित पाठ्यक्रमों पूरा करने में अपना योगदान दिया है। कम्प्यूटेशनल साइन्स एवं इंजीनियरिंग जैसे पाठ्यक्रमों को सराहा गया है। निकट भविष्य में कम्प्यूटेशनल रिसर्च एवं शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों पर मंथन करने तथा इसके

उन्नयन के लिए सम्मेलन/कार्यशालाओं के आयोजन पर विचार किया जा रहा है।

एफ़ी; व् अके

- 19 विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी-अपनी पीएचडी पूरी की है।
- 103 जर्नलों का प्रकाशन।
- कम्प्यूटेशनल रिसर्च एवं शिक्षा में नया पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

i fj; k uk l h; एमएचआरडी/सीसी/2015003

i fj; k ukd kuke % एमएचआरडी आईआईटी काउन्सिल पोर्टल

i fj; k ukv l b d % एडीडीआई

l g & l b d @ l g; k h 1/4 f n d k b % कोई नहीं

i fj; k ukd hv k k g k s l h r k j h % 1.4.2015

v u q k s u i =, o a n u k d % 19-9/2009-टीएस.1 दिनांक 25.02.2015

i fj; k ukd s m a s;

सतत् आधार पर आईआईटी काउन्सिल के वेबपोर्टल का रख-रखाव करना एवं अपडेट करना।

Ç x fr fj i k Z

आईआईटी काउन्सिल वेबपोर्टल को प्रयोक्ता मैत्रीपूर्ण एवं सूचनापरक बनाने के लिए सतत् रूप से अपग्रेड किया जाता है। वेबपोर्टल के डाटा अपलोड माड्यूल को और अधिक उपयोगी बनाया गया है। एटीआर स्टेड्स को प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त स्थान दिया गया है। एटीआर में उपलब्ध आइटम वाइस अपलोड को आईआईटी द्वारा जाँचा जाता है। आईआईटी के सदस्यों द्वारा दिये गये सुझावों को साइट में डाला जाता है। सुरक्षा पहलुओं का विशेष ध्यान रखा जाता है तथा आईआईटी कानपुर के साइबर सिक्योरिटी सेन्टर के सुझावों पर अमल किया जाता है।

एफ़ी; व् अके

- आईआईटी के सदस्यों की मॉग पर कई नये फीचर जोड़े गये हैं।
- प्रयोक्ता की सुविधा के लिए वेबसाइट की स्पीड को बढ़ाया गया है।
- वेबपोर्टल की सुरक्षा के लिए कोड का प्रयोग

i fj; k uk l h; k एमएचआरडी/एमईटी/2014258

i fj; k ukd kuke % वर्चुअल लैब - फेज II

i fj; k ukv l b d % ओ. कांतेश बलानी

l g & l b d @ l g; k h 1/4 f n d k b % कोई नहीं

i fj; k ukd hv k k g k s l h r k j h % 11-2014

v u q k s u i =, o a n u k d % 19 अगस्त, 2014

i fj; k ukd s m a s;

सभी विकसित प्रयोगशालाओं को ओपन सोर्स रिपाज़िटरी के रूप में तब्दील करने के विचार से वर्चुअल प्रयोगशाला फेज II आरंभ किया गया जो कि भारत अथवा विदेश में स्थित समुदाय/शैक्षिक संस्थानों के लिए उपलब्ध है। वर्तमान में सभी लाइसेंसधारी विषय-वस्तुओं को एक प्लेटफॉर्म के रूप में परिवर्तित करने का विचार है जो किसी भी लाइसेंसधारी सॉफ्टवेयर से अलग होगा। इसके अलावा, वर्तमान वर्ष में नोडल केन्द्र की स्थापना तथा प्रयोक्ताओं की संख्या को 54,000 करना हमारा लक्ष्य है।

Ç x fr fj i k Z

जून 2018 तक (संलग्नक 1) 2,39,413 प्रयोक्ताओं की संख्या प्राप्त हुई है। यह लक्षित प्रयोक्ताओं की संख्या से ठीक दुगुना है। दूसरे वर्ष के लिए धनराशि प्रतिक्षित है। कुल 36 नोडल केन्द्र (संलग्नक 2) स्थापित किए

गए हैं जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से संबद्ध हैं।

हमने प्रयोक्ताओं के अपेक्षित लक्ष्य को पूरा कर लिया है किन्तु नोडल केन्द्रों की स्थापना में पिछड़ गए हैं। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:-

- ✧ वर्चुअल प्रयोगशाला फेज II अक्टूबर 2014 में शुरु हुआ है।
- ✧ 3 प्रयोगशालाओं को लेवल सिक्स तक पहुँचाने का लक्ष्य तय किया गया है। वर्चुअल प्रयोगशालाओं की वर्तमान स्थिति की विवरण सूची अनुलग्नक 3 में दर्शायी जाती है (लक्ष्य प्राप्त कर लिये गये हैं)।
- ✧ परियोजना के सुचारु संचालन के लिए नियमित आधार पर परियोजना इंजीनियर, परियोजना एसोसिएट तथा तदर्थ कार्मिक नियुक्त किए गए हैं।
- ✧ सभी प्रयोगशालाओं को एक सामान्य प्लेटफॉर्म के तहत एकीकरण के काम में भाप्रौसं कानपुर द्वारा सहयोग किया जा रहा है।
- ✧ हमारा अगला कार्य भा.प्रौ.सं. बाम्बे द्वारा विकसित किए गए संधि (Sandhi) का उपयोग करते हुए लैब-व्यू कंटेंट को ओपन सोर्स में परिवर्तित करना है।

एक; वरक

- ✧ पाँच प्रयोगशालाएं हॉस्ट की गई हैं तथा छह प्रयोगशालाओं ने FOSS लेवल 6 प्राप्त किया है। सभी प्रयोगशालाओं को एक सामान्य प्लेटफॉर्म के तहत एकीकरण के काम में भाप्रौसं कानपुर द्वारा सहयोग किया जा रहा है।
- ✧ परियोजना के सुचारु संचालन के लिए एक नियमित परियोजना तकनीशियन तथा एक तदर्थ कार्मिक सेवारत हैं।
- ✧ वर्तमान में नोडल केन्द्रों की संख्या 36 हैं जो 24 नोडल केन्द्रों की समिति संख्या से अधिक है। प्रयोक्ताओं की संख्या (2,39,413) प्रयोक्ताओं की लक्षित संख्या (54,000) से अधिक हो चुकी है।

। गू खूद 1%क-कस adkui jpd \$; क व कपन/का 1/2

प्र. सं.	प्रिया-कलाप	संख्या	योगों की संख्या	गणना
1.	भाषेसं कानपुर में कार्यशालाओं की संख्या	09	461	30145
2.	विशेष नोडल केन्द्रों में कार्यशालाओं की संख्या	30	2109	36971
3.	छात्रों के लिए लाइव डेमो के उपरान्त संवाद सत्र का आयोजन	1	60 10 विशेषज्ञ	60
4.	संकाय सदस्यों द्वारा कॉलेज में व्यावहारिक प्रयोगों का प्रदर्शन	5	120	उपर्युं मद सं. 2 में शामिल)
5.	पेन ड्राइव/ डीवीडी द्वारा प्रयोगों की संख्या (किसी विशेष सेमेस्टर/ ब्रान्च के छात्रों की संख्या एवं प्रति प्रयोग सत्र में किए गए प्रयोगों की संख्या)	30 कॉलेज)	2009 अपेक्षित	47205 अपेक्षित
6.	संकाय उन्नयन कार्यक्रम एवं छात्र उन्नयन कार्यक्रम	2 कालेज)	92	उपर्युं मद सं. 2 में शामिल

7.	विशेष कक्षाओं में छात्रों द्वारा प्रयोग सत्र के दौरान व्यावहारिक प्रयोग संपन्न करना	735	2563	मद सं 2 एवं 5 के अनुसार योजित
8.	आहूपी रैडम हिट्स		>1,25,032 हिट्स	1,25,032
कुल				2,39,413

➤ ग्राफ के लिए अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करें।

। गू खूद 2%क-कस adkui jpd \$ a) 'opdy' c; क'ky kuku dbe

प्र. सं.	कक्षा	दिनांक	संपर्क सूत्र
1.	स्वामी विवेकानंद अभियांत्रिकी कॉलेज, इंदौर	16.2.2015	pranaychauhan@svceindore-ac-in
2.	ग्लोबल ग्रुप अकादमी इंस्टीट्यूशन, लखनऊ	19.2.2015	dean@ggi-org-in
3.	डब्ल्यू.ए.के. इंस्टी. ऑफ टेक्नो. फॉर हैडीकैम्प कानपुर	16.4.2014	cpverma-2007@rediffmail-com
4.	हिन्दुस्तान इंस्टी. ऑफ टेक्नो. एंड मैनेजमेंट आगरा	17.4.2015	manishgupta-hitm@sgci-org] directorhitm@sgci-org
5.	एनवीर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी कानपुर	21.4.2015	ashutoshwari@psit-in] director@psit-ac-in
6.	सरस्वती ज्ञान मंदिर इंटर कॉलेज इंदिरा नगर कानपुर	21.4.2015	sopanbajpai@gmail-com
7.	केन्द्रीय विद्यालय, आईआईटी कानपुर	27.4.2015	kviit@iitk-ac-in
8.	बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय लखनऊ	06.5.2015	seethalk07@gmail-coms
9.	प्रज्ञा इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद	16.7.2015	director@krishnacollege-ac-in
10.	भारत इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी मेरठ	17.7.2015	dg@bitmeerut-adu-in
11.	जे.एस.एस.ए.टी.ई. नोएडा	24.7.2015	hodcse@jssaten-ac-in
12.	सेठ आनन्दराम जयपुरिया कानपुर	24.8.2015	sajsknp@rediffmail-com] sundark-g&sajskanpur@jai-puria-edu-in
13.	केन्द्रीय विद्यालय, केन्ट कानपुर	17.8.2015	kvkcantt@gmail-com
14.	विद्या कक्षा इंजीनियरिंग	13.10.2015	vce@vidya-edu-in
15.	पूर्ण चम्ब विद्या निकेतन	31.10.2015	principalcvn@gmail-com
16.	कानपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी	31.10.2015	director-kit@kit-ac-in
17.	दिशा स्कूल रायपुर	24.12.2015	info@chssindia-in] ramanand-goswami@dishamail-com
18.	महाराणा स्थापना ग्रुप अकादमी इंस्टीट्यूशन, कानपुर	16.02.2016	Prof-P Singh 0512&2770092&96
19.	राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महिला कॉलेज	20.12.2016	Itiwbanpur@rediffmail-com
20.	सी.एस.जे.एम.यू. (यूआईईटी) कानपुर	01.8.2016	jainrenu@gmail-com

l g' Xud '3%h-k-çkŞ a'dkui j'e'æfLfr 'ç; kŞ' kky kv kəd h
l pñ

क्र. सं.	प्रयोगशाला का नाम	प्रयोगशाला की आईडी	मु. अन्व.का नाम	लेवल
1	वर्चुअल खगोल भौतिकी प्रयोगशाला	PHY01	डॉ. पी. के. जैन	6
2	अल्ट्राफास्ट लेसर स्पेक्ट्रोमिकी	CHS13	डॉ. डी. गोस्वामी	6
3	मैटीरियल्स रिस्पॉन्स टू माइक्रो-स्ट्रक्चरल, मैकेनिकल, थर्मल एंड बायोलॉजिकल स्ट्रमलाइ	MECH08	प्रो. कांतेश बलानी	6
4	वांतरिक्ष वर्चुअल प्रयोगशाला	-	प्रो. एस. कामले	6
5	वर्चुअल दहन एवं स्वचलित प्रयोगशाला	-	प्रो. डी. पी. मिश्रा	6
6	आरएफ एवं सूक्ष्म तरंग विशेषीकरण प्रयोगशाला	ECE18	डॉ. वैभव श्रीवास्तव एवं डॉ. जलील अख्तर	5
7	ट्रॉसड्यूसर एंड इन्सट्रुमेंटेशन वर्चुअल प्रयोगशाला	ECE03	डॉ. एन. के. वर्मा	5
8	जनरल पर्पज प्रोडक्शन सिम्युलेशन प्रयोगशाला	-	प्रो. डी. फिलिप	6

i fj; kŞ uk1 h; k% एमएचआरडी/डीईएसपी/2015437

i fj; kŞ ukd kuke %सेन्ट्रल सेक्टर फॉर एमओओसीएस-कम्प्लेंट ई-कन्टेन्ट क्रिएशन (एनपीटीईएल फेज IV)

i fj; kŞ ukv lŞkd %ओ. सत्यकी राय

l g& lŞkd @l g; kŞ h'¼ fn'd kŞZ%कोई नहीं

i fj; kŞ ukd hv kj kkgks d hr kj h' k% 31.8.2016

v uqksu i =, oãnukd %31 मार्च, 2009 के अनुमोदन पत्र के क्रम में, एनपीटीईएल फेज IV (भाप्रौसं मद्रास) पत्र दिनांक 8 मार्च, 2016

i fj; kŞ ukd \$mns;

सीएसएस-एमओओसीएस परियोजना का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करते हुए वैश्विक बाजार के लिए भारत औद्योगिक प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत करना है। कार्यान्वयन की दृष्टि से सीएसएस-एमओओसीएस परियोजना का उद्देश्य देश के विभिन्न संस्थानों के छात्रों के लिए उच्च स्तर की अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना है। भारत में पूर्व-स्नातक एवं परा-स्नातक पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों के छात्र एवं संकाय सदस्य इस परियोजना के मुख्य केन्द्र-बिन्दु हैं।

çxfr fji kŞZ

भा.प्रौ.सं. कानपुर ने अभियांत्रिकी कॉलेजों की माँगों के आधार पर सन 2014 से अब तक 220 एमओओसीएस पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जा चुके हैं। एनपीटीईएल फेज IV पहल के एक भाग के रूप में हमने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा इंजीनियरिंग कॉलेजों में एनपीटीईएल लोकल चैप्टर की अवधारणा का विकास किया है। वर्तमान में लगभग 1800 लोकल चैप्टर हैं और इन संस्थानों के विशेषज्ञ संकाय अपनी देख-रेख में एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों को पढ़ा रहे हैं। सितम्बर 2017 से उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू राजस्थान एवं कर्नाटक के संस्थानों में 14 कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य भाप्रौसं कानपुर एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एनपीटीईएल प्लेटफॉर्म के बारे में जागरूकता फैलाना, विशेषज्ञों द्वारा पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु की कठिन अवधारणाओं की व्याख्या करना तथा योग्य

शिक्षण स्टाफ की कमी वाले अधिक से अधिक संस्थानों को लोकल चैप्टर बनने के लिए आमंत्रित करना एवं इस प्लेटफॉर्म का अर्थपूर्ण रूप से उपयोग करना है।

eř; v ak

✳ आगामी जुलाई महीने में भा.प्रौ.सं.कानपुर 42 पाठ्यक्रम तैयार करने जा रहा है जिसमें 22 पाठ्यक्रम नये हैं तथा 20 पाठ्यक्रमों का दुहराव हो रहा है।

✳ आईआईटी कानपुर एनपीटीईएल चैप्टर ने पिछले सेमेस्टर में अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ मिलकर "नॉन कंनवेसनल एनर्जी रिसोर्सिस" नामक पाठ्यक्रम का प्रबंध किया जिसमें देश के 273 सम्बद्ध कॉलेजों के बीटेक. पाठ्यक्रम के लगभग 45000 छात्रों ने भाग लिया। यह गतिविधि उत्तर प्रदेश की उच्चतर तकनीकी शिक्षा के उन्नयन में कारगर साबित होगी।

✳ गेट परीक्षा की तैयारी के लिए पाठ्यक्रम की सामग्री का उपयोग किया गया। इसके अलावा पाठ्यक्रम लेने वाले छात्रों को संकाय सदस्यों के साथ इन्टर्न करने का अवसर मिल रहा है।

i fj; kŞ ukd kuke % उच्चतर आविष्कार योजना फेज I

i fj; kŞ ukd \$ g& lŞkd %ओ. ए. घटक

उच्चतर आविष्कार योजना के अंतर्गत संचालित होने वाली परियोजनाएँ

क्र. सं.	परियोजना का नाम	जिसके साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं	उद्देश्य के सार
1.	इंजीनियरिंग ऑफ़ सिक्योरिटी हार्डन्ड क्रिपटोग्राफिक प्रोटोकॉल्स फॉर क्रिटिकल नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर	निवेटी सिस्टम्स	साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में क्षमता को बढ़ाना
2.	डेवलप ए नॉवेल सिंथेसिस रूट फॉर ए की इंटरमीडिएट-नॉरोकसीमार्फॉन	नवीन सक्सेना रिसर्च एंड टेक्नोलोजी प्रा. लि.	सक्रिय औषधीय संघटक के संश्लेषण में एक मुख्य इंटरमीडिएट उत्पन्न करने के लिए प्रणाली का विकास करना।
3.	डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ़ एडाप्टिव इंटीलिजेंट पिप हेल्थ मॉनीटरिंग रोबोट्स फॉर फ्यूएल ट्रॉसपोर्टेशन सिस्टम्स	गेल (इंडिया) लिमिटेड	पाइपलाइन नेटवर्क के परिष्कृत संरचनात्मक हेल्थ मॉनीटरिंग तंत्र का विकास करना।
4.	डेवलपमेंट एंड स्केल-अप ऑफ़ अल्ट्रास्माल नैनो कैटालिस्ट फॉर Hydrodesulfurization	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	नैनो तकनीक की सहायता से novel hydrodesulfurization catalyst का विकास करना।

i fj; kŞ ukd knmns;

✧ हाइड्रो डिसल्टयूराइजेशन के लिए अल्ट्रा स्माल नैनोकैटालिस्ट का विकास (परियोजना अन्वेषक: श्री शिवा कुमार एवं आर जी पाला)।

✧ ईंधन परिवहन तंत्र के लिए एडाप्टिव इंटीलिजेंट पाइप हेल्थ मॉनीटरिंग रोबोट का अभिकल्प एवं विकास (बिशाख भट्टाचार्य एवं पी के पाणिग्रही)।

✧ नॉरॉक्सीमॉरफॉन की इंटरमिडिएट के लिए नॉवेल सिंथेसिस रूट का विकास (Mh nsB)

✧ देश की आधारभूत संरचना के लिए सिक्योरिटी हार्डन्ड

क्रिप्टोग्राफिक प्रोटोकाल की इंजिनियरिंग (संदीप शुक्ला एवं मणीन्द्र अग्रवाल)

कनेक्टिविटी की समस्या से निजात मिली है।

çxfr fji kZ

उपर्युक्त परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। उद्योगों द्वारा समय-समय पर फंड उपलब्ध कराया जा रहा है। इन परियोजनाओं के परियोजना अन्वेषकों ने समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया। विभिन्न पेपर, पेटेंट एप्लीकेशन एवं टेक्नोलॉजी डेमोन्स्ट्रेशन पाइपलाइन में है।

i fj; k uk l h; k/मएचआरडी/सीएस/2015251
i fj; k uk d kuke %टीचिंग एंड लर्निंग सेन्टर
i fj; k uk v b d %ओ.टी.वी. प्रभाकर
l g& b d @ g; k h/4 f n d kZ/कोई नहीं
i fj; k uk d hv k k g k s l h r k j h %नवम्बर, 2015
v u q k s u i = , o a f n u k d % एफ.नं.3-13/2015-पीएन,
30-9-2015

i fj; k uk d s m a s ;

टीचिंग एंड लर्निंग सेन्टर स्टेकहोल्डरों को समर्थ बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य करेगा ताकि समकालीन शिक्षा की आवश्यकताओं एवं चुनौतियों को स्वीकार करके उसमें सुधार किया जा सके।

- ✳ व्यक्तिगत संकाय सदस्य स्तर पर शिक्षकों को समर्थ बनाने एवं उनकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए हम कार्यप्रणालियाँ तैयार करते हैं, उनका प्रदर्शन करते हैं तथा उन्हें सुगम बनाते हैं।
- ✳ संस्थागत स्तर पर संस्थान में निहित क्षमता में वृद्धि करने के लिए हम पाठ्यक्रमों का निरीक्षण करते हैं, उन्हें तैयार करते हैं, उन्हें स्वीकार करने की नीति बनाते हैं तथा संकायों के उन्नयन के लिए कार्य करते हैं।
- ✳ प्रौद्योगिकी स्तर पर उपर्युक्त को समर्थ बनाने के लिए मजबूत इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्मों का अभिकल्प करते हैं और उनका विकास करते हैं।
- ✳ हम अनिवार्य रूप से संस्थान के दो पक्षों को शामिल करते हैं जो शिक्षण एवं शिक्षा से मजबूती से जुड़े हुए हैं: पहला पाठ्यक्रम और दूसरा संकाय-सदस्य जो पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं।

çxfr fji kZ

ç k s k d h f o d k

- ✳ इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार करने के लिए mooKIT प्लेटफॉर्म को और अधिक सशक्त बनाया गया है।
- ✳ mooKIT के लिए प्रोग्रेसिव वेब। च्चेक। विकास किया गया है। यह संदेश पर आधारित एप है जिसमें उपलब्ध पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु को बैडविथ की रेंज बहुत कम होने के बावजूद भी पढ़ा जा सकता है। स्थानीय स्तर पर विडियो को डाउनलोड तथा विषय-वस्तु को गोपनीय रखा जा सकता है। दोनों iOS एवं एंड्रॉइड एप्स उपलब्ध हैं।
- ✳ mobi mooKIT का विकास किया गया है। यह प्लेटफॉर्म विकासशील देशों के नागरिकों के लिए फायदेमंद है। IVR पर आधारित नेवीगेशन से फोन काल से विषय-वस्तु की जानकारी ली जा सकती है।
- ✳ भा.प्रौ.सं. कानपुर के लिए Online quiz portal तैयार किया गया है तथा TA202। मैनुयुफैक्चरिंग प्रोसेस-I में इसका परीक्षण किया गया है। इससे संस्थान के संकाय-सदस्यों को 400 से अधिक उत्तर-पुस्तिका जाँचने में मदद मिली है।
- ✳ नेटवर्क के संचालन में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए mooKIT offline app का विकास किया गया है। विडियो को या तो मोबाइल स्टोरेज स्पेस में रखा गया है या एस डी कार्ड में। इसके परिणामस्वरूप प्रयोक्ता को अब विडियो देखने के लिए बैडविथ की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इसके कारण खराब

d k Z k y k

- ✳ डाटा स्ट्रक्चर्स – डॉ. आर. के. घोष
समयावधि: 23 जून से 25 जून, 2017 तक, प्रतिभागियों की संख्या: 31
- ✳ सी प्रोग्रामिंग – डॉ अमेय कर करे
समयावधि: 19 जून से 22 जून, 2017 तक, प्रतिभागियों की संख्या: 31
- ✳ फैंकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम –TEQIP आईआईटी कानपुर के सहयोग से TLC आईआईटी कानपुर द्वारा
समयावधि: तीन सत्रों में आयोजित किया गया। 20 जनवरी से 24 जनवरी, 2018 तक, 29 जनवरी से 2 फरवरी 2018 तथा 9 से 13 फरवरी 2018

MOOCs

- ✳ कम्प्यूटर सिस्टम सिक्योरिटी, डॉ संदीप शुक्ला
समयावधि: 01 जून से 31, जुलाई तक, प्रतिभागियों की संख्या: 1886
- ✳ सेमीकंडक्टर्स ऑफ फिजिक्स, डॉ एच एस वर्मा
समयावधि: 15 अगस्त 2017 से 21 नवम्बर 2017, प्रतिभागियों की संख्या: 15,038
- ✳ लाइफ स्कील्स MOOC, CEMCA, हैदराबाद विश्वविद्यालय एवं उस्मानिया विश्वविद्यालय
समयावधि: 15 मई 2018 से 2 जुलाई 2018, प्रतिभागियों की संख्या: 4216
- ✳ किसानों के लिए कन्नड़ में Mobi MOOC प्रो. ए प्रभुराजू
यूएसएस रायचूर
समयावधि: योजनान्तर्गत, जुलाई 2018 से आरंभ

AgMOOCs कंसोर्टियम के तहत कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग की सहायता से निम्नलिखित ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित किये गये:

- ✳ फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन – प्रभारी अनुदेशक: प्रो. बी. जिरलू (बीएचयू, वाराणसी)
समयावधि: 20 फरवरी, 2018, 8 सप्ताह का पाठ्यक्रम, प्रतिभागियों की संख्या: 4108
- ✳ इंटीग्रेटेड डिस्सीस मैनेजमेंट – प्रभारी अनुदेशक: प्रो. बी.के. सरमा (बीएचयू, वाराणसी)
समयावधि: 20 फरवरी, 2018, 6 सप्ताह का पाठ्यक्रम, प्रतिभागियों की संख्या: 4066

d k s j M y i e s /

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों के साथ मिलकर कोर्सवेयर तैयार किये गये हैं तथा उनका परीक्षण किया गया है:

1. थर्मोडाइनामिक्स ऑफ फ्लूइड एंड फ्लूइड मिक्सचर
2. प्रिंसिपल्स ऑफ डाटाबेस मैनेजमेंट
3. ऑर्डिनरी डिफरेंशियल इक्वेशन
4. कंप्यूटेशनल फिजिक्स

i fj; k uk l h; k/मएचआरडी/ई/20130082

i fj; k uk d kuke %नॉलेज इन्व्यूबेशन फॉर TEQIP, आईआईटी कानपुर

i fj; k uk v b d %ओ.सी एस उपाध्याय

l g& b d @ g; k h/4 f n d kZ/ओ. ईशान शर्मा

i fj; k uk d hv k k g k s l h r k j h %1.6.2013

v u q k s u i = , o a f n u k d %7.2013

i fj; k uk d s m a s ;

इस परियोजना में निम्नलिखित लक्ष्यों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है:

4- v kbʌ kbʌhd ku i jɪd ʌs fV; kɪl husky ; k=k
 प्रो. सुधीर कामले एवं प्रो. संजय मित्तल ने दिनांक 2 से 4 फरवरी 2018 तक काँठमाण्डू की यात्रा की। आपने त्रिभुवन विश्वविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. तिमिला यामी एवं नेपाल के पूर्व-छात्रों से मुलाकात की।

5- i ʌk=kɪl hkk mkj h

उत्तर प्रदेश सरकार के तकनीकी साझेदार होने के नाते हमने अक्षय उर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, साइबर सुरक्षा तथा चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में सरकार से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं।

दीपक भगत ने सिलिकान वैली एवं आईआईटी कानपुर के उद्यमियों के मध्य संवाद स्थापित करने एवं कार्य आरंभ करने के उद्देश्य से प्रस्ताव लाया है।

6- v kəfj d l g; k r fkkcká l g; k

एल्युम्नाइ एसोसिएशन ने अन्य एल्युम्नाइ एसोसिएशनों से अपने संबंध बनाने का प्रयास किया है तथा इसमें उसको सफलता प्राप्त हुई है। संस्थान के एल्युम्नाइ एसोसिएशन ने पैन आईआईटी, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी गाँधीनगर, आईआईटी रुड़की, आईआईटी दिल्ली तथा पैन आईआईएम, आईआईएम बाम्बे के एल्युम्नाइ एसोसिएशन के साथ कार्य आरंभ कर दिया है।

7- m fer kd hv kʃc <# ʌne

1/4 1/4 buD; ʌsku l ʌj

- ✧ एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर 83 बैच एवं 87 बैच के प्राइम 83 द्वारा योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है।
- ✧ सैटलाइट सेन्टर बंगलोर एवं दिल्ली

1/4 kʌ j k d hkk d k

- ✧ ई-सैल की सहायता करना
- ✧ इन्क्यूबेशन सेन्टर में इन्क्यूबेटी के साथ-साथ संरक्षकों का नाम सूचिबद्ध करना
- ✧ एसएमसी तथा एसईई में स्टार्टअप के लिए संरक्षक

1/4 1/4 k Zky k

1/4 1/4 LVK 1/4 i eKVj Dy k

इस क्लास में पूर्वछात्रों को सीखने, प्रतिभाग करने तथा अपने आपको सामने लाने का अवसर प्राप्त होता है। निम्नलिखित स्थानों पर एसएमसी का आयोजन किया जाएगा:-

- ✧ पुणे, सितम्बर 16
- ✧ हैदराबाद
- ✧ मुंबई
- ✧ दिल्ली

- ✧ बंगलोर
- ✧ आईआईटी कानपुर में एसएमसी सेन्टर

1/4 1/4 ʌk=k; ʌa bʌku d ʃp i j l i j l g; k

- ✧ विपणन एवं जन संपर्क
- ✧ धर्मादा निधि के रूप में सहयोग
- ✧ प्रायोजित परियोजनाएं एवं आईआईटी कानपुर में विशिष्ट केन्द्र
- ✧ विद्यार्थियों एवं इन्क्यूबेशन सेन्टर के साथ परस्पर संवाद
- ✧ कार्यशालाएँ तथा एसएमसी सेन्टर

8- l bʌku; ʌa Y; fmk; l kʃ , 'ku d ʃ a ʌ ni ʌe

- ✧ एल्युम्नाइ एसोसिएशन ने संस्थान के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में संस्थान में 'गोल्डन जुबली चेंबर ऑफ एंटरप्रेनर एंड इनोवेशन' की स्थापना की है। वरिष्ठ पूर्वछात्र श्री पवन कुमार एवं श्री सुजिथ कुमार के नेतृत्व में यह कार्य संपन्न हुआ है।
- ✧ ग्रीष्म/शीतकालीन अवकाश में पूर्वछात्रों के बच्चों के लिए इंटरशिप/कार्यशाला का आयोजन।
- ✧ पूर्वछात्रों के अनुरोध पर कक्षा 12वीं के कुछ छात्रों के लिए प्रायोगिक आधार पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है।
- ✧ जेईई परीक्षा पास करने वाले छात्रों के लिए परामर्श सेवा उपलब्ध कराई गई। नोएडा, गुडगाँव, हैदराबाद, मुंबई तथा लखनऊ में आऊटरीच सैल की स्थापना का प्रस्ताव लाया गया है।
- ✧ स्नातक छात्रों के लिए इंटरशिप -<https://spo.iitk.ac.in/internship.html>
- ✧ आईआईटी कानपुर में छात्र नियोजन कार्यालय की गतिविधियाँ -आईआईटी कानपुर के छात्रों ने नियोजन कार्यालय की मदद से सम्मानजनक नौकरियाँ पाई हैं।
- ✧ बंगलोर तथा नोएडा में इन्क्यूबेशन सेन्टर की स्थापना
- ✧ पूर्वछात्रों के बीच आपस में सहयोग एवं संवाद की स्थापना
- ✧ वेबसाइट:-अधिष्ठाता, संसाधन एवं पूर्वछात्र कार्यालय की सहायता से मौजूदा वेबसाइट को दुरस्त किया जा रहा है।
- ✧ ईमेल समूह:- चैप्टरवार ई-मेल समूह सक्रिय हैं।
- ✧ फेसबुक:-आईआईटी कानपुर के आधिकारिक पेज में समाविष्ट किया गया
- ✧ वाट्सअप ग्रुप- चैप्टर ग्रुप सक्रिय हैं।

9- fpfd R kl g; k

निम्नलिखित पूर्वछात्रों के चिकित्सा व्यय के लिए एलुम्नाइ एसोसिएशन ने वेब पोर्टल के माध्यम से फंड एकत्र करने में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है:-

1. नितेश प्रजापति
2. श्रीश जाधव
3. 82 बैच मेट फंड
4. सैम्बर्स मेडीकल सपोर्ट फंड
5. सुधांशु कुमार फंड
6. प्रो. शशि शेखर मिश्रा

foUk

संस्थान द्वारा वित्तीय प्रबंधन ढाँचे का विकेन्द्रीकरण कर दिया गया है तथा इस विकेन्द्रीकरण को धन के प्राथमिक स्रोत के माध्यम से व्यवस्थित किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2017-2018 के गैर-अंकेक्षित खातों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है। ध्यान रहे कि उक्त मंत्रालय संस्थान का प्रशासकीय मंत्रालय है। दिशा-निर्देशों से संबंधित जानकारी मंत्रालय द्वारा अपने पत्रांक संख्या 29-4/2012-IFD दिनांक 17 अप्रैल 2015 द्वारा प्रेषित की गई। गैर अंकेक्षित खातों को संस्थान के संचालक मंडल द्वारा (27 मई 2018 को आयोजित अपनी बैठक) के दौरान विधिवत् रूप से स्वीकार कर लिया गया है। बैठक से पूर्व निम्नलिखित को भी अनुमोदित किया गया।

उक्त खाते 2017-18 Consolidated and Individual Accounts (unaudited) के नाम से निम्नलिखित लिंक पर देखें जा सकते हैं।
<http://www-iitk-ac-in/new/annual-account>

वित्तीय वर्ष 2017-2018 के गैर अंकेक्षित खातों की हाइलाइट्स निम्नलिखित हैं।

- ✧ आईआईटी ब्रैन्ड में किसी भी प्रकार के मूल्य संवर्धन नहीं हुआ है। बैलेंस सीट 2,875 करोड़ रुपये की है।
- ✧ प्रारंभिक आय एवं लगभग 1,014 करोड़ रुपये का इतना ही प्रारंभिक व्यय।
- ✧ मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी किये गये क्रमशः 385 एवं 146 करोड़ रुपये का राजस्व एवं पूंजी निधि का पूरी तरीके से

उपभोग किया गया।

दिनांक 31 मार्च, 2018 तक मानव संसाधन विकास मंत्रालय से 106 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त होनी थी जो 3 अप्रैल 2018 को प्राप्त हुई।

भारतीय भौद्योगिकी संस्थान कानपुर

31 मार्च 2018 को समाप्ति वर्ष का आय-व्यय खाता

विवरण	अनुसूची	रिंशि रूपये में	
		वर्तमान वर्ष 2017-18	गतवर्ष 2016-17
आय			
शैक्षणिक भाप्तियां	9	47,81,86,455	46,47,48,053
अनुदान/आथक सहायता			
वेतनमान के सापेक्ष अनुदान	10	2,11,75,18,536	1,53,46,56,419
पेंशन के सापेक्ष अनुदान	10	59,65,64,820	62,12,00,989
अन्य मदों के सापेक्ष अनुदान	10	25,69,34,650	31,12,00,000
छात्रवृद्धि के सापेक्ष अनुदान	10	50,38,91,524	51,60,63,854
निवेश से भाप्त आय	11	21,94,84,892	14,29,18,630
अजत ब्याज	12	3,24,88,277	1,40,33,156
अन्य आय	13	80,59,98,999	41,61,61,292
पूर्व अर्वा की आय	14	5,72,80,734	—
विलंबित राजस्व आय	4	5,08,11,84,099	1,55,66,03,979
कुल रिं		10,14,95,32,987	5,57,75,86,372
व्यय			
कर्मचारियों का भुगतान एवं लाभ स्थापना व्ययी			
मा.सं.वि.मं. अनुदान वेतन	15	1,98,87,96,490	1,43,74,32,506
मा.सं.वि.मं. अनुदान सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ	15	1,27,69,46,779	87,77,49,555
शैक्षणिक लाभ			
मा.सं.वि.मं. छात्रवृत्ति	16	50,38,91,524	51,60,63,854
अन्य शैक्षणिक व्यय	16	20,40,42,275	17,39,94,237
भशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	42,96,80,942	42,74,29,758
परिवहन व्यय	18	36,01,379	59,78,226
मरम्मत एवं रखरखाव	19	39,17,30,357	24,43,40,070
विर्झ लागता	20	3,69,43,958	3,56,79,172
अवमूल्यन	4	5,09,27,70,151	1,56,82,69,695
अन्य व्यय	21	3,97,43,781	3,67,85,513
पूर्व अर्वा का व्यय	22	94,96,630	69,74,254
कुल रिं		9,97,76,44,266	5,33,06,96,840
व्यय पर आय का आिक्य रिं-रिं		17,18,88,721	24,68,89,532
अग्रिम के सापेक्ष उपभोग		—	—
अिशेष रिंटी को पूंजीनिि में अग्रसारित किया गया		17,18,88,721	24,68,89,532

भारतीय भौद्योगिकी संस्थान कानपुर

पी के केलकर पुस्तकालय ने प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के माध्यम से अपने संग्रहण विकास तथा ज्ञान वृद्धि पर ध्यान केन्द्रित किया है। पुस्तकालय KOHA सॉफ्टवेयर का प्रयोग अपने आटोमेशन के लिए, रववउसं का प्रयोग डिजाइनिंग के लिए, DSpace का प्रयोग संस्थागत संग्रहालय के लिए करता है। पुस्तकालय का वेब-कैटलॉग संसाधनों की खोज एवं पुनः प्राप्ति में सक्षम बनाता है तथा यह गुगल कवर इमेज एवं कन्टेन्ट का लिंक उपलब्ध कराता है जिसके फलस्वरूप प्रिंट ऑप्शन, सपोर्ट रेटिंग, कमेंट तथा विभिन्न स्वरूपों में सूची तैयार करने एवं खोजे गये परिणामों को निर्यात करने का कार्य किया जा सकता है। वर्ष 2018 के दौरान पी के केलकर पुस्तकालय ने समस्त पत्र-पत्रिकाओं के केवल ऑनलाइन डिजिटल अंशदान ही स्वीकार किया है। शैक्षणिक सीनेट द्वारा अनुमोदित लाइब्रेरी विज़न डोक्यूमेंट, पुस्तकालय को प्रभावी एवं आधुनिक ज्ञान का केन्द्र बनाने के लिए क्रियान्वयन की अपनी अंतिम अवस्था में पहुंच गया है। निगरानी एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए

पुस्तकालय के अन्दर प्रमुख स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगा दिये गये हैं। बेहतर वस्तु सूची एवं चोरी नियंत्रण के लिए RFID के कार्यान्वयन का कार्य भी जारी है। पुस्तकालय अपने प्रशिक्षुओं एवं कर्मचारियों को नई सूचनाओं से अद्यतन बनाए रखने एवं उनके कौशल को उन्नत बनाने के लिए समय-समय पर सम्मेलन एवं व्याख्यानों का आयोजन करता रहता है

पुस्तकालय ने विभिन्न प्रिंट एवं आनलाइन रिसोर्स की खरीद के लिए 14.04 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। ऐक्टिवेट तथा इंडेक्स जर्नल्स की साफ-सफाई का कार्य अप्रैल 2017 में पूरा कर लिया गया है। इस वर्ष पुस्तकालय 1028 क्षतिग्रस्त पुस्तकों एवं 9010 ऐक्टिवेट एण्ड इंडेक्स बाउन्ड वाल्यूम जर्नल्स को साफ (अलग करने) में सफल रहा है।

पुस्तकालय ने शैक्षणिक एवं शोध लेखन कौशल को सुधारने के लिए

निम्नलिखित प्रायोजित कार्यशालाओं का आयोजन किया है।

कार्यशाला	उद्देश्य	दिनांक
नैतिकता, साहित्य चोरी और उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं का प्रकाशन। विली द्वारा प्रायोजित विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला	<ul style="list-style-type: none"> उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर्स की स्वीकार्यता दर को बढ़ाना विली रिसर्चस एकेडमी टूल्स एवं ट्यूटोरियल की इंट्रोडक्टरी पहुंच 	अक्टूबर 07, 2017
टेलर और क्रांसिस के साथ कैसे प्रकाशित करें टेलर और फ्रांसिस द्वारा प्रायोजित विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला	<ul style="list-style-type: none"> रिसर्च पब्लिकेशन स्कील को बेहतर बनाना। T&F प्लेटफार्म पर प्रकाशन हेतु अपने शोझ समुदाय को प्रोत्साहित करना 	फरवरी 2, 2018

यूकेबीएल का पुस्तकालय

पुस्तकालय की अपनी स्वयं की वेबसाइट है जिसका संचालन एवं रखरखाव पुस्तकालय द्वारा किया जाता है। वेबसाइट पुस्तकालय द्वारा मंगाई पत्रिकाओं के लिए एक नेवीगेशन का कार्य करती है। पुस्तकालय द्वारा प्रदत्त अन्य सेवाओं में न पता लगाए जाने वाली पुस्तकों के लिए आवेदन भेजना, पुस्तकालय पत्रिकाओं के प्रयोग में आने वाली सांख्यिकी, रिसोर्स मैनुअल, बजट डिटेल, पुस्तकों की नई खेप सहित अन्य सेवाएं शामिल हैं।

इस वर्ष पुस्तकालय ने अपने संस्थागत भण्डारण को DSpace 1.5 से 5.5 तक बढ़ा दिया है। इस अवधि के दौरान ईटीडी भण्डारण में 676 आईआईटी थीसिस को आर्काइव किया गया है। आर्काइव की गई थीसिस की कुल संख्या 16300 तक पहुंच गई है।

एनएचएस का पुस्तकालय

इस इकाई ने केवल 1 पत्रिकाओं के सर्कुलेशन का कार्य ही नहीं किया बल्कि रिफरेंस एवं रेफरल से संबंधित प्रश्नों के हल भी खोजे। इस इकाई ने पुस्तकालय में स्थित फर्नीचर एवं फिटिंग का रख-रखाव एवं नवीनीकरण करने का कार्य किया। अवांछित एवं अनुपयोगी सामान को हटाया गया तथा पुस्तकालय में अतिरिक्त जगह बनाने के लिए इनको नष्ट किया गया। इस अवधि के दौरान पुस्तकालय में जल रिसाव की समस्या के लिए छत का नवीनीकरण एवं रखरखाव किया गया।

चैक आउट एण्ड पुस्तकों के नवीनीकरण की संख्या 68120, चैक इन ऑफ बुक्स की संख्या 29488। कुल 97608 पुस्तकों का लेन-देन हुआ (प्रतिदिन लगभग 271 पुस्तकों का लेन देन हुआ) इस दौरान लगभग 06 पुस्तकें खो गईं। इन खोई हुई पुस्तकों की कीमत के रूप में 18936 रुपये हैंडलिंग चार्ज के रूप में वसूला गया। वित्तीय वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने 1500 क्षतिग्रस्त/मल्टीलेटिड पुस्तकों को बाइंडिंग कराने का कार्य किया। वर्ष के दौरान लगभग 826 बाह्य आगंतुक विद्यार्थियों ने पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग किया।

एनएचएस का पुस्तकालय

पुस्तकालय ने अन्य सिस्टर इंस्टीट्यूशन के साथ संसाधन साझा करके अपने उपभोक्ताओं को डाक्यूमेंट डिलीवरी में मदद करने का कार्य किया है। इंटर लाइब्रेरी लोन इकाई रिफरेंस एण्ड इंटर लाइब्रेरी लोन फॅसिलिटी उपलब्ध कराती है। वर्ष के दौरान डाक्यूमेंट से संबंधित 74 अनुरोध को पूरा किया गया जबकि 104 डाक्यूमेंट अन्य पुस्तकालयों को भेजे गये।

एनएचएस का पुस्तकालय

पुस्तकालय ने 31.44 लाख रुपये मूल्य की कुल 533 पुस्तकें खरीदीं। यह

संख्या गत वर्ष खरीदी गई पुस्तकों की संख्या से कम है। हम सदस्यों द्वारा ऐसीपुस्तकों की सिफारिश करने के लिए प्रशंसा करते हैं जिनका संभवतः व्यापक स्तर पर प्रयोग किया गया। गत वर्ष हमने इस संबंध में अपील भी की थी। 363 पुस्तकें ऋण के रूप में प्राप्त हुईं। समस्त दानदाताओं तथा लेखकों जिन्होंने पुस्तकें दान की अथवा मानार्थ प्रति भिजवाईं उन सभी को धन्यवाद एवं प्रशंसा पत्र भेजे गये हैं।

विभिन्न विभागों द्वारा खरीदी गई पुस्तकों की सूची इस प्रकार से है।

विभाग / केन्द्र	पुस्तकों की संख्या
वांतरिक्ष अभियांत्रिकी	61
जैव विज्ञान एवं जैविक अभियांत्रिकी	04
सिविल अभियांत्रिकी	58
सेंटर फॉर लेजर एण्ड फोटोनिक्स	08
संज्ञानात्मक विज्ञान	08
रासायनिक अभियांत्रिकी	29
रसायन	34
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	07
लाइब्रेरी/डिस्क्रेन्सरी	2
डिजाइन प्रोग्राम	2
अर्थशास्त्र विज्ञान	16
विद्युत अभियांत्रिकी	35
पर्यावरणीय अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन	0
पृथ्वी विज्ञान	15
जेनेरलिया	4
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	59
औद्योगिक एवं प्रबंधन विभाग	16
गणित एवं सांख्यिकी	31
यांत्रिक अभियांत्रिकी	78
पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	2
पदार्थ विज्ञान	3
नाभकीय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी	0
भौतिकी	61

पुस्तकालय में आने वाली समस्त नई पुस्तकों की जानकारी ई-मेल लिंक के माध्यम से सभी उपभोक्ताओं को प्रेषित की जाती है।

एनएचएस का पुस्तकालय

पी के केलकर पुस्तकालय द्वारा वर्ष 2018 के दौरान 5234 पीरियाडिकल्स एवं 8 डेटाबेस खरीदे गये हैं। बाइंडिंग सहित अन्य संसाधनों पर सब्सक्राइबिंग का व्यय 14.09 करोड़ रुपये आया है।

e-Shodh Sindhu (Ess) कंसोर्टियम के माध्यम से e-resources की प्राप्ति। e-Shodh Sindhu का महत्वपूर्ण सदस्य होने के कारण पी के केलकर पुस्तकालय को विभिन्न प्रकाशकों/एग्रीगेटर्स से विविध विद्याओं में 5,000 से ज्यादा रिव्यूड जर्नल्स, बिब्लीोग्राफी, साइटेशन एवं अन्य फैंक्चुअल डेटाबेस की ऑनलाइन प्राप्ति हुई है।

निम्नलिखित ई-डेटाबेस/ई-रिसोर्सको भी प्राप्त किया जा सकता है।

पुस्तकालय द्वारा मंगाई गई पत्रिकाएं	eSS द्वारा समर्थित
1. अमेरिकन केमिकल सोसाइटी	1. एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी
2. कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस	2. अमेरिकी भौतिकी संस्थान
3. सेल प्रेस	3. अमेरिकन भौतिक सोसाइटी
4. विली	4. वार्षिक समीक्षा
5. Elsevier (Science Direct)	5. स्प्रिंगर
6. एमरल्ड ग्रुप पब्लिशिंग	6. एएससीई जर्नल ऑनलाइन
7. आईईईई / आईईटी	7. एएसएमई जर्नल ऑनलाइन
8. भौतिकी संस्थान	8. आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक
9. स्प्रिंगर-प्रकृति	9. प्रकृति
10. ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ अमेरिका	10. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
11. रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री	11. मैथरसोनेट
12. सियाम	12. JSTOR
13. टेलर और फ्रांसिस	13. परियोजना संग्रहालय
14. थॉमस टेलफोर्ड / आईसीई	14. वेबऑफ विज्ञान
15. SciFinder	15. आईएसआईडी डेटाबेस
16. स्कोपस	16. जे गेट फ्लस (जेसीसीसी)
17. एबको - व्यापार स्रोत पूर्ण "	
18. Indiatat	

संगणक केन्द्र द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर की शैक्षिक एवं परिसरवासियों की अभिकलनात्मक जटिलताओं एवं सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित जरूरतों को ध्यान में रखा जाता है। संगणक केन्द्र में हाई परफारमेंस कम्प्यूटिंग, लोकल एरिया नेटवर्क, 10000 से अधिक प्रयोक्ताओं के लिए ई-मेल, संगणक प्रयोगशालाएँ, विशिष्ट अनुसंधान तथा सामान्य उपयोग के लिए विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयरों की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

संगणक केन्द्र अपने प्रयोक्ताओं के लिए चौबीस घंटे खुला रहता है। इस केन्द्र के विभिन्न अनुभागों में उच्च क्षमता वाले कम्प्यूटर एवं सर्वर, विभिन्न परियोजनाओं के लिए समान्तर क्लस्टर, ऑफिस आटोमेशन तथा सॉफ्ट स्विच पर आधारित दूरभाष सेवाएँ उपलब्ध हैं। संगणक केन्द्र में यूपीएस तथा डीजल जनरेटर की सुविधा उपलब्ध है जो चौबीस घंटे निर्बाध बिजली की पूर्ति करते हैं।

संस्थान के संगणक केन्द्र में दो हाई परफारमेंस कम्प्यूटिंग सैटअप हैं जिन्हें नवम्बर 2010 तथा जून 2013 की रैकिंग में क्रमशः 369 एवं 130वाँ स्थान से नवाजा गया है। दूसरे क्रम के क्लस्टर में अतिरिक्त नॉड लगाये जाने के बाद जून 2014 की शीर्ष 500 की सूची में इसे 118वाँ स्थान प्राप्त

हुआ है। कुल मिलाकर इन सैट-अप में 1373 नॉड हैं।

पूरे संस्थान परिसर में लोकल एरिया नेटवर्क का जाल बिछाया गया है जिसमें बीस हजार से अधिक नॉड लगाये गये हैं। संस्थान में स्थित छात्रावासों के कमरों, कार्यालय, आवास वायर के साथ-साथ वायरलैस नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। इन स्थानों को विभिन्न इंटरनेट सर्विस के माध्यम से 04 जीबीपीएस कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है केन्द्र परिसर के अंदर सीमलैस वाय-फाइ कनेक्टिविटी के लिए सिंगल-साइन ऑन सुविधा तथा विश्व भर के संस्थानों में प्रतिभाग करने वाले सदस्यों के लिए इंडुरॉम सुविधा उपलब्ध कराता है।

संगणक केन्द्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं जिनमें लगभग 400 कम्प्यूटर हैं। प्रयोगशाला तथा कम्प्यूटर से जुड़ी आधुनिक संरचनाओं में सिमुलेशन, मॉडलिंग, डाटा मैनेजमेंट एवं प्रोसैसिंग, सीएडी/सीएएम, कम्प्यूटर ग्राफिक्स, वर्ड प्रोसैसिंग जैसे क्षेत्रों के सामान्य एवं विशेष सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। संस्थान के छात्रों एवं संकाय सदस्यों को उनके कम्प्यूटर में सॉफ्टवेयर की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय सर्वर पर कई साफ्टवेयर डाले गये हैं।

r d u h d h f k k f o d k 'd t s e

संस्थान में तकनीकी शिक्षा विकास केन्द्र की स्थापना की गई है जिसके माध्यम से पाठ्यक्रमों का विकास किया जाता है, संसाधनों की खोज की जाती है, सतत् शिक्षा कार्यक्रम के लिए एवं इंजीनियरी महाविद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाती है। यह केन्द्र शैक्षिक कार्य भवन के कक्ष सं. 303 में स्थित है।

तीन अलग-अलग प्रकोष्ठों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का संचालन होता है।

- ✦ गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (Quality Improvement Programme)
- ✦ पूरक शिक्षा प्रकोष्ठ (Continuing Education Cell)

उपर्युक्त तीनों प्रकोष्ठों के कार्यों का विवरण नीचे दिया जा रहा है:

1- 'x q k o u k l d k ' d k ' d e % मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 1971 में गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम की स्थापना हुई। आरंभ से ही गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत देश में तकनीकी शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास के लिए प्रयास किया जा रहा है तथा शिक्षण पाठ्यक्रमों का उन्नयन करना तथा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त इंजीनियरी महाविद्यालयों/ संस्थानों के शिक्षकों की योग्यता एवं क्षमता में वृद्धि करना इस कार्यक्रम की प्राथमिकता है। गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य शामिल हैं -

1/ d 1/ n i k / k n k u d j u k

परा-स्नातक पाठ्यक्रम (एमटेक): एमटेक पाठ्यक्रम के तहत अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग महाविद्यालयों/ संस्थानों द्वारा शिक्षकों को प्रायोजित किया जाता है। गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के संयोजकों की केन्द्रीय समिति द्वारा शिक्षकों का चयन करने के बाद संबंधित संस्थान के विभागाध्यक्ष द्वारा चुने हुए शिक्षकों के लिए प्रवेश-पत्र जारी किये जाते हैं। शिक्षकों को प्रायोजित करने वाली राज्य सरकार/ संस्थानों से आशा की जाती है कि वे इस अवधि में शिक्षकों को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त मानकर उन्हें सामान्य वेतन एवं अन्य भत्ते प्रदान करें। उपर्युक्त के अलावा भारत सरकार प्रत्येक

अभ्यर्थी को छात्रवृत्ति एवं आकस्मिक अनुदान प्रदान करती है। छात्रवृत्ति एवं आकस्मिक अनुदान की वर्तमान दरें निम्नलिखित हैं -

छात्रवृत्ति:	रु.4,000 प्रति माह (24 महीने)
आकस्मिक अनुदान:	रु.3,000 प्रति वर्ष

fo| k o k p l i f r ' i k B - O e ' 1/ 4 h p - M i 2/ 6 परा-स्नातक उपाधि धारक शिक्षक एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त राजकीय महाविद्यालयों/ इंजीनियरिंग संस्थानों द्वारा प्रायोजित शिक्षक इस पाठ्यक्रम के लिए पात्र हैं। गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत विद्या-वाचस्पति पाठ्यक्रम (पीएचडी) की अवधि तीन वर्ष है। छात्रवृत्ति एवं आकस्मिक अनुदान की वर्तमान दरें निम्नलिखित हैं -

अध्येयतावृत्ति:	रु.15,000 प्रति माह (तीन वर्ष के लिए)
आकस्मिक अनुदान:	रु.15,000 प्रति वर्ष

1/ 4 k / 2 | o k r ' f k k d k a d s f y , ' v Y i d k y h u ' c f k k k i k B - O e ' 1/ 4 w f [k y ' H k j r h ' r d u h d h f k k i f j " k n ' } k j k c k k s t r 1/ 2

सेवारत शिक्षकों के लिए अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम का एक अंग है। इंजीनियरी महाविद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की जरूरत के मुताबिक अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को तैयार किया गया है। वर्ष के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न अल्पकालीन पाठ्यक्रमों की घोषणा वर्ष में एक बार की जाती है। अल्पकालीन पाठ्यक्रमों के आयोजन की समय-सारणी नीचे दी जा रही है:

एक सप्ताह में समाप्त हो जाने वाला पाठ्यक्रम
दो सप्ताह में समाप्त हो जाने वाला पाठ्यक्रम

गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत अल्पकालीन पाठ्यक्रमों के आयोजन के लिए विभिन्न विषयों के संकायों से प्रति वर्ष दिसम्बर में प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं। इन प्रस्तावों को अनुमोदन के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के संयोजक के समक्ष रखा जाता है। इस स्कीम के तहत प्रति वर्ष लगभग 20 पाठ्यक्रमों के प्रस्तावों को मंजूरी मिलती है।

1/6 1/10&foUk k's'k v Yi d ky hu i kB- Øe`

संकाय सदस्यों को स्व-वित्तपोषण के आधार पर उद्योग के लिए अल्पकालिक पूरक शिक्षा पाठ्यक्रम चलाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। भा.प्रौ.सं. कानपुर अथवा किसी दूसरे स्थान पर संचालित होने वाले पाठ्यक्रम तथा भा.प्रौ.सं. कानपुर अथवा किसी दूसरे स्थान पर संचालित होने वाले उद्योग पोषित पाठ्यक्रम के सकल प्राप्ति का 15% हिस्सा तकनीकी शिक्षा विकास केन्द्र द्वारा लगाया जाता है। ऐसे सभी पाठ्यक्रमों के लिए प्रस्ताव निदेशक के अनुमोदन के लिए तकनीकी शिक्षा विकास केन्द्र में प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

इन पाठ्यक्रमों के अलावा तकनीकी शिक्षा विकास केन्द्र पूरे साल पाठ्यक्रमों/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठियाँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम की

गतिविधियों को भी मंजूरी देगा। हाल ही में तकनीकी शिक्षा विकास केन्द्र ने इंटर कॉलेज/इंजीनियरिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए Mookit के जरिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किया है।

वर्ष 2017-2018 के दौरान संपन्न विभिन्न गतिविधियों का संक्षेप-सार

1- 'xqloUkI qk' d k Øe 'e'ä k'fey 'gks'osky s'Nk=kæd h I h; k

- (क) एमटेक पाठ्यक्रम – 00
- (ख) विद्या-वाचस्पति (पीएचडी) पाठ्यक्रम – 01
- (ग) अल्पकालीन पाठ्यक्रम – 16
- (घ) स्व-वित्तपोषित अल्पकालीन पाठ्यक्रम – 25
- (ङ) कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठियाँ/ – 19

I t ukRed 'y \$ku', oãd K ku 'd tæ ekufodh, oã kékft d 'foKku 'foHkx

वर्ष 2017-18 के लिए डॉ. प्रशान्त बागड़ को सृजनात्मक लेखन एवं प्रकाशन केन्द्र का संयोजक नियुक्त किया गया था।

सृजनात्मक लेखन एवं प्रकाशन केन्द्र के तत्वावधान में दो अतिथि हस्तियों को आमंत्रित किया गया:-

1/4 1/2khi r kãk' k pUãk' श्री यशचन्द्रा दिनांक 7-8 मार्च 2018 को संस्थान में उपस्थित हुए। आप प्रसिद्ध गुजराती कवि एवं नाटककार हैं। आपको 1987 में आपके कविता संग्रह जटायु के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा इन्हें राष्ट्रीय कबीर सम्मान, कवि कुसुमगराज राष्ट्रीय पुरस्कार एवं पद्मश्री सम्मान से भी सम्मानित किया गया है। आपकी कविताओं एवं नाटकों का हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी, बंगाली, फ्रेन्च, जर्मन, रूसी तथा कोरियन भाषा सहित कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है। आप यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसेल्वेनिया, सॉरबान यूनिवर्सिटी, लोयला मैरीमाऊन्ट यूनिवर्सिटी तथा यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो सहित कई विश्वविद्यालयों में गुजराती, तुलनात्मक साहित्य एवं दक्षिण एशियाई अध्ययन के प्राध्यापक रहे हैं। आपको 1990 में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया गया था।

दिनांक 7 मार्च, 2018 को श्री सितांशु ने काव्य-पाठ सत्र में श्रोताओं को अपनी प्रसिद्ध कविताओं के अनूदित पाठ सुनाया।

दिनांक 8 मार्च, 2018 को श्री सितांशु ने "How it all begins? Some depictions of beginning in Indian literatures" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। आपने आदि कवि वाल्मीकी, आदि नाटककार आचार्य भारत, कवि-नाटककार कालीदास एवं अमृता प्रीतम जैसे

साहित्यकारों से संबंधित जानकारी दी तथा प्रश्नों का उत्तर दिया।

1/2 1/2khi judqk fy Eky श्री लिम्बाले को संस्थान में दिनांक 19 मार्च, 2018 को आमंत्रित किया गया। आप मराठी के प्रसिद्ध कवि एवं समालोचक हैं। आपकी आत्मकथा अकारमशी को मराठी साहित्य की सर्वश्रेष्ठ कृतियों में गिना जाता है। आपको 1985 में महाराष्ट्र राज्य सरकार के तरफ से सम्मानित किया गया था। आप अब तक 39 पुस्तकें लिख चुके हैं। आपकी मराठी रचनाओं का बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी एवं उर्दू सहित कई भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। आपको अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक उत्सवों जैसे मैलबर्न राइटर्स उत्सव, कनाडा आर्ट उत्सव तथा पलक्कड़ साहित्य उत्सव में आमंत्रित किया गया था। आपने दलित विमर्श पर भी काफी कुछ लिखा है। आपने दलित साहित्य के संदर्भ में साहित्य एवं संस्कृति की मुख्यधारा के विचारों की आलोचना की है। आप यशवंत राव चव्हाण मुक्त विश्वविद्यालय नासिक के स्कूल ऑफ ह्यूमेनेटीज एंड सोशल साइन्स विभाग में प्राध्यापक एवं निदेशक रहे हैं।

दिनांक 19 मार्च, 2018 को श्री लिम्बाले ने "Creative Writing and Writer's Commitment" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. लिम्बाले ने मराठी एवं भारतीय साहित्य के मुख्यधारा के प्रति अपने अनुभवों को साझा किया तथा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नवीन, वैकल्पिक साहित्यिक सौन्दर्यशास्त्र के बिना दलित साहित्य को उपयुक्त स्थान मिल सकता है।

दोनों कार्यक्रमों में लगभग 100 विद्यार्थी, स्टाफ एवं संकाय-सदस्य उपस्थित रहे।

e hM kVBUk k\$ hd tæ

मीडिया टेक्नोलोजी केन्द्रजीवन के प्रत्येक क्षेत्र में डिजिटल इंडिया की अवधारणा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। केन्द्र का उद्देश्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के संकाय-सदस्यों एवं विद्यार्थियोंकी सृजनात्मकता प्रदर्शित करने के लिए उन्हें एक सार्थक मंच प्रदान करना है।

, ui hVbZy

एनपीटीईएल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सात आईआईटी एवं आईएससी बंगलौर का एक संयुक्त उपक्रम है। फेज I 117 विडियो एवं 126 वेब आधारित पाठ्यक्रम बनाये गये हैं और फेज II एवं फेज III के अंत तक लगभग 600 पाठ्यक्रमों को तैयार करने की योजना बनाई गई है। इन 600 पाठ्यक्रमों में से 121 पाठ्यक्रमों को भारतीय प्रौद्योगिकी

संस्थान कानपुर के संकाय सदस्यों द्वारा तैयार किया जा रहा है और इन्हें एनपीटीईएल के पोर्टल में पोस्ट किया जा रहा है।

MOOCs & d E g b' & d hV/fØ, 'ku'd fy, 'l hV'y 'l hV' Ld h e 1/4 u i hVbZ y Q\$ IV)

सीएसएस-एमओओसीएस परियोजना का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता एवं पहुँच में सुधार करते हुए वैश्विक बाजार के लिए भारत के उद्योग जगत की प्रतिस्पर्धी क्षमता को आगे बढ़ाना है। कार्यान्वयन की दृष्टि से सीएसएस-एमओओसीएस परियोजना का उद्देश्य देश के विभिन्न संस्थानों के छात्रों के लिए उच्च स्तर की अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना है। भारत में पूर्व-स्नातक एवं परा-स्नातक पाठ्यक्रम संचालित करने

वाले संस्थानों के छात्र एवं संकाय सदस्य इस परियोजना के मुख्य केन्द्र-बिन्दु हैं।

वर्ष 2014 से भाप्रौस कानपुर ने इंजीनियरिंग कॉलेजों की माँग के अनुसार 220 MOOCs पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। एनपीटीईएल फेज IV पहल के एक भाग के रूप में हमने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा इंजीनियरिंग कॉलेजों में एनपीटीईएल लोकल चैप्टर की अवधारणा का विकास किया है। वर्तमान में 1800 से अधिक लोकल चैप्टर हैं और इन संस्थानों के विशेषज्ञ संकाय अपनी देख-रेख में एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों को पढ़ा रहे हैं। सितम्बर 2017 से उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू, राजस्थान तथा कर्नाटक में 14 कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है।

इन कार्यशालाओं का उद्देश्य भाप्रौस कानपुर एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एनपीटीईएल प्लेटफॉर्म के बारे में जागरूकता फैलाना, विशेषज्ञों द्वारा पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु की कठिन अवधारणाओं की व्याख्या करना तथा योग्य शिक्षण स्टाफ की कमी वाले अधिक से अधिक संस्थानों को लोकल चैप्टर बनने के लिए आमंत्रित करना एवं इस प्लेटफॉर्म का अर्थपूर्ण रूप से उपयोग करना है।

अगली जुलाई में भाप्रौस कानपुर 42 पाठ्यक्रम तैयार करने जा रहा है जिसमें 22 नये पाठ्यक्रम हैं तथा 20 पाठ्यक्रमों का दुहराव हुआ है।

पिछले सेमेस्टर में आईआईटी कानपुर NPTEL चैप्टर ने अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 273 संबद्ध कॉलेजों के 45000 से अधिक बीटेक विद्यार्थियों के लिए "नॉन कन्वेंशनल एनर्जी रिसोर्सस" नामक पाठ्यक्रम तैयार किया था। उत्तर प्रदेश के उच्चतर प्रौद्योगिकी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए यह कार्य आरंभ किया गया था।

गेट परीक्षा की तैयारी के लिए पाठ्यक्रम की सामग्री का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा पाठ्यक्रम लेने वाले छात्रों को संकाय सदस्यों के साथ इन्टर्न करने का अवसर मिल रहा है। विभिन्न संस्थानों (भा.प्रौ.सं. मद्रास, कलसलिंगम विवि, मेदनापल्ली संस्थान, सेन्च्युरिएन विवि) ने क्रेडिट ट्रान्सफर के लिए इन पाठ्यक्रमों का उपयोग किया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 32 डायरेक्ट-टू-होम चैनल शुरू किए हैं जो स्वयंप्रभा पहल के तहत छह भा.प्रौ. संस्थानों सहित देश के शीर्षस्थ संस्थानों से क्लासरूम व्याख्यानों का सीधा प्रसारण करेंगे।

डीटीएच चैनल 16 और 17, स्वयंप्रभा, आईआईटी कानपुर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उन्नत पाठ्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान देना तथा उन्हें शिक्षित करना है। इसके अन्तर्गत वर्चुएल क्लास रूम के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है तथा छात्र स्वयं प्रभा पोर्टल से अपने विषय से संबंधित जानकारी एकत्र कर सकते हैं। चैनल 16 द्वारा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रम तथा चैनल 17 द्वारा यांत्रिक अभियांत्रिकी के पाठ्यक्रम उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

स्वयं प्रभा चैनलों द्वारा नये शैक्षिक क्षेत्र सामने लाये गये हैं तथा इन चैनलों द्वारा विद्यार्थियों को उन्नत शिक्षण प्रणाली से परिचित कराया गया है। ये चैनल पूर्व-स्नातक एवं परास्नातक छात्रों के लिए पाठ्यक्रम तैयार कर रहे हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में स्वयं पोर्टल द्वारा कुल तीन महीने पाठ्यक्रमों का प्रसारण किया गया था। इसके अलावा चैनल 16 द्वारा 20 दिनों तक तथा चैनल 17 द्वारा 6 महीने तक नये पाठ्यक्रमों का भी प्रसारण किया गया है। नवम्बर 2017 से अबतक हमने शैक्षिक सलाहकार समिति की दो बैठकों का आयोजन किया है। बैठक में नये पाठ्यक्रमों के रूपांतरण तथा मौजूदा पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन पर चर्चा की गई। हमने संबंधित क्षेत्रों में नये पाठ्यक्रमों को जोड़ने से संबंधित विषयों पर अन्य संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं।

चैनल 16 ने 26 नये पाठ्यक्रमों का प्रसारण किया है जिसमें 8 पाठ्यक्रम स्वयं प्रभा पोर्टल में पहले से ही प्रसारित हो रहे हैं। चैनल 17 ने 05 नये पाठ्यक्रमों का प्रसारण किया है जिसमें 3 पाठ्यक्रम स्वयं प्रभा पोर्टल में पहले से ही प्रसारित हो रहे हैं। ऑनलाइन पोर्टल न केवल विद्यार्थियों के लिए फायदेमंद है बल्कि कॉलेज के प्राध्यापकों के लिए भी लाभकारी है।

आईआईटी सामुदायिक रेडियो केन्द्र परिसरवासियों एवं आस-पास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। इस केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य परिसरवासियों तथा आस-पास के लोगों तक आवश्यक जानकारी पहुँचाना एवं विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण करना है। इस केन्द्र से लोक कला, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, शैक्षिक पाठ्यक्रमों, कृषि संबंधी जानकारी का प्रसारण होता है।

वर्ष 2018-19 के दौरान परिसरवासियों तथा आस-पास रहने वाले लोगों की माँग पर संगीत कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। एक विशेष कार्यक्रम रूबरू का प्रसारण किया गया जिसमें संस्थान के संकाय-सदस्यों के साक्षात्कार प्रस्तुत किये गये। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी रेडियो जाँकी कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिससे लोगों को रेडियो की गतिविधियों को समझने में मदद मिलेगी। रेडियो केन्द्र का मुख्य उद्देश्य श्रोताओं के मन-मस्तिष्क में रेडियो की प्रति रुचि उत्पन्न करना तथा उन्हें समुदाय के प्रति जागरूक करना है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने MOOCs प्लेटफॉर्म स्वयं (SWAYAM)का उपयोग करके 1.5 मिलियन उच्च शिक्षा के फ़ैकल्टियों के लिए ऑनलाइन प्रोफेशनल डेवलपमेंट के रूप में एक अद्वितीय कार्यक्रम आरंभ किया है। पहले चरण में 75 विषय विशेष राष्ट्रीय संसाधन केन्द्रों की पहचान करके उन्हें ऑनलाइन प्रशिक्षण सामग्री तैयार करने का लक्ष्य दिया गया है। इन प्रशिक्षण सामग्री को तैयार करने में विषय से जुड़ी अद्यतन जानकारी, नवीन प्रवृत्ति, शैक्षिक विकास तथा संशोधित पाठ्यक्रम के संपादन के लिए कार्य-प्रणालियों का ध्यान रखा जाएगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विषय का पाठ्यक्रम तैयार करेगा।

मंत्रालय से अब तक निधि जारी नहीं की गई है।

मंत्रालय से अब तक निधि जारी नहीं की गई है।

संप्रेषण अभिकल्प के छात्र अपने ज्ञानवर्धन के लिए अभिकल्प केन्द्र के संसाधनों का उपयोग करते हैं। ये छात्र सामाजिक अभियानों, वृत्तचित्रों, रेडियो जिगलों तथा विभिन्न वेब एप्लीकेशनों को सामने लाते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। इसके अलावा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के लेवल 1 एवं 2 पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी विडियो पर कार्य करने के लिए इन संसाधनों का उपयोग करते हैं।

हमने अपने कार्यक्रमों को शूट करने के लिए मल्टी कैमरों का प्रयोग किया है। यह तीन कैमरों वाला सेट है जो समान्तर रूप से कई दृश्यों को रिकार्ड करता है। सामान्यतः दो बाह्य कैमरे किसी भी समय सेट पर क्लोज शॉट को शूट कर सकते हैं जबकि केन्द्रीय कैमरा समग्र एक्शन को कैप्चर करने के लिए वाइडर मास्टर शॉट को शूट करता है। इस प्रकार से एक्शन को शुरू एवं बंद किए बिना ही मल्टी शॉट को एक बार में लिया जा सकता है। प्रोडक्शन फ्लोर के कैमरे से लिये गए संजीव ऑडियो एवं वीडियो प्रोडक्शन कंट्रोल रूम में भेजे जाते हैं जो डीवी रिकार्डर पर वीडियो स्विचर एवं ऑडियो मिक्सचर एवं एचडी रिकार्डर के माध्यम से ऑरिजनल, हाई क्वालिटी पर मल्टीपल फुटेज की मिक्सिंग एवं स्विचिंग सुनिश्चित करती है। डिजिटल वीडियो एवं आडियो रिकार्डर के माध्यम से

डिजिटल टेप हार्ड डिस्क में लाई जाती है। वाइड रेंज के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके कम्प्यूटर द्वारा इसका संपादन कार्य किया जाता है। टेप टू टेप संपादन के लाइनर तरीके की तुलना में नॉन लाइनर संपादन, फिल्म संपादन में शिथिलता प्रदान करता है। नॉन लाइनर संपादन प्लेटफॉर्म कई विकल्प प्रदान करता है तथा वीडियो क्लिप, ऑडियो ट्रैक, ग्रैफिक्स तथा प्रजेन्टेबल पैकेज में अन्य सामग्री को एकत्रित करने के लिए प्रभावित करता है। जब एक बार यह प्रक्रिया पूरी हो जाती है तो संपादित फुटेज को फिर से रिकार्ड या डिस्क किया जाता है तथा फिर उसे ग्राहक

के पास भेजा जाता है। एनपीटीईएलके तत्वावधान में निर्मित व्याख्यानों की रिकॉर्डिंग अब संस्थान के विद्यार्थियों के लाभ को ध्यान में रखते हुए स्ट्रीमिंग स्वरूप में तैयार की जा रही है।

टीम के सदस्यों का सहयोग एवं उनके द्वारा किये गये समकालिक कार्य नए आयामों में शिक्षा उपलब्ध कराने तथा उनसे जुड़े हुए उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में हमारे लिए एक प्रेरणा का कार्य करते हैं।

विश्वविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र

संस्थान का स्थापना

वर्ष 2017-18 के दौरान 6 डिजाइन पेटेंट सहित कुल 53 भारतीय पेटेंट दर्ज किये गये हैं तथा पूर्व में दर्ज किये गये 22 पेटेंट को अनुदान मिल चुका है।

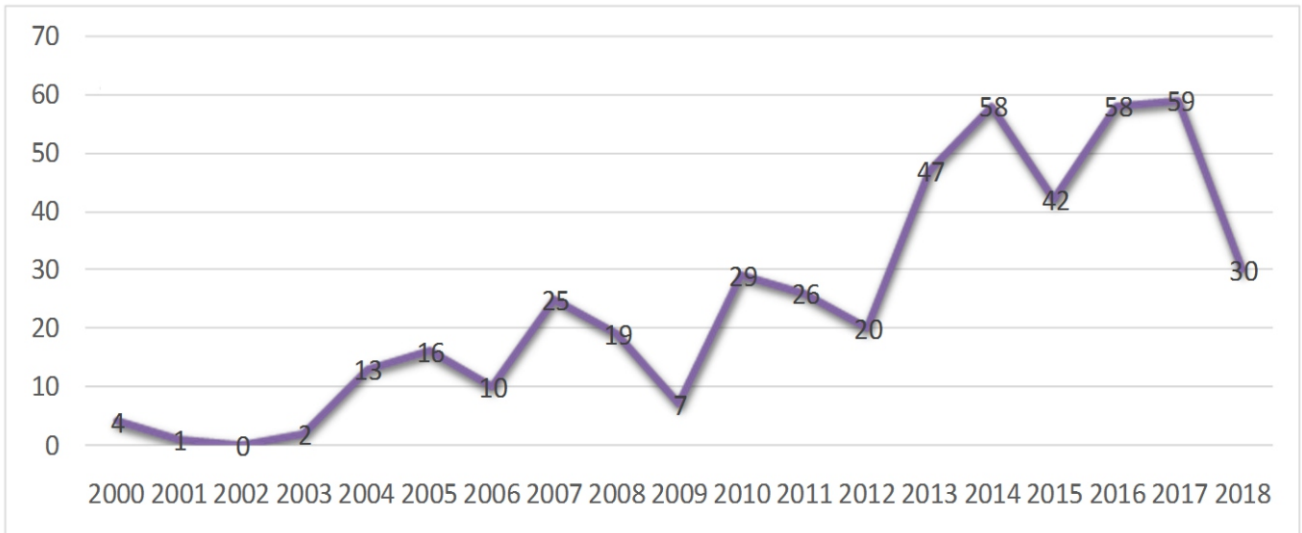
वर्तमान में 470 पेटेंट दर्ज किये जा चुके हैं जिसमें अब तक 96 पेटेंटों को अनुदान प्राप्त हो चुका है। कुल मिलाकर 56 तकनीकों को लाइसेंस मिल चुका है।

संस्थान के प्रतीक चिह्न (लोगो) को ट्रेडमार्क कार्यालय से सत्यापित करा लिया गया है।

संस्थान का स्थापना

संस्थान में एनआरडीसी के सहयोग से इनोवेशन फैसिलीटेशन सेन्टर की स्थापना की गई है।

इस सेन्टर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य



आईपीआर की दर्ज संख्या में वृद्धि करना है तथा अन्य लाभार्थियों को बौद्धिक संपदा से संबंधित जरूरतों के बेहतर प्रबंधन के लिए आईपी टूल्स एवं तकनीकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना है।

इनोवेशन फैसिलीटेशन सेन्टर के अंतर्गत आउटरीच कार्यक्रम

संस्थान अपनी आउटरीच गतिविधियों तथा हाल ही में स्थापित किये गये इनोवेशन फैसिलीटेशन सेन्टर के तहत परिसर के अंदर एवं बाहर आईपीआर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है।

संस्थान का स्थापना



, e, l, ebZdš g; kš i š kbZhv kj i šukj 'dkv k kš u



bZVh h, oà jš h u i š v kQI 'dš g; kš i š kbZhv kj i šukj 'dkv k kš u



SATI, fofn' kš 'e-ç-'eš šukj 'dkv k kš u v kbZ kbZhd kui jš eš šukj 'dkv k kš u



GLA, eš kš eš šukj 'dkv k kš u , ekvhi; tš ol žh 'y [kuÅ 'eš šukj 'dkv k kš u

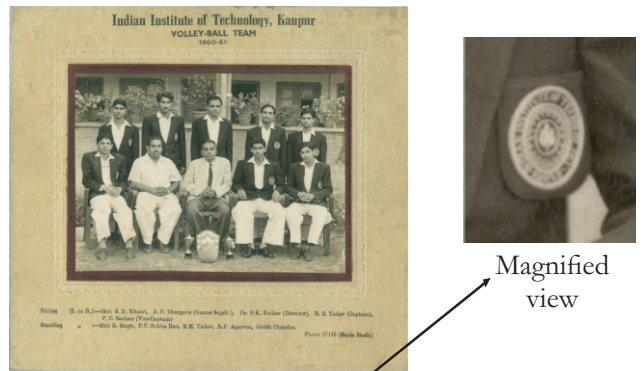
1 मांक	कायी म का शीर्षक	स्थान	भतिभाग	दिनांक एवं समय	शीर्षक
1.	आ पीआर के संरक्षण हेतु जागरूकता एवं प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण	SATI, आडीटोरियम, विदिशा, म.प्र.	SATI के छात्र एवं संकाय-सदस्य (लगभग 200 प्रतिभागी)	8 सितम्बर, 2017	आ पीआर के संरक्षण हेतु जागरूकता एवं प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण
2	आ पीआर के मा यम से कृषि क्षेत्र में इनोवेशन को बढ़ावा देना एवं संरक्षण करना	बीबीएयू, लखनऊ	बीबीएयू के छात्र एवं संकाय-सदस्य (100 प्रतिभागी)	31 अगस्त, 2017	आ पीआर के मा यम से कृषि क्षेत्र में इनोवेशन को बढ़ावा देना एवं संरक्षण करना
3	षि क्षेत्र में इनोवेशन को बढ़ावा देना	सीएसएयूएटी, कानपुर	सीएसएयूएटी के छात्र एवं संकाय-सदस्य (80 प्रतिभागी)	17 अगस्त, 2017	PPVFRA एप्लीकेशन फाइलिंग, कृषि पर आधारित इनोवेशन की सफलता का कहानी
4	पेटेन्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम	आउटरीच आडीटोरियम, आईआईटी कानपुर	सभी संकाय-सदस्य, ई-सैल के संयोजक, उदीयमान उद्यमी, इन्क्यूबेशन सेन्टर के प्रबंधक अथवा सीईओ, एक्सीलेटर मैनेजर, उद्योग जगत से जुड़े लोग तथा ईपीओ के संयोजक (100 प्रतिभागी)	03.02.2018, प्रातः 9.30 से	आ पीआर के मूल तत्व, विदेशी पेटेन्ट की फाइलिंग, ईपीओ उपकरण, पेटेन्ट दर्ज करने की विधि, भारत के शैक्षिक एवं उद्योग जगत के आईपी प्रोफेशनलों के लिए ज्ञापितग के तकनीकी पक्ष पर विचार-विमर्श
5	इनोवेशन भवंान में बौद्धिक संपदा का महत्व	आ एम बिऱ्ळडग सेमिनार हॉल, आईआईटी कानपुर	MSMEs, PHD-KAS चैम्बर के संयोजक, स्थानीय उद्योग संकुल, शिल्पकार, स्टार्टअप एवं शिक्षाविद् (50 प्रतिभागी)	16.2.2018, 3.00 शाम	बौद्धिक संपदा, इनोवेशन की रणनीति तथा बिजनेस नीति की उत्पत्ति, सुरक्षा एवं प्रभावी प्रबंधन की सर्वश्रेष्ठ प्रणाली को अंगीकार करने में सहायक
6	बायो-उद्यमियों के लिए बूट कैम्प	आउटरीच ऑडीटोरियम, आईआईटी कानपुर	संकाय सदस्य, बीसीआईएल के प्रतिनिधी, स्टार्टअप एवं शिक्षाविद् (150 प्रतिभागी)	23.3.2018 एवं 24.3.2018 10.00 बजे सुबह	बायो-उद्यमिता में उत्पाद विकास, बिजनेस नीति को मान्यता, बिजनेस मॉडल तथा संक्षिप्त विवरण

v kbZ kbZhd ŷ ks ksl hv& kd Zkby x

किसी भी संगठन अथवा निजी कंपनी की पहचान उसका ट्रेडमार्क होता है, अतः ट्रेडमार्क को पंजीकृत कराने का काम आवश्यक हो जाता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर का लोगो पिछले कई दशकों से अस्तित्व में है किन्तु अभी तक लोगो का ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया है। सिडबी इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेन्टर में दिनांक 8 मई 2017 को आयोजित बौद्धिक संपदा मूल्यांकन बैठक में इस विषय पर चर्चा की गई थी। बैठक में लोगो का अतिशीघ्र पंजीकरण कराने का निर्णय लिया गया था।



चूँकि प्राप्त छायाचित्र में वर्ष 1960-61 अंकित था, अतः सभी दृष्टि से इसी वर्ष को आईआईटी कानपुर के लोगो शुभारंभ वर्ष माना गया है। अंकित था



संस्थान की ओर से दिनांक 23 मई, 2017 को ट्रेडमार्क के लिए आवेदन किया गया था। संस्थान में लोगो का व्यापक स्तर पर प्रयोग के मद्देनजर अन्य 7 अलग-अलग वर्ग निर्धारित किये थे।

कुलसचिव कार्यालय एवं संस्थान अभिलेखागार इकाई की मदद से आईआईटी कानपुर के लोगो (प्रतीक चिह्न) के इतिहास के बारे में पता लगाने का प्रयास किया गया। अभिलेखागार इकाई में खोजबीन के दौरान संस्थान के वॉलीबाल टीम का सामूहिक छायाचित्र प्राप्त हुआ जिसमें संस्थान के प्रथम निदेशक प्रो. पी के केलकर भी दिखाई पड़े। छायाचित्र में सभी खिलाड़ियों के ब्लेजर में आईआईटी कानपुर का लोगो पाया गया।

buD; w&ku
वर्ष 2017-18 में सिडबी इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेन्टर में कुल 44 कंपनियों को इनक्यूबेट कंपनियों की श्रेणी में रखा गया है।

BIRAC ने वित्तीय वर्ष 2017-18 में बायो-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उद्यमियों तथा स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें फंड उपलब्ध कराया है।

1/2 1/2k kSukg kS hbXuh ku x kV

जुलाई 2017 में सिडबी इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेन्टर को BIRAC के मुख्य कार्यक्रम के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग के 6वें BIG पार्टनर के रूप में चुना गया है। उद्यमियों के विचारों को मूर्त रूप देने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से BIRAC यह कार्यक्रम संचालित करता है। सिडबी इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेन्टर का बायोइन्क्यूबेटर फंड के वितरण का कार्य करता है। कोई भी उद्यमी व्यक्तिगत तौर पर अथवा स्टार्टअप इसके लिए आवेदन कर सकता है। जनवरी तथा जुलाई में प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं। रु. 50 लाख तक का अनुदान उपलब्ध कराया जाता है।

1/4 kVck kSD; wbf uj pQx v kVfS; j

बायोइन्क्यूबेटर के तहत सिडबी इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेन्टर को नवम्बर 2017 में अपनी सुविधायें बढ़ाने तथा 'इन हाऊस मेड टेक सेन्टर' स्थापित करने के लिए सहायता अनुदान दिया गया था। बायोइन्क्यूबेटर इस फंड से संगोष्ठी, प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करता है।

1x 1/2 LVasy v kVfS; j ; mbfj ckt b Nyi e' QW

अक्टूबर 2017 में सिडबी इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेन्टर को यह अनुदान दिया गया था। यह BIRAC की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसके तहत बायो-स्टार्टअप को वित्तीय मदद दी जाती है। इसके अन्तर्गत स्टार्टअप को रु 30 लाख की पूंजी उपलब्ध कराई जाती है।

o"K2017& 8e& gk r kçkr m fer k@LVK/ i dhI ph

क्रम सं.	कार्यक्रम जिसके लिए फंड दिया गया	फंड का प्रकार	उद्यमिता की संख्या	स्वीकृत धनराशि
1	NIDHI EIR	अध्येतावृत्ति अनुदान	05	13.20 लाख
2.	NIDHI PRAYAS	प्रोटोटाइप अनुदान	09	76.64 लाख
3.	INVENT	सोशल इन्टप्राइज	17	432.00

v kbfj d 'f kd k r 'l fefr

आंतरिक शिकायत समिति, आईआईटी कानपुर कार्यालय आदेश सं. निदे/आईआईटीकान./2016/काआ-04 द्वारा गठित की गई है। यह समिति महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण (प्रतिषेध एवं प्रतितोषण) अधिनियम, 2013 तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (विद्यार्थियों का लैंगिक उत्पीड़न का प्रतिषेध, प्रतितोषण एवं निवारण) नियम, 2017 के अधीन लैंगिक उत्पीड़न के मामलों की जाँच करती है।

1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 की समयावधि में संस्थान आंतरिक

e fgy kçd kS'

संस्थान में महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया है जो विशेष रूप से लैंगिक उत्पीड़न तथा सामान्य रूप से लैंगिक न्याय से संबंधित मामलों का निष्पादन करता है। प्रकोष्ठ की स्थापना का उद्देश्य लैंगिक मामलों के प्रति संस्थान परिसरवासियों को संवेदनशील बनाना तथा पीड़ित महिलाओं को मौजूदा कानूनों एवं उपायों से परिचित कराना है। महिला प्रकोष्ठ लैंगिक भेदभाव से रहित वातावरण के निर्माण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहता है। इस दिशा में प्रकोष्ठ ने निम्नलिखित कार्य किये हैं –

(क) प्रकोष्ठ द्वारा एक वेबसाइट <http://www.iitk.ac.in/wc/> तैयार की गई है जिसमें लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित अधिनियम एवं अन्य संबंधित दस्तावेजों की लिंक उपलब्ध है।

I Qy ç; kS u

buD; wbfj

इंडिया स्मार्ट ग्रिड फोरम ने सिडबी इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन सेन्टर को आईएसजीएफ इनोवेशन अवार्ड 2018 से सम्मानित किया है। सेन्टर को यह पुरस्कार pf स्मार्ट इनक्यूबेटर श्रेणी के अन्तर्गत मिला है। आईएसजीएफ भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय का एक उपक्रम है जो भारत के ऊर्जा क्षेत्र में स्मार्ट ग्रिड टेक्नोलॉजी के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने 23 मई 2017 को अपने प्रतीक चिह्न (लोगो) के ट्रेडमार्क पंजीकरण के लिए आवेदन जमा किया है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर को मैलिंग प्वाइंट 2020 इनोवेशन अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। PROMORPH SOLUTION नामक स्टार्टअप ने झारखंड के गिरीडीह जिले में सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्होंने इस कार्य के लिए दिशा नामक मोबाइल एप तथा वेब एप्लीकेशन तैयार किया है। इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की जा रही है। वर्तमान में यह कंपनी 1300 विद्यालयों के लिए कार्य कर रही है।

इसके अलावा डेलमास रिसर्च, कानपुर फ्लावर प्रॉ. लि. तथा आरव अनमैन्ड सिस्टम जैसे स्टार्टअप अपना लोहा मनवा रहे हैं।

दिनांक 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 तक की समयावधि में दर्ज किये गये पेटेन्ट

- ✧ दर्ज किये गये पेटेन्ट – 53
- ✧ स्वीकृत पेटेन्ट – 22
- ✧ पेटेन्ट जिसके लिये लाइसेंस जारी किया गया – 01
- ✧ नये स्टार्टअप – 44

शिकायत समिति को 10 शिकायतें प्राप्त हुईं। दो शिकायतकर्ताओं ने विभिन्न कारणों से अपनी शिकायत वापिस ले ली तथा किसी एक मामले में हमलावर की पहचान न होने के कारण मामले को बंद कर दिया गया। एक मामले में कदाचार होना नहीं पाया गया तथा दो शिकायतें आधारहीन पाई गईं। चार मामलों में कार्रवाई करने की सिफारिश की गई है। आंतरिक शिकायत समिति अपने अधिकार क्षेत्र में दो सेमेस्टर के निलम्बन से लेकर सामूहिक ग्रेड घटाने की सिफारिश करती है। संस्थान प्रशासन समिति की सिफारिश पर कार्रवाई करता है।

(ख) संस्थान ने एक परामर्श विशेषज्ञ नियुक्त किया है। लैंगिक उत्पीड़न से ग्रसित महिला, शिकायतकर्ता के रूप में अथवा कोई भी व्यक्ति प्रतिवादी के रूप में परामर्श विशेषज्ञ से परामर्श ले सकता है।

(ग) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर की सीनेट ने जुलाई 2017 को लैंगिक उत्पीड़न प्रतिषेध, प्रतितोषण एवं निवारण विषय पर विशेष रूप से छात्रों से संबंधित एक नीतिगत दस्तावेज को अंगीकार किया है। यह दस्तावेज <http://www.iitk.ac.in/wc/internal-complaints-committee/iitk-guidelines.pdf> पर उपलब्ध है। इस

दस्तावेज में महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण (प्रतिषेध एवं प्रतिरोषण) अधिनियम, 2013 को लागू किये जाने हेतु दिशा-निर्देश दिये गये हैं।

- (घ) हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पोस्टर बनाये गये हैं। इन पोस्टरों में लैंगिक उत्पीड़न के दायरे में आने वाले अवांछनीय कृत्यों की संक्षिप्त सूची दी गई है तथा इनमें हेल्पलाइन नंबर दिये गये हैं। "नियोक्ता के कर्तव्य" के तहत निर्दिष्ट अधिनियम के आदेशानुसार प्रमुख स्थानों पर ये पोस्टर चस्पा किये गये हैं।
- (ङ) संस्थान की छात्राओं तथा महिला कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न मामलों जैसे – महिला प्रसाधन की कमी, सुरक्षा जवानों द्वारा दुर्व्यवहार की घटना आदि को समय-समय पर संस्थान प्रशासन के संत्राण में लाया जाता है।

निष्कर्ष

- (i) महिला प्रकोष्ठ द्वारा जुलाई 2017 में संस्थान के परास्नातक पाठ्यक्रम की छात्राओं का सर्वेक्षण कराकर उनसे लैंगिक उत्पीड़न एवं लैंगिक भेदभाव के विषय में पूछा गया।
- (ii) नव प्रवेश पूर्वस्नातक एवं परास्नातक छात्राओं के लिए जुलाई एवं दिसम्बर 2017 को महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण (प्रतिषेध एवं प्रतिरोषण) अधिनियम, 2013 विषय पर अनुकूलन सत्रों (वतपमदजंजपवद मेपवद) का आयोजन किया गया। इसके अलावा, नव प्रवेश छात्राओं में

लैंगिक उत्पीड़न एवं लैंगिक भेदभाव के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विशेष जागरूकता सत्रों का भी आयोजन किया गया।

- (iii) संस्थान की महिला कर्मचारियों को अधिनियम के प्रति जागरूक करने तथा उनकी समस्याओं के बारे में पता लगाने के लिए नवम्बर 2017 को ओपन हाउस का आयोजन किया गया।
- (iv) संस्थान की नवनि्युक्त महिला फैकल्टियों के लिए फरवरी 2018 में महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण (प्रतिषेध एवं प्रतिरोषण) अधिनियम, 2013 विषय पर अनुकूलन सत्र का आयोजन किया गया।
- (v) समस्त परिसरवासियों के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन:-
- मार्च 2018 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 5 किमी की दौड़ तथा 5 किमी की पैदलचाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का थीम "Don't be a Bystander, Stand against Sexual Harassment" रहा।
 - मार्च 2018 को "Gender and Law in Contemporary India" E-Exploring Some Critical Issues" विषय पर प्रसिद्ध विधि विशेषज्ञ सुश्री फ्लेविया एग्नेस के व्याख्यान सत्रों का आयोजन हुआ।

संस्थान में लैंगिक उत्पीड़न निवारण (प्रतिषेध एवं प्रतिरोषण) अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत कार्यवाही

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग प्रकोष्ठ में संपर्क अधिकारी के रूप में प्रो. कमल पोद्दार (वांतरिक्ष अभियांत्रिकी) [01 जुलाई 2015 से प्रभावी] तथा सदस्य के रूप में श्री आर आर दोहरे, सहायक कुलसचिव, भर्ती अनुभाग कार्यरत हैं। प्रो. कमल पोद्दार, दूरभाष सं. 259-7843/7293 पर उपलब्ध रहते हैं जब कि श्री आर आर दोहरे संकाय भवन के कमरा सं. 224, द्वितीय तल, संकाय भवन, दूरभाष सं. 2597391 पर उपलब्ध रहते हैं।

संस्थान में लैंगिक उत्पीड़न निवारण (प्रतिषेध एवं प्रतिरोषण) अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत कार्यवाही

इस संस्थान में सीधी भर्ती के माध्यम से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के कार्यान्वयन की प्रभावी तिथि 5 सितम्बर 1974 है तथा अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग के आरक्षण नीतियों का कार्यान्वयन क्रमशः 1995 एवं 1996 से लागू हुआ है।

संस्थान में लैंगिक उत्पीड़न निवारण (प्रतिषेध एवं प्रतिरोषण) अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत कार्यवाही

संस्थान के संचालक मण्डल द्वारा 27 जुलाई 1995 की अपनी बैठक में गुप ए तथा बी पदों (मुख्य पदों के अतिरिक्त) रोस्टर पर आधारित 120 प्वाइंट के अनुरक्षण (अजा-20, अजजा-09, अपिव-31) तथा सी और डी पदों के लिए रोस्टर आधारित 100 प्वाइंट (अजा-21, अजजा-01, अ.पि.व-27) का अनुमोदन किया गया था जो संस्थान में सीधी भर्ती पर लागू होता है।

सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक बेंच द्वारा पारित निर्णय के आधार पर भारत सरकार के कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग द्वारा दिनांक 2 जुलाई, 1997 को जारी कार्यालय ज्ञापन सं. 36012/2/96-स्थापना द्वारा सीधी भर्ती में कर्मचारियों की विविध श्रेणियों के लिए रिक्तियों पर आधारित रोस्टर को पदों पर आधारित रोस्टर में संशोधित कर दिया गया है। बोर्ड ने 5 सितम्बर, 1997 को आयोजित 1997/5 वीं बैठक में पद पर आधारित रोस्टर की व्यवस्था का अनुमोदन कर दिया है।

इसके अतिरिक्त, संस्थान के संचालक मण्डल ने (मई 2004 को आयोजित अपनी बैठक, देखें मद सं. 2004-2-13) में तकनीकी तथा गैर-तकनीकी पदों हेतु पृथक समूहों एवं आरक्षण के उद्देश्य से कर्मचारियों के समूह बनाने के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श कर अपनी सहमति प्रदान कर दी थी। प्रस्ताव निम्नवत था – गुप-ए, बी, सी तथा डी के तहत तकनीकी तथा गैर-तकनीकी पदों हेतु अलग से गुप बनाया जाएगा, हालांकि गुप डी के

तहत एक अलग गुप होगा। इस संवितरण के तहत कुल 7 गुप हैं तथा इन गुप/समूहों के तहत अजा/अजजा/अपिव एवं दिव्यांग को हर एक पद हेतु पर्याप्त अवसर प्रदान किये जाएंगे। यह प्रस्ताव इस संदर्भ में अनुमोदित किया गया कि पदों का समूह इस संस्थान में अजा/अजजा/अ.पि.व. एवं दिव्यांग हेतु पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्राप्त करने के उद्देश्य से और भी अधिक अधिकार प्रदान करता है।

इस समय संस्थान में Modified Assured Career Progression Scheme लागू है।

संस्थान में लैंगिक उत्पीड़न निवारण (प्रतिषेध एवं प्रतिरोषण) अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत कार्यवाही

- ✳ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के कर्मचारियों, जो शैक्षणिक रूप से योग्य हैं, को अधिकतम 50 वर्ष की आयु तक देश भर के आईआईटी सिस्टम के तहत सीधी भर्ती के लिए बुलाया जा सकता है। अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांग तथा भूतपूर्व सैनिकों के लिए अधिकतम आयु सीमा में छूट भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत प्रदान की जाएगी।
- ✳ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क तथा पंजीकरण शुल्क में पूरी छूट है।
- ✳ कानपुर शहर से बाहर के सभी वर्ग के उम्मीदवारों, जो साक्षात्कार के लिए बुलाये जाते हैं, को आने-जाने के किराए का भुगतान किया जाता है। (गुप ए के लिए प्रथम श्रेणी (राजधानी एक्सप्रेस)/शताब्दी एक्सप्रेस में चेयरकार का किराया तथा गुप बी (ग्रेड पे: रु. 4600/-) के लिए एसी-III (राजधानी एक्सप्रेस)/शताब्दी एक्सप्रेस में चेयरकार का रेल किराया दिया जाता है।
- ✳ सक्षम अधिकारी द्वारा अनुभव के आधार पर छूट दी जाती है।

संस्थान में लैंगिक उत्पीड़न निवारण (प्रतिषेध एवं प्रतिरोषण) अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत कार्यवाही

व्याख्यान कक्ष, ट्यूटोरियल ब्लॉक, पी के केलकर पुस्तकालय, फैकल्टी बिल्डिंग, आई एम बिल्डिंग, सीएसई बिल्डिंग में ग्राउन्ड लेवल से लेकर फ्लोर लेवल तक रैम्प का निर्माण किया जा चुका है। व्याख्यान कक्षों, डोआ, आईएमई, नये व्याख्यान कक्षों तथा डोसा कार्यालय की तरह बाधा रहित सुलभ शौचालयों का निर्माण भी कराया जा चुका है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए विश्वभर में जाना जाता है तथा बहुत से उद्योगों एवं शोध संगठनों के लिए यहां के पूर्व स्नातक तथा परास्नातक विद्यार्थी नियोजन के लिए उनकी पहली पसंद होते हैं। विद्यार्थी नियोजन कार्यालय नियोजन से जुड़ी गतिविधियों के लिए एक समन्वयक के रूप में कार्य करता है तथा नियोजन से संबंधित समस्त प्रक्रियाओं के लिए विद्यार्थियों एवं नियोजनकर्ताओं को सहायता उपलब्ध कराता है। विद्यार्थी नियोजन कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सेवाओं में इंटरनशिप एवं रिक्रूटमेंट प्रोसेस दोनों के लिए भर्ती चयन, विद्यार्थी प्रशिक्षण, बायोडेटा शॉर्ट लिस्टिंग, स्क्रीनिंग टेस्ट का आयोजन, ढांचागत व्यवस्था, नौकरी के लिए साक्षात्कार की तिथि का निर्धारण एवं आयोजन तथा आतिथ्य आदि शामिल हैं। संस्थान में नियोजन के लिए भ्रमण करने वाली कंपनियों में कन्सल्टिंग फर्म से लेकर एफएमसीजी टू कोर इण्डस्ट्रीज, सॉफ्टवेयर ज्वाइन्ट्स, ई-कॉमर्स एवं इंजीनियरिंग आदि कंपनियां शामिल हैं।

विद्यार्थी नियोजन कार्यालय की गतिविधियों के मध्य समन्वय कार्य विद्यार्थी नियोजन समिति द्वारा किया जाता है जो एक सलाहकार निकाय है जिसका नेतृत्व विद्यार्थी नियोजन कार्यालय क अध्यक्ष द्वारा किया जाता है। विद्यार्थी नियोजन समिति में प्रत्येक विभाग एवं अंतर-विषयक पाठ्यक्रम के संकाय प्रतिनिधि शामिल रहते हैं। नियोजन कार्यालय के निर्वाह संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कार्यालय के कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा स्वयंसेवकों का एक समूह संकाय सदस्यों को सहयोग प्रदान करता है। यह समूह विद्यार्थी नियोजन कार्यालय एवं कैरियर डेवलपमेंट सेल द्वारा आयोजित नियोजन संबंधी समस्त गतिविधियों के बीच समन्वय का कार्य करता है। विद्यार्थी निकाय का प्रतिनिधि आमंत्रित अतिथि के रूप में विद्यार्थी नियोजन समिति की बैठक में भी हिस्सा लेते हैं तथा निर्णय लेने की प्रक्रिया में अपना योगदान देते हैं। पूर्व-स्नातक एवं परास्नातक नियोजन की देख-भाल करने के अतिरिक्त विद्यार्थी नियोजन कार्यालय दुनिया भर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, शोध एवं विकास केन्द्रों तथा निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की परामर्श फर्मों में सूचनाओं का प्रसारण करके पीएचडी विद्यार्थी की नौकरी तलाशने में मदद करता है साथ ही साथ निजोयन कार्यालय इनोवेशन एवं इंटरप्रिन्योरशिप वेंचर्स को भी प्रोत्साहित करता है। विद्यार्थी नियोजन कार्यालय व्यावसायिक क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक संबंध स्थापित करने एवं उन्हें कायम रखने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है।

fu; kS u'dk kZ; 'd hX fr fof/k k

2017-18 के दौरान विद्यार्थी नियोजन कार्यालय की गतिविधियों को मोटे तौर पर तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है (1) इंटरनशिप (शैक्षणिक एवं औद्योगिक) के लिए वर्तमान विद्यार्थियों की प्रवेश को सुगम बनाना (2) साक्षात्कार तैयारियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण का आयोजन करना (3) कैंपस रिक्रूटमेंट ड्राइव के माध्यम से उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों के लिए रोजगार हेतु साक्षात्कार का आयोजन करना। 2017-18 की प्रथम तिमाही में विद्यार्थी नियोजन कार्यालय के दल का लक्ष्य नियोजन एवं इंटरनशिप प्रक्रिया में सहभागिता हेतु संभावित नियोक्ताओं को आकर्षित करना था। विद्यार्थी नियोजन दल, विभागों की सिफारिश तथा गत नियोजन सत्रों से प्राप्त विद्यार्थियों के सुझावों/जानकारी के आधार पर संभावित नियोक्ताओं की पहचान की गई। पूर्व निर्धारित स्क्रीनिंग मानदण्ड (विद्यार्थी नियोजन कार्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप) के आधार पर संभावित नियोक्ताओं की छंटनी करने का कार्य किया गया तथा नियोजन पूर्व वार्ता के माध्यम से विद्यार्थी-नियोक्ता आपसी विचार-विमर्श के लिए नियोक्ताओं को परिसर में आमंत्रित किया गया। वर्ष 2017-18 के दौरान विद्यार्थी नियोजन कार्यालय के दल द्वारा किये गये प्रयासों के फलस्वरूप इंटरनशिप एवं पूर्णकालिक रोजगार के लिए कुल 46 नये नियोक्ता को आमंत्रित करने में सफलता प्राप्त हुई है।

or Zku fo | kKk kZu; kS u

विद्यार्थी नियोजन कार्यालय प्री-फाइनल ईयर के छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप प्रोग्राम के लिए काफी प्रोत्साहित करता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर अपने सु-संरचित इंटरनशिप कार्यक्रम पर गर्व करता है। उल्लेखनीय है कि इंटरनशिप/प्री-प्लेसमेंट ऑफर के पश्चात ढेरों विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित वेतमान वाले पद प्राप्त होते हैं। वर्ष 2017-18 के दौरान कुल 289 विद्यार्थियों को इण्डस्ट्री इंटरनशिप प्रदान की गई है जो गतवर्ष की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत अधिक है। कुल 123 विद्यार्थियों ने अपने इंटरनशिप प्रोग्राम के पश्चात प्री-प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त किये हैं जो वर्ष 2016-17 की तुलना में लगभग 15 अधिक है। वर्ष 2017-2018 के इंटरनशिप प्रोग्राम में जिन प्रमुख नियोक्ताओं ने हिस्सा लिया उनमें प्रमुख हैं एडोब सिस्टम्स, सिटीकॉर्प सर्विसेज, क्रेडिट सुइस, जनरल इलेक्ट्रिक, गोल्डमैन सैक्स, जिंदल, केपीआईटी टेक्नोलोजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सैमसंग, श्लमबर्गर, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, लिंकड इन, जेपी मॉर्गन चेस, एक्सएल सर्विसेज इत्यादि। नियमति कंपनियों के अतिरिक्त इंटरनशिप के लिए 13 नई कंपनियों ने संस्थान का भ्रमण किया है जिनमें ब्लैकरोक, नोमुरा, फोर्ड मोटर्स जैसी मल्टी नेशनल कंपनी शामिल हैं।

उद्योग उन्मुख इंटरनशिप के अतिरिक्त विद्यार्थी नियोजन कार्यालय आईआईटी कानपुर-एनवायसी कार्यालय द्वारा संचालित कार्यक्रम के माध्यम से शैक्षणिक जगत एवं अनुसंधान तथा विकास के क्षेत्रों में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक इंटरनशिप भी उपलब्ध कराने सहयोग प्रदान करता है। वर्ष 2017-18 के दौरान आईआईटी कानपुर-एनवायसी कार्यालय के माध्यम से लगभग 70 विद्यार्थियों को शैक्षणिक इंटरनशिप प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी नियोजन कार्यालय ने इंटरनेशनल रिलेशन ऑफ आईआईटी कानपुर कार्यालय के माध्यम से प्रदान की जाने वाली विभिन्न शैक्षणिक इंटरनशिप को खोजने में भी विद्यार्थियों की मदद की है। इन इंटरनशिप के कुछ चयनित उदाहरण TAMU-IITK इंटरनशिप प्रोग्राम, Mitac Global सपदा रिसर्च इंटरनशिप, IIT-DAAD रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 35 विद्यार्थियों को शैक्षणिक इंटरनशिप प्रदान की गई है। चयनित संस्थान जिन्होंने भाग लेने का कानपुर के विद्यार्थियों को शैक्षणिक इंटरनशिप प्रदान की है उनमें प्रमुख रूप से टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय, मैक्स-प्लैंक संस्थान, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय बर्कले, यू-टी आर्लिंगटन, इंपीरियल कॉलेज लंदन।

fu; kS u'dh' S k h

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने अपने प्रशिक्षण तथा नियोजन अनुभाग का पुनर्निर्माण किया है जो संस्थान के विद्यार्थियों को 360 डिग्री कैरियर सोल्यूशन उपलब्ध कराता है। नियोजन तैयारी कार्यक्रम का आयोजन कैरियर डेवलपमेंट सेल के साथ-साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के विद्यार्थी जिमखाना द्वारा प्रदत्त सहयोग से किया जाता है। इन प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से विद्यार्थी नियोजन कार्यालय कैरियर काउन्सलिंग सेशन, रिजूम प्रेपरेशन वर्कशाप, साफ्ट स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम, प्लेसमेंट प्रिपरेशन हेतु लर्निंग मैटीरियल उपलब्ध कराना, व्यावसायिक प्रशिक्षण सेवाओं का आयोजन करना, प्रस्तावों को अंतिम रूप देने में सहायता उपलब्ध कराना एवं प्रलेखीकरण आदि के माध्यम से रोजगार ढूढने में विद्यार्थियों को सहयोग तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराता है। ट्रेनिंग एण्ड करियर ओरीएन्टेशन प्रोग्राम का उद्देश्य विद्यार्थियों के अन्दर व्यावसायिक नैतिक मूल्यों को विकसित करने के साथ साथ कैरियर से संबंधित निर्णय लेने में उनका मार्गदर्शन करना था। विद्यार्थियों को अपनी रूचि वाले क्षेत्रों में कैरियर चुनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है जो प्रायः अभियांत्रिकी के मूलभूत क्षेत्रों से लेकर विज्ञान, बैंकिंग, ऐनालिटिक, कन्सल्टिंग जाब्स, रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट, एकेडमिक आदि फ़ैले हुए हैं। कॉर्नेल, इलिनोइस विश्वविद्यालय इत्यादि प्रमुख हैं। विद्यार्थी नियोजन कार्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के दौरान कैरियर

डेवलपमेंट सेल के सहयोग से प्लेसमेंट एवं इंटरनशिप प्रक्रिया में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए तीन व्यावसायिक प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया है। शैक्षणिक सत्र के दौरान अलग-अलग अंतराल पर मैसर्स प्री-प्लप प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स नोलेंस सल्यूशनस प्राइवेट लिमिटेड (बेव आधारित प्रोग्राम) एवं मैसर्स कोएक एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इन सत्रों का आयोजन किया गया। विद्यार्थी नियोजन कार्यालय के दल द्वारा प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया जिनका उद्देश्य रिज्यूम राइटिंग के कौशल में सुधार लाना, अभिरूचि परीक्षा के लिए बहुआयामी अभ्यास/मार्गदर्शन सत्रों का आयोजन, समूह परिचर्चा एवं नियोजन सत्र के प्रारंभ में व्यक्तिगत साक्षात्कार का अभ्यास आदि कराना था। विद्यार्थी जिमखाना की स्वयंसेवकों के साथ नियोजन कार्यालय के दल द्वारा रोजगार साक्षात्कार के लिए वांछित व्यक्तित्व एवं अंतर्व्यक्तिक कौशल सुधारने में चयनित विद्यार्थी समूहों के लिए पर्सनल गाइडेंस एवं सॉफ्ट स्किल इनहेन्समेंट सत्रों का आयोजन किया गया। नियोजन की तैयारी के रूप में विविध क्षेत्रों में कार्य करने वाले आमंत्रित पूर्वछात्र सदस्यों द्वारा परिचर्चा/रोजगार जागरूकता कार्यशाला/वार्ताओं का भी आयोजन किया गया। नियोजन सत्र 2017-18 के लिए नियोजन की तैयारी से संबंधित निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया।

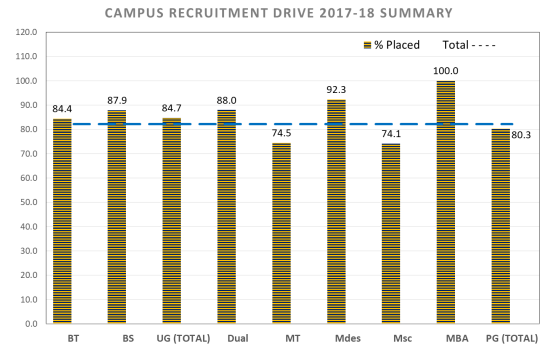
- ❖ विभिन्न व्यवसायिक एजेंसियों एवं विशेषज्ञों द्वारा कैरियर काउन्सलिंग के माध्यम से व्यवहार कुशलता, व्यवसायिक संप्रेषण तथा व्यक्तित्व निर्माण में सुधार लाना।
- ❖ रिज्यूम राइटिंग वर्कशॉप का आयोजन करके व्यवसायिक रिज्यूम तैयार कराने में सहयोग
- ❖ मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम
- ❖ इस विषय पर कारपोरेट से सुझाव प्राप्त करना कि वे विभिन्न प्रकार की नौकरियों हेतु विद्यार्थियों में किस प्रकार का हुनर तलाश रहे हैं।
- ❖ कंपनियों के सुझाव तथा विभिन्न विद्यार्थियों के साक्षात्कार संबंधी अनुभव को भी विद्यार्थियों की तैयारियों में शामिल करना।
- ❖ ग्रेजुएटिंग बैच के विद्यार्थियों द्वारा रिज्यूम का सत्यापन किया गया।
- ❖ जी डी एवं इंटरव्यू पर सीनियर्स द्वारा एक सत्र का आयोजन किया गया तथा (वीडियो, लिंक, पीपीटी) जैसी संबंधित सामग्री को भविष्य में संदर्भित करने के लिए प्रिपरेशन पोर्टल पर अपलोड किया गया।
- ❖ विभिन्न संगठनों, संस्थानों में कार्य करने वाले पूर्वछात्रों द्वारा कैरियर अवेर्नस कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। पूर्वछात्रों द्वारा अपने कारपोरेट जगत से संबंधित अनुभवों को भी साझा किया गया।
- ❖ परीक्षा जैसे व्यवसायिक संगठन को वर्ष भर विद्यार्थियों के लिए अभिक्षमता परीक्षा आयोजित कराने के लिए काम में लगाया गया।
- ❖ फ्यूचर इंटरएक्शन पैटर्न का विकास किया गया।

दंडा हर्तुं ह्क कु

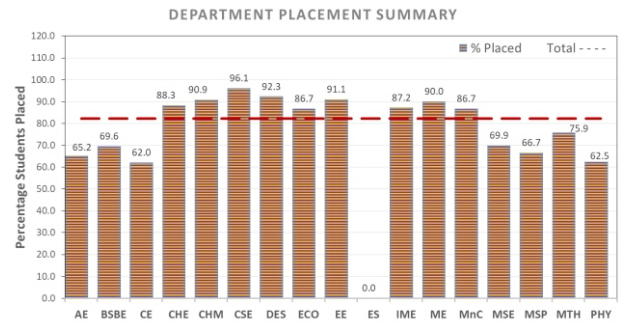
982 विद्यार्थियों ने कैंपस भर्ती अभियान के लिए नियोजन कार्यालय में अपना पंजीकरण कराया। पूर्व के वर्षों की भांति शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के लिए कैंपस प्लेसमेंट दो चरणों में आयोजित किया गया। नियोजन के प्रथम चरण की शुरुवात अधिकारिक रूप से 01 दिसम्बर 2017 को हुई। विद्यार्थियों को पूर्णकालिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नियोजन के प्रथम चरण में लगभग 240 नियोक्ताओं ने परिसर का भ्रमण किया। विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली 33 सर्वोच्च कंपनियों ने नियोजन के प्रथम दिन साक्षात्कार के लिए संस्थान का भ्रमण किया जहां पर अप्रत्याशित रूप से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के 256 विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान किये गये। रोजगार देने की संख्या के आधार पर इस नियोजन सत्र के लिए सर्वोच्च नियोक्ता इंटेल कारपोरेशन रहा जिसने पहले दिन संस्थान का भ्रमण किया तथा संस्थान के 59 विद्यार्थियों को रोजगार के प्रस्ताव उपलब्ध कराये। इस सत्र के लिए अन्य सर्वोच्च नियोक्ता टाटा मोटर्स, गोल्डमैन सैक्स, एक्सल सेवाएं और एचएसबीसी आदि प्रमुख रहे। गत वर्ष की भांति विद्यार्थी नियोजन कार्यालय में

नियोजन के लिए पंजीकृत विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने के प्रयास में 'one job per student' की नीति जारी रही। नियोजन के दूसरे चरण की शुरुआत जनवरी में प्रारंभ हुई तथा अप्रैल 2018 तक जारी रही। नियोजन के दोनों चरणों में विद्यार्थियों को रोजगार प्रदान करने लिए लगभग 260 से भी अधिक कंपनियों ने संस्थान का भ्रमण किया।

उपाधि प्राप्त करने वाली कक्षा के लगभग 82% विद्यार्थी (पंजीकृत 982 में से 807 विद्यार्थी) शैक्षणिक सत्र 2017-19 के दौरान विद्यार्थी नियोजन कार्यालय के माध्यम से नियोजित किये गये। इसमें पूर्वस्नातक एवं परास्नातक दोनों स्तर के विद्यार्थी शामिल थे। बीटेक. एवं बी.एस के में पंजीकृत 418 विद्यार्थियों में से 354 विद्यार्थी (लगभग 85%) को इस सत्र के दौरान नियोजित किया गया। पूर्व स्नातक नियोजन में, विद्यार्थी नियोजन कार्यालय के माध्यम से प्रदत्त एकेडमिक इंटरनशिप के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के विद्यार्थियों को दिये जाने वाले प्री-प्लेसमेंट ऑफर भी शामिल हैं। पंजीकृत परास्नातक विद्यार्थियों में से लगभग 80% विद्यार्थियों (563 में से 449) को कैंपस भर्ती अभियान के दौरान नियोजित किया गया। वर्तमान सत्र के लिए पाठ्यक्रम अनुसार नियोजन संबंधी सार का विवरण नीचे अधोलिखित चित्र में दिया गया है।



विविध परास्नातक पाठ्यक्रमों में एमबीए पाठ्यक्रम का नियोजन 100 प्रतिशत (सर्वोच्च) रहा इसके पश्चात 92 प्रतिशत के साथ मास्टर ऑफ डिजाइन, दोहरी उपाधि 88 प्रतिशत। अन्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी नियोजन संबंधी आंकड़ें ऊपर दिये गये चित्र में दर्शाए गये हैं। वर्तमान सत्र के लिए विभागीय स्तर के नियोजन रिकार्ड संबंधी आंकड़ें नीचे दिये गये चित्र में दर्शाए गये हैं।



विभिन्न विभागों में संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी, डिजाइन प्रोग्राम, विद्युत अभियांत्रिकी, रासायनिक अभियांत्रिकी एवं यांत्रिक अभियांत्रिकी का नियोजन 90 प्रतिशत रिकार्ड किया गया है। अन्य विभागों के नियोजित किये गये विद्यार्थियों का प्रतिशत ऊपर दिये गये चित्र में दर्शाया गया है। ऊपर दी गई प्रतिशत गणना उपाधि प्राप्त तथा नियोजन कार्यालय से पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या से निकाली गई है। उपाधि प्राप्त बहुत से विद्यार्थियों ने अपने आप को नियोजन कार्यालय से पंजीकृत नहीं कराया था चूंकि ये विद्यार्थी उच्च अध्ययन अथवा उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए रुचिकर थे। इसके अतिरिक्त भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के काफी विद्यार्थियों ने सिविल सेवाओं की तैयारी की अथवा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में रोजगार के विकल्प का चयन किया जिसके फलस्वरूप भर्ती प्रक्रिया से दूर रहे।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के विद्यार्थियों ने अपनी पंसद के

रोजगार में अपनी प्रमुख शैक्षणिक पृष्ठभूमि के प्रति दृढ़ इच्छा शक्ति को दर्शाया है। नियोजन सत्र 2017-18 में भी कोर इंजीनियरिंग सेक्टर में नौकरी पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि देखने को मिली है जहां पर लगभग 40 प्रतिशत विद्यार्थियों को रोजगार के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। कोर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भर्ती के लिए संस्थान का भ्रमण करने वाली कुछ सर्वोच्च कंपनियां में इंटेल, हनीवेल, श्लमबर्गर, ईटन, एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड इत्यादि प्रमुख रहीं हैं। गत वर्ष की भांति भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने डेटा एनालेटिक्स के क्षेत्र में भी नियोक्ताओं को आकर्षित करना जारी रखा। लगभग 100 संगठनों से 270 से भी अधिक प्रस्तावों ने इंजीनियरिंग एण्ड इन्फर्मेशन टेक्नोलोजी के पश्चात डेटा एनालेटिक्स को सबसे बड़ा नियोक्ता बना दिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि पिछले कुछ वर्षों से जारी इस प्रवृत्ति ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में अपनी गहरी जड़ें जमा लीं हैं। मैनेजमेंट कन्सल्टिंग सहित कन्सल्टिंग के क्षेत्र में 40 से भी अधिक रोजगार के प्रस्ताव उपलब्ध कराये गये। वित्त क्षेत्र से जुड़ी हुई कंपनियों ने भी संस्थान का भ्रमण किया जिन्होंने अलग-अलग विद्याओं से जुड़े हुए विद्यार्थियों को रोजगार के प्रस्ताव उपलब्ध कराये। इस वर्ष वित्त सेवाओं से जुड़ी हुई कंपनियों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के विद्यार्थियों को 60 से भी अधिक रोजगार के प्रस्ताव प्रदान किये हैं।

कुछ प्रमुख कंपनियां जिन्होंने कैम्पस भर्ती अभियान 2017-18 में भाग लिया उनमें एडोब सिस्टम्स, सिटीकॉर्प सर्विसेज, क्रेडिट सुइस, गोल्डमैन सैक्स, केपीआईटी टेक्नोलोजीज, सैमसंग, श्लमबर्गर, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, लिंकड इन, जेपी मॉर्गन चैस, एचएसबीसी, एक्सएल सर्विसेज, एक्सोन मोबिल, ब्लैकरोक, मिशेलिन, यूआईडीएआई, रूब्रिक इंक, माइक्रोसॉफ्ट, बैंक ऑफ अमेरिका, अमेरिकन एक्सप्रेस आदि प्रमुख रहीं हैं।

v कृष्ण

मैं, नियोजन संबंधी विविध गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए उपलब्ध कराई गई वित्तीय सहायता के लिए संस्थान प्रशासन का आभार व्यक्त करता हूँ। हम संस्थान की विभिन्न इकाइयों जैसे व्याख्यान कक्ष, अधिष्ठाता शैक्षणिक कार्य, अधिष्ठाता विद्यार्थी कार्य, अतिथि गृह एवं संबंधित सेवाओं के सदस्यों तथा संस्थान निर्माण विभाग की विभिन्न इकाइयों के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करता हूँ जिनके सहयोग एवं समर्थन से नियोजन संबंधी गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित किया जा सके। हम कैरियर डेवलेपमेंट सेन्टर एवं स्टूडेंट्स जिमखाना को भी विद्यार्थी नियोजन कार्यालय की विभिन्न गतिविधियों के मध्य समन्वय एवं प्रबंधन करने लिए उनके तकनीकी सहयोग एवं अद्वितीय समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करना चाहता हूँ।

ॐ कृष्ण, ओम् कृष्ण परमहंस्यै नमः

पूर्वस्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों के अध्यापन के अतिरिक्त संस्थान के संकाय-सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान कार्यों में भी संलग्न रहते हैं। अनुसंधान से प्राप्त निष्कर्षों के प्रतिपादन तथा उनके प्रचार-प्रसार में संकाय सदस्यों की अग्रणी भूमिका रहती है। संकाय सदस्यों के शोध-पत्र विभिन्न जर्नलों, पुस्तकों आदि में प्रकाशित होते रहते हैं तथा वे अपने शोध-पत्रों के वाचन के लिए अनेकानेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लेते हैं जो उनके अनुसंधान के प्रति सक्रियता को प्रमाणित करती है।

विस्तृत विवरण तथा प्रकाशन की संख्या निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है:

<https://iitk.ac.in/dord/data/Annual-Report-2017-18/Publication-and-Outreach-activities.pdf>

ॐ कृष्ण, ओम् कृष्ण परमहंस्यै नमः

विस्तृत विवरण के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें।

<https://iitk.ac.in/dord/data/Annual-Report-2017-18/Hindi/Services-and-Amenities.pdf>



Annual Report

2017-18

